@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
वीरवार, 5 सितंबर 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 300 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

मुस्लिम पक्ष ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में दी चुनौती

नई दिल्ली, 4 सितंबर। मुस्लिम पक्ष ने मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद से संबंधित 18 मामलों की विचारणीयता को चुनौती देने वाली याचिका खारिज करने के इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का रुख किया है। उच्च न्यायालय के एक अगस्त के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका मस्जिद प्रबंधन समिति ने वकील आरएचए सिकंदर के माध्यम से शीर्ष अदालत में दायर की है। सिकंदर ने कहा कि याचिका पर अगले सप्ताह सुनवाई होने की संभावना है। उच्च न्यायालय ने एक अगस्त को मथुरा में मंदिर-मस्जिद विवाद से संबंधित 18 मामलों की विचारणीयता को चुनौती देने वाली मुस्लिम पक्ष की याचिका को खारिज कर दिया था और कहा था कि शाही ईदगाह के ''धार्मिक चरित्र'' को निर्धारित करने की आवश्यकता है। उच्च न्यायालय ने इस दलील को खारिज कर दिया था कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर और निकटवर्ती मस्जिद के विवाद से संबंधित हिंदू वादियों द्वारा दायर वाद पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम का उल्लंघन करते हैं और इसलिए सुनवाई योग्य नहीं हैं। वर्ष 1991 का अधिनियम देश की आजादी के दिन मौजूद किसी भी उपासना स्थल के धार्मिक चरित्र को बदलने पर रोक लगाता है। इसमें केवल राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद को इसके दायरे से बाहर रखा गया था। हिंदू पक्ष द्वारा दायर किए गए मामलों में औरंगजेब-युग की मस्जिद को हटाने का आग्रह किया गया है। हिंदू पक्ष का दावा है कि यह मस्जिद एक मंदिर को ध्वस्त करने के बाद बनाई गई थी। अपने फैसले में, उच्च न्यायालय ने कहा था कि 1991 का अधिनियम ''धार्मिक चरित्र'' शब्द को परिभाषित नहीं करता है और ''विवादित'' स्थान पर मंदिर और मस्जिद का दोहरा धार्मिक चरित्र नहीं हो सकता, जो ''एक ही समय पर एक-दूसरे के प्रतिकूल हैं।'' उच्च न्यायालय के न्यायाधीश ने कहा था, ''या तो स्थान मंदिर है या मस्जिद। इस प्रकार, मुझे लगता है कि विवादित स्थान का धार्मिक चरित्र, जैसा कि 15 अगस्त, 1947 को अस्तित्व में था, दोनों पक्षों के नेतृत्व में दस्तावेजी और मौखिक साक्ष्य द्वारा निर्धारित किया जाना है।''

प्रधानमंत्री मोदी का सिंगापुर में हुआ भव्य स्वागत

सिम्मी कौर बब्बर

सिंगापुर, 4 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो देशों की अपनी यात्रा के पहले चरण में मंगलवार को ब्रुनेई पहुंचे। मोदी द्विपक्षीय यात्रा पर ब्रुनेई आने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री हैं। वर्ष 2013 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह 11वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए ब्रुनेई गए थे। प्रधानमंत्री मोदी का हवाई अड्डे पर शहजादे अल-मुहतदी बिल्लाह ने स्वागत किया। मोदी को हवाई अड्डे पर 'गार्ड ऑफ ऑनर' भी प्रदान किया गया। मोदी बुधवार को ब्रुनेई से सिंगापुर पहुंचे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आधिकारिक यात्रा पर सिंगापुर पहुंचे हैं। हवाई अड्डे पर उनका सिंगापुर के गृह और कानून मंत्री ने गर्मजोशी से स्वागत किया और इस शहर में मौजूद होटल में भारतीय समुदाय ने उनका स्वागत किया। शाम को सिंगापुर के प्रधानमंत्री पीएम मोदी के लिए निजी रात्रिभोज का आयोजन करेंगे। कल उनका कार्यक्रम बहुत व्यस्त है। सुबह में उनकी सिंगापुर के प्रधानमंत्री के साथ बैठकें होंगी, जहां उनका औपचारिक स्वागत भी किया जाएगा और उसके बाद वे सिंगापुर के राष्ट्रपति और एमेरिटस वरिष्ठ मंत्री और कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ बैठकें करेंगे। वे सिंगापुर के प्रधानमंत्री के साथ सेमीकंडक्टर सुविधा एईएम का भी दौरा करेंगे। प्रधानमंत्री के पास व्यापारिक कार्यक्रम भी हैं, वे सिंगापुर की कंपनियों के सीईओ से मिलेंगे। यह यात्रा महत्वपूर्ण है क्योंकि यह भारत की एक्ट ईस्ट नीति को भारत के इंडो-पैसिफिक के दृष्टिकोण से लेकर भारत-सिंगापुर आर्थिक संबंधों और भारत-सिंगापुर तकनीकी संबंधों को एक बड़ा बढ़ावा देगी। ये सभी बातें दोनों देशों के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। सिंगापुर के एक होटल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पहुंचने पर एक महिला ने उन्हें राखी बांधी। सिंगापुर पहुंचने पर भारतीय समुदाय के लोगों ने प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सिंगापुर के एक होटल में भारतीय समुदाय द्वारा स्वागत किया गया। अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग, राष्ट्रपति थर्मन शनमुगरत्नम और सिंगापुर के शीर्ष नेताओं से मुलाकात करेंगे। वे सिंगापुर के व्यवसायियों से भी मिलेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सिंगापुर पहुंचने पर भारतीय समुदाय के लोगों ने उनका स्वागत किया।

इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी वहां मौजूद कलाकारों के साथ ढोल बजाते भी नजर आए। प्रधानमंत्री मोदी दक्षिण पूर्वी एशियाई राष्ट्र के साथ रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने के उद्देश्य से दो दिवसीय यात्रा पर बुधवार को सिंगापुर पहुंचे। प्रधानमंत्री मोदी ब्रुनेई की अपनी पहली द्विपक्षीय यात्रा समाप्त करने के बाद सिंगापुर के अपने समकक्ष लॉरेंस वोंग के निमंत्रण पर इस दक्षिण-पूर्व एशियाई देश की अपनी पांचवीं आधिकारिक यात्रा के तहत यहां पहुंचे। सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग के अलावा मोदी वरिष्ठ मंत्री ली सीन लूंग और एमेरिटस वरिष्ठ मंत्री गोह चोक टोंग से भी मुलाकात करेंगे। वोंग और लूंग मोदी के सम्मान में अलग-अलग भोज देंगे। मोदी सिंगापुर के व्यापारिक नेताओं से भी मिलेंगे और देश के सेमीकंडक्टर तंत्र से जुड़े लोगों के साथ बातचीत करेंगे। प्रधानमंत्री 'इंडिया रेडी टैलेंट प्रोग्राम' के तहत भारत में 'इंटर्नशिप' करने वाले सिंगापुर के छात्रों और सिंगापुर की कंपनियों में काम करने वाले ओडिशा के प्रशिक्षुओं से भी मिलेंगे। द्विपक्षीय वार्ता के बाद भारत और ब्रुनेई के संयुक्त बयान के मुताबिक, भारत-ब्रुनेई अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत निरंतर नौवहन और उड़ान की स्वतंत्रता का सम्मान करने के लिए प्रतिबद्ध है। ब्रुनेई में स्थापित भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के टेलीमेट्री ट्रैकिंग केंद्र ने अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत के प्रयासों की दिशा में योगदान दिया है।

बारिश से प्रभावित किसानों को एनडीआरएफ के मानदंडों से अधिक देंगे मुआवजा: सीएम शिंदे

मुंबई, 4 सितंबर। महाराष्ट्र के लातूर जिले के दौरे के दौरान मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बड़ी घोषणा की, उन्होंने मराठवाड़ा क्षेत्र में बारिश के कारण बर्बाद हुई फसलों को एनडीआरएफ के मानदंडों से अधिक मुआवजा देने का आश्वासन दिया। सीएम शिंदे ने पत्रकारों से कहा, राज्य सरकार राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल की तरफ से निर्धारित मानदंडों से भी अधिक संभव मुआवजा देगी। इस दौरान सीएम एकनाथ शिंदे ने प्रभावित किसानों के लिए राज्य सरकार के समर्थन पर जोर दिया। वहीं डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि फसलों के लिए पंचनामा या क्षति आकलन करने में तेजी लाई जाएगी ताकि जल्द से जल्द मुआवजा दिया जा सके। अधिकारियों की तरफ से किए गए प्राथमिक आकलन के अनुसार, पिछले तीन दिनों में मराठवाड़ा में बारिश से संबंधित घटनाओं में कम से कम दस लोगों की जान चली गई। मूसलाधार बारिश ने सात जिलों में लगभग 11.67 लाख हेक्टेयर भूमि पर फसलों को नुकसान पहुंचाया, जिसमें नांदेड़ में प्रकृति के प्रकोप का सबसे अधिक प्रभाव देखा गया। दरअसल राज्य की महायुति सरकार को मराठवाड़ा समेत राज्य के अन्य जिलों में बारिश के बाद फसल क्षति के आकलन में देरी करने के लिए विपक्ष की आलोचना का सामना करना पड़ा। इससे पहले आज ही शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने जालना जिले के अंबडगांव में किसानों के बारिश से प्रभावित खेतों का दौरा किया है।

सैम पित्रोदा ने राहुल को बताया राजीव गांधी से अच्छा विचारक

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 4 सितंबर। भारतीय ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने राहुल गांधी को अपने पिता राजीव गांधी से अच्छा रणनीतिकार और विचारक बताया। उन्होंने कहा कि दोनों नेता भारत के विचार के संरक्षक हैं। राहुल गांधी में भविष्य के प्रधानमंत्री के सभी गुण हैं। पित्रोदा ने राहुल गांधी की विदेश यात्रा को लेकर भाजपा की ओर से किए गए हमले को फर्जी करार दिया। पित्रोदा ने राहुल गांधी की अमेरिका यात्रा को लेकर कहा कि वह आधिकारिक क्षमता के तहत अमेरिका नहीं आ रहे हैं। बल्कि उनको व्यक्तिगत स्तर पर कैपिटल हिल में कुछ लोगों से बातचीत करनी है। वह थिंक टैंक के लोगों से मिलेंगे और जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय में भी बातचीत करेंगे। पित्रोदा ने कहा कि उन्होंने राजीव गांधी, पीवी नरसिम्हा राव, मनमोहन सिंह, वीपी सिंह, चंद्रशेखर और एचडी देवेगौड़ा जैसे कई प्रधानमंत्रियों के साथ काम किया है। उन्होंने कहा कि राहुल और राजीव के बीच अंतर यह है कि राहुल कहीं अधिक बौद्धिक, विचारक हैं और राजीव थोड़ा अधिक काम करने वाले थे। उनका डीएनए एक जैसा है, उनकी चिंताएं एक जैसी हैं। वह वास्तव में बेहतर भारत बनाने में विश्वास रखते हैं। उनकी कोई बड़ी व्यक्तिगत ज़रूरतें भी नहीं हैं। उन्होंने कहा कि

राहुल राजीव गांधी से कहीं अधिक रणनीतिकार हैं। वे अलग-अलग समय, अलग-अलग उपकरण, अलग-अलग अनुभव रखते हैं। उनको अपने जीवन में दो बड़े दर्द झेलने पड़े थे। पहला अपनी दादी की मौत का और दूसरा पिता की मौत का। पित्रोदा ने कहा कि सामूहिक रूप से उस भारत का निर्माण करना हमारा काम है जिसकी हमारे संस्थापकों ने कल्पना की थी। राहुल गांधी की छवि आखिरकार वैसी ही बन रही है जैसे वह हैं। भारत जोड़ों यात्रा ने इसमें मदद की है। उन्होंने कहा कि पहले मीडिया में बनाई गई छवि एक व्यक्ति के खिलाफ सुनियोजित अभियान पर आधारित थी। जहां उनको बदनाम करने के लिए लाखों-करोड़ों डॉलर खर्च किए गए थे। वह उच्च शिक्षित थे तो लोगों ने कहा कि वह कभी कॉलेज नहीं गया। पित्रोदा ने कहा कि बहुत सारा पैसा खर्च करके उनकी झूठी छवि बनाई गई थी। मैं राहुल गांधी को बहुत श्रेय देता हूं कि वे लंबे समय तक इससे लड़ते रहे और जीवित रहे, कोई और होता तो नहीं बच पाता। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष पित्रोदा ने कहा कि आप हर समय सभी लोगों से झूठ नहीं बोल सकते। लोग अब यह देखने लगे हैं कि कहा गया था कि हम 20 मिलियन नौकरियां पैदा करेंगे, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किय। कहा गया था कि काला धन वापस लाया जाएगा, यह भी नहीं हुआ।

सीएम पद के लिए महाविकास अघाड़ी में कोई टकराव नहीं: आदित्य ठाकरे

कौमी संवाददाता

मुंबई, 4 सितंबर। शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री पद के लिए महाविकास अघाड़ी पार्टियों के बीच कोई टकराव नहीं है। उन्होंने बताया कि भाजपा, शिवसेना और राकांपा की महायुति गठबंधन को सत्ता से हटाना ही विपक्षी गठबंधन का लक्ष्य है। भारी बारिश के कारण छत्रपति संभाजीनगर, जालना, परभणी, हिंगोली और नांदेड़ जिलों के क्षतिग्रस्त इलाकों का दौरा करने से पहले ठाकरे ने चिकलथाना एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बात की। शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने कहा, यह स्पष्ट है कि हमारी लड़ाई किसी के खिलाफ नहीं है। यह महाराष्ट्र सरकार के खिलाफ है। हम वर्तमान सरकार को सत्ता से बाहर करना चाहते हैं। यही हमारा मुख्य

लक्ष्य है। हालांकि, शरद पवार ने कहा था कि मुख्यमंत्री पद के लिए उम्मीदवार का चयन चुनाव के बाद होगा। उनके इस बयान को लेकर आदित्य ठाकरे से सवाल किया गया। उन्होंने कहा, यह ठीक है। चर्चा की जाएगी। कोई भी मुख्यमंत्री के पद के लिए नहीं लड़ रहा है। आदित्य ठाकरे ने आगे कहा, सीटों को लेकर रस्साकशी होने की उम्मीद है। हर कोई सभी सीटों पर दावा कर सकते हैं। सरकार पर निशाना साधते हुए पूर्व मंत्री ने कहा कि शासक मुंबई को बेच रहे हैं।

काम पर लौटें, न्याय सुप्रीम कोर्ट पर छोड़ें

नई दिल्ली, 4 सितंबर। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में महिला डॉक्टर के दुष्कर्म और हत्या के मामले को लेकर प्रदर्शन जारी हैं। इस बीच, भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए) के अध्यक्ष डॉक्टर आर.वी. असोकन ने बुधवार को सभी डॉक्टरों से काम पर लौटने की अपील की। एक बयान में आईएमए प्रमुख ने कहा, आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में महिला डॉक्टर के दुष्कर्म और हत्या के मामले ने देश की अंतरात्मा को झकझोर दिया है। उन्होंने कहा, पूरे देश में इस बात को लेकर गम और गुस्सा है कि वह एक उभरती हुई डॉक्टर थीं और वह अपने माता-पिता की इकलौती बेटी थीं। पूरे देश ने उसे अपनी बेटी मान लिया है। देशभर में डॉक्टरों के विरोध का हवाला देते हुए डॉ. असोकन ने कहा कि मेडिकल समुदाय सही मायनों में गुस्से में है। उन्होंने कहा कि रेजीडेंट डॉक्टर गहरे गम और गुस्से के साथ सड़कों पर उतर आए और आईएमए ने आपातकालीन देखभाल को छोड़कर चौबीस घंटे मेडिकल सेवाएं रोकने का आह्वान किया। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने संज्ञान लिया और डॉक्टरों व अन्य स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक राष्ट्रीय कार्यबल का गठन किया है। डॉ. असोकन ने कहा, कोर्ट ने डॉक्टरों से कहा कि हम पर भरोसा करो।

दल-बदल में अयोग्य पूर्व विधायकों की पेंशन होगी बंद: सुखविंद्र सिंह सुक्खू

तेजिन्दर कौर बब्बर

शिमला, 4 सितंबर। हिमाचल प्रदेश विधानसभा में बुधवार को विपक्ष के विरोध के बीच दल-बदल में अयोग्य पूर्व विधायकों की पेंशन-भत्ते बंद करने का विधेयक पारित हुआ। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने संशोधन के पारण का प्रस्ताव पेश किया। विपक्ष ने इसे पूर्वाग्रह से बना बिल करार दिया। पेंशन अधिकार से वंचित कांग्रेस के पूर्व विधायकों से पिछली रकम की वसूली का भी इसमें प्रावधान है। कांग्रेस विधायकों ने ध्वनिमत से संशोधित विधेयक पास किया। अब राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल की मंजूरी मिलने पर ही हिमाचल प्रदेश ऐसा कानून बनाने वाला देश का पहला राज्य बनेगा। विधेयक पर चर्चा के दौरान विपक्ष के कुछ विधायकों ने इसे सदन की प्रवर समिति को भेजने तो कुछ ने इसे वापस लेने का आग्रह किया। संशोधित विधेयक में व्यवस्था की है कि किसी बात के प्रतिकूल होते हुए भी कोई व्यक्ति अधिनियम के अंतर्गत पेंशन का हकदार नहीं होगा, यदि उसे संविधान की दसवीं अनुसूची के अधीन किसी भी समय अयोग्य घोषित किया गया है। यदि कोई व्यक्ति इस उपधारा के अधीन

पेंशन के अधिकार से वंचित होता है तो उसकी ओर से पहले से ली पेंशन ऐसी रीति से वसूली जाएगी, जैसे निर्धारित किया जाएगा। विधेयक में संशोधन के कारण स्पष्ट करते लिखा कि विस सदस्यों के भत्ते-पेंशन प्रदान करने के दृष्टिगत अधिनियमित किया था। वर्तमान में भारत के संविधान की दसवीं अनुसूची के अधीन विधायी सदस्यों के दल-बदल को हतोत्साहित करने के लिए अधिनियम में कोई उपबंध नहीं है। इसलिए सांविधानिक उद्देश्य के लिए राज्य के लोगों की ओर से दिए जनादेश की रक्षा और लोकतांत्रिक मूल्यों के संरक्षण के लिए संशोधन आवश्यक है। राज्यपाल से मंजूरी मिलते ही कानून बनने के बाद पहली बार विधायक बनने के बाद अयोग्य घोषित पूर्व विधायक चैतन्य शर्मा और देवेंद्र भुट्टो पेंशन-भत्तों से वंचित होंगे। इन्हें पेंशन के तौर पर 36 हजार रुपये बेसिक और भत्ते जोड़कर कुल 94 हजार रुपये मिलते हैं। दूसरी बार विधायक बनने पर हर साल पेंशन में पांच हजार रुपये बढ़ते हैं। विस अध्यक्ष ने छह कांग्रेस विधायकों सुधीर शर्मा, राजेंद्र राणा, भुट्टो, चैतन्य, रवि ठाकुर और इंद्रदत्त लखनपाल को दल बदलने के आरोप में अयोग्य घोषित कर दिया।

फिल्म उद्योग की समस्याओं के समाधान के लिए बनाएं कानून: सीएम विजयन

नई दिल्ली, 4 सितंबर। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन से संयुक्त अपील करने वालों में लेखिका अरुंधति रॉय, सुप्रीम कोर्ट की अधिवक्ता इंदिरा जयसिंह और वृंदा ग्रोवर, अभिनेत्री अपर्णा सेन, प्रकाश राज, स्वरा भास्कर, संगीतकार टी.एम. कृष्णा, कुछ सेवानिवृत्त नौकरशाह और कई पत्रकार शामिल हैं, जिन्होंने समिति की स्थापना के उद्देश्यों को हासिल करने के लिए राज्य सरकार से 360 डिग्री दृष्टिकोण की मांग की है। मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में उन्होंने जिन चिंताओं को उजागर किया है उनमें रिपोर्ट में उल्लिखित यौन दुराचार और अपराधों पर अत्यधिक ध्यान केंद्रित करना और फिल्म उद्योग में काम करने की स्थिति, अनुबंधों की कमी, वेतन असमानता आदि जैसे मुद्दों का वस्तुत: बहिष्कार शामिल है, जिनका उल्लेख पैनल के निष्कर्षों में भी किया गया है। हस्ताक्षरकर्ताओं में से एक, संगीतकार टी एम कृष्णा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में मलयालम सिनेमा में महिलाओं के साथ एकजुटता व्यक्त की और राज्य सरकार से समिति की रिपोर्ट पर तत्काल कार्रवाई करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, मलयालम सिनेमा में महिलाओं के साथ एकजुटता दिखाते हुए हम केरल सरकार से हेमा समिति की रिपोर्ट पर तत्काल कार्रवाई करने का आग्रह करते हैं, ताकि न केवल यौन उत्पीड़न, बल्कि वेतन असमानता, खराब कार्य स्थितियों और उद्योग में प्रणालीगत असमानता पर भी ध्यान दिया जा सके। हस्ताक्षरकर्ताओं ने सीएम विजयन को लिखे अपने संयुक्त पत्र में कहा कि फिल्म उद्योग में यौन उत्पीड़न और हिंसा के अपने अनुभवों के बारे में महिलाओं की तरफ से लगाए जा रहे आरोपों की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) के गठन ने मीडिया के चुनिंदा कवरेज को और बढ़ावा दिया है।

एयर इंडिया के दिल्ली-विशाखापत्तनम विमान में बम की धमकी

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 4 सितंबर। नई दिल्ली से विशाखापत्तनम जा रहे एयर इंडिया के एक विमान में मंगलवार देर रात बम होने की धमकी मिली है। हालांकि विशाखापत्तनम में लैंडिंग के बाद जब विमान की जांच की गई तो उसमें कुछ भी नहीं मिला। इस बारे में विशाखापत्तनम हवाई अड्डे के निदेशक एस राजा रेड्डी ने जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस को बम की धमकी वाली कॉल मिली थी। इसके बाद पुलिस ने एयरलाइन और विशाखापत्तनम हवाई अड्डे को सतर्क किया। रेड्डी ने बताया कि विमान की लैंडिंग के बाद जब उसकी जांच की गई तो पता चला कि यह एक झूठी कॉल थी। उन्होंने बताया कि इस उड़ान में 107 यात्री थे। पुणे के हडपसर इलाके में अजनबियों के साथ मोबाइल हॉटस्पॉट कनेक्शन साझा करने से इन्कार करने पर 47 वर्षीय व्यक्ति वासुदेव रामचन्द्र कुलकर्णी की सड़क पर चाकू मारकर हत्या कर दी गई। कुलकर्णी एक लोन एजेंट के रूप में काम करता था। एक अधिकारी ने बताया कि रविवार देर रात हुई घटना के सिलसिले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया और तीन नाबालिगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस अधिकारी ने कहा कि युवाओं के एक समूह ने कुलकर्णी से संपर्क किया और उनसे मोबाइल हॉटस्पॉट कनेक्शन साझा करने के लिए कहा। उसने अजनबियों के साथ कनेक्शन साझा करने से इन्कार कर दिया, जिस कारण विवाद हो गया। इस बीच कुलकर्णी ने एक युवक को थप्पड़ मार दिया। इसके बाद आरोपियों ने उस पर धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। मुंबई के लोअर परेल इलाके में मंगलवार शाम सड़क हादसे में एक ट्रांसजेंडर की मौत हो गई। यहां 32 वर्षीय ट्रांसजेंडर की स्कूटी फिसल कर डंपर ट्रक की चपेट में आ गई जिससे उसकी मौत हो गई। लोअर परेल पुलिस ने इस बारे में जानकारी दी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि हादसे के बाद उसे नगर निगम द्वारा संचालित अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां पहुंचने पर उसे मृत घोषित कर दिया गया। उन्होंने बताया कि पीड़िता वर्ली बीडीडी चॉल की रहने वाली थी। इस बीच, ओडिशा सरकार ने मंगलवार को 2022 बैच के छह आईएएस अधिकारियों को उनका प्रशिक्षण पूरा होने के बाद राज्य के विभिन्न उपखंडों के उप-कलेक्टर के रूप में नियुक्त

किया। इस बारे में सामान्य प्रशासन और लोक शिकायत विभाग द्वारा एक अधिसूचना भी जारी की हई है। इसके मुताबिक, अक्षय पिल्ले को बोनी के उप-कलेक्टर के रूप में नियुक्त किया गया है, जबकि प्रह्लाद नारायण शर्मा अथागढ़ के नए उप-विभागीय मजिस्ट्रेट (एसडीएम) हैं। वहीं, अरुगुला स्नेहा को पदमपुर, अकावरम सस्या रेड्डी को जेपोर के उप-कलेक्टर, समीर कुमार जेना को तालचेर का एसडीएम और सौम्यरंजन प्रधान को रायरंगपुर का एसडीएम नियुक्त किया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा है कि महिलाओं के प्रति नजरिये में बदलाव की जरूरत है। मुंबई में महाराष्ट्र विधान परिषद के शताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत की आधी आबादी महिलाओं की है। देश को आगे ले जाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में उनकी सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। हमारा दायित्व है कि महिलाओं की चिंताओं को दूर करें। राष्ट्रपति ने कहा कि महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक प्रगति के बिना देश का विकास उस तरह नहीं हो सकता जैसा होना चाहिए। इसलिए महिलाओं के प्रति हमारे नजरिये में बदलाव की जरूरत है। मुझे लगता है, जो कुछ हम देख रहे हैं। महिलाएं जो कुछ झेल रही है, आगे ऐसा नहीं होगा। उन्होंने कहा कि दुनियाभर में लोग भारत का अनुसरण करते हैं। छोटी बच्ची मां की अंगुली पकड़कर चलती है। जननी चाहती है कि किसी कि खराब दृष्टि बच्चों पर न पड़े। मां के होते हुए कोई भी ऐसा साहस न करेगा। यह हम सबकी सोच होनी चाहिए। उनकी यह टिप्पणी महिलाओं के खिलाफ अपराध के हाल के मामलों को संदर्भ से जोड़कर देखी जा रही है।

कोरोना महामारी के दौरान दी गई खराब वैक्सीन से अब भी मर रहे लोग: मुख्यमंत्री सोरेन

रांची, 4 सितंबर। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बुधवार को आरोप लगाया कि कोविड-19 के दौरान दिए गए खराब टीकों के कारण लोगों की अब भी मौत हो रही है। उन्होंने कहा कि एक विशेष टीके की भारत में अभी भी आपूर्ति की जा रही है, जो दुनियाभर में प्रतिबंधित है और इसे लोगों को दिया जा रहा है। सोरेन का यह बयान राज्य में हाल ही में आबकारी कांस्टेबल भर्ती अभियान के दौरान 12 लोगों की मौत के बाद आया। सरकार ने सोमवार को इस भर्ती पर तीन दिन के लिए रोक लगा दी थी। मुख्यमंत्री ने कहा, भर्ती अभियान के दौरान दुर्भाग्य से कुछ अभ्यर्थियों की मौत हो गई। ये मौतें केवल दौड़ने के कारण नहीं हो रही हैं, बल्कि लोग चलने के दौरान भी मर रहे हैं। यह सभी को पता है कि कोरोना महामारी के दौरान भाजपा सरकार की ओर दिए गए टीके खराब थे और इसका वैश्विक स्तर पर प्रभाव पड़ा था। पहले झारखंड भाजपा ने इन मौतों के लिए राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहराया था। एक सरकारी कार्यक्रम में भाग लेते हुए सोरेन ने झारखंड मुख्यमंत्री मैयां सम्मान योजना के तहत महिलाओं के खातों में पहली किस्त के रूप में 1,000 रुपये ट्रांसफर किए। 7.04 लाख लाभार्थियों में कुल 70.50 करोड़ रुपये वितरित किए गए। सोरेन ने लाभार्थियों को संबोधित करते हुए घोषणा की कि योजना के लिए प्रवेश की

उम्र 21 साल से घटाकर 18 साल कर दी गई है। उन्होंने बताया कि अब तक करीब 50 लाख महिलाएं इस योजना में शामिल की जा चुकी हैं। मुख्यमंत्री ने भाजपा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पार्टी उनकी सरकार को अस्थिर करने की साजिश कर रही है। उन्होंने कहा, जब हमारी सरकार 2019 में सत्ता में आई, तो भगवा पार्टी ने सरकार को अस्थिर करने की साजिश की। जब वे सफल नहीं हुए, तो केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल करके मुझे जेल में डालने की कोशिश की।

फ्रांसीसी तट के पास ब्रिटिश चैनल में नाव दुर्घटना, 12 प्रवासियों की मौत

एजेंसी

पेरिस। ब्रिटिश चैनल पार करने की कोशिश करने के दौरान फ्रांस के तट पर एक नाव के दुर्घटनाग्रस्त होने से 12 प्रवासियों की मौत हो गयी। यह जानकारी फ्रांस की सरकार ने दी है। फ्रांस के आंतरिक मंत्री गेराल्ड दारमानिन ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि ब्रिटिश चैनल पार करने की कोशिश करने के दौरान फ्रांस के तट पर एक नाव के दुर्घटनाग्रस्त होने से 12 प्रवासियों की मौत हो गयी। उन्होंने कहा, पास-डी-कैलाइस (विभाग) में एक भयानक नाव दुर्घटना। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, 12 लोग मारे गए हैं, दो लापता हैं और कई घायल हुए हैं। लापता लोगों की तलाश और पीड़ितों की मदद के लिए सभी राज्य सेवाएँ जुटाई गई हैं। उन्होंने बाद में बताया कि पीड़ितों में अधिकतर महिलाएं हैं। आज सुबह डूबने वाली नाव सात मीटर (23 फीट) से भी कम लंबी थी और उसमें 70 लोग सवार थे।

पोप फ्रांसिस आधिकारिक यात्रा पर इंडोनेशिया पहुंचे

जकार्ता। पोप फ्रांसिस आधिकारिक यात्रा पर इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता पहुंचे, जो 12 दिवसीय एशिया-प्रशांत दौरे की शुरुआत है, इंडोनेशियाई प्रसारक कोम्पास ने बताया। पोप, जिनका विमान सोएकरनो-हट्टा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा, पापुआ न्यू गिनी, पूर्वी तिमोर और सिंगापुर की यात्रा से पहले 3-6 सितंबर तक इंडोनेशिया में रहेंगे। इंडोनेशियाई राष्ट्रपति जोको विडोडो ने कहा कि वह पोप के साथ इजरायल-फिलिस्तीनी संघर्ष और यूक्रेनी संकट पर चर्चा करना चाहते हैं। जकार्ता पोप फ्रांसिस के स्वागत के लिए एक राजकीय स्वागत समारोह आयोजित करेगा। अपनी यात्रा के तीसरे दिन, पोप लगभग 90,000 कैथोलिकों के लिए गेलोरा बुंग कार्नो स्टेडियम में एक सामूहिक प्रार्थना सभा आयोजित करेंगे। उन्होंने कई सार्वजनिक कार्यक्रमों की भी योजना बनाई है, जिसमें जकार्ता की इस्तिकलाल मस्जिद के सर्वोच्च इमाम नसरुद्दीन उमर के साथ एक बैठक भी शामिल है।

साराजेवो में झड़प में प्रवासी की मौत, कई गिरफ्तार

साराजेवो। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार शाम बोस्निया और हर्जेगोविना की राजधानी साराजेवो में प्रवासी समूहों के बीच हिंसक झड़प के दौरान गोली लगने से एक प्रवासी की मौत हो गई। स्थानीय पुलिस ने कहा कि साराजेवो कैंटन के इलिड्ज़ा नगरपालिका में शाम 6:00 बजे (1600 त्रस्न्ह्ल) के आसपास हुआ विवाद जल्द ही बढ़ गया, जिसके कारण आग्नेयास्त्रों का इस्तेमाल किया गया। साराजेवो कैंटन के अभियोजक कार्यालय ने पुष्टि की कि पीड़ित, 20 के दशक का एक युवक, अस्पताल ले जाने के तुरंत बाद दम तोड़ दिया।

साराजेवो कैंटन पुलिस ने कैंटोनल अभियोजक कार्यालय के एक ड्यूटी अभियोजक के नेतृत्व में एक जांच शुरू की है। कई संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। हालांकि, मृत प्रवासी की पहचान अभी तक सार्वजनिक नहीं की गई है।अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन संगठन के अनुसार, 2023 में, ब्ब्द्ध।अधिकारियों ने लगभग 35,000 अनियमित आगमन दर्ज किए, जो 2022 की तुलना में 25 प्रतिशत की वृद्धि है।

कांगो में जेल से भागने के प्रयास में 129 कैदियों की मौत, 59 घायल

एजेंसी

किंशासा। मध्य अफ्रीकी देश डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) की राजधानी किंशासा स्थित मकाला सेंट्रल जेल से भागने के प्रयास में कम से कम 129 कैदियों की मौत हो गयी और 59 अन्य घायल हो गये हैं। डीआरसी सरकार ने यह जानकारी दी। उपप्रधानमंत्री एवं गृह एवं सुरक्षा मंत्री जैकमेन शबानी ने बताया कि कैदियों ने कल सुबह जेल से भागने की कोशिश की। इस दौरान कुल 129 कैदी मारे गये, जिनमें से 24 'चेतावनी' के बाद हुई गोलीबारी में और अन्य 'धक्का लगने या दम घुटने' से मारे गये। उन्होंने बताया कि घटना में कम से कम 59 कैदी घायल भी हुए हैं, जिनकी देखभाल सरकार कर रही है, वहीं कुछ महिलाओं के साथ दुष्कर्म की रिपोर्ट भी सामने आयी है। उन्होंने बताया कि घटना के दौरान प्रशासनिक भवन, रजिस्ट्री, इन्फर्मरी और खाद्य डिपो में आग लगा दी गयी थी।प्रत्यक्षदर्शियों ने शिन्हुआ को बताया कि सोमवार की सुबह मकाला सेंट्रल जेल में कई घंटों तक गोलियों की आवाजें सुनी गयीं। न्याय मंत्री कॉन्स्टेंट मुताम्बा ने जुलाई में फैसला किया था कि मकाला सेंट्रल जेल में भीड़भाड़ कम करने के लिए 1,284 कैदियों को सशर्त रिहाई दी जायेगी।

अफ्रीका में एमपॉक्स के मामले बढ़ने पर संयुक्त राष्ट्र एजेंसी ने जताई चिंता

एजेंसी

नैरोबी। संयुक्त राष्ट्र की एक राहत एजेंसी ने कहा कि पूर्वी और दक्षिणी अफ्रीका के पांच देशों में अब तक तीन मौतों सहित एमपॉक्स के लगभग 367 मामले दर्ज किए गए हैं और आशंका है कि संख्या और बढ़ सकती है। मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (ओसीएचए) ने कहा कि सोमवार तक, बुरुंडी में 328 मामले, दक्षिण अफ्रीका में 24, युगांडा में सात जबकि रवांडा और केन्या में चार-चार मामले दर्ज किए गए हैं।

दक्षिणी और पूर्वी अफ्रीका के लिए ओसीएचए क्षेत्रीय कार्यालय ने बीमारी पर अपने नवीनतम अपडेट में कहा कि 'बुरुंडी, रवांडा और युगांडा सहित क्षेत्र के कुछ देशों ने बीमारी को नियंत्रित करने के लिए अपनी प्रतिक्रिया योजना शुरू की है। हालांकि, सीमित धन और संसाधन उनके प्रयासों में बाधा डालते हैं। संयुक्त राष्ट्र एजेंसी के अनुसार, जनवरी से पूरे अफ्रीका में 3,800 से अधिक मामलों की पुष्टि हुई है, जिसमें डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) के बाद बुरुंडी महाद्वीप के दूसरे सबसे प्रभावित देश है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने इस बीमारी को अंतर्राष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल (पीएचईआईसी) घोषित किया है और एमपॉक्स के प्रकोप को रोकने और जीवन की रक्षा करने के लिए एक समन्वित अंतर्राष्ट्रीय प्रतिक्रिया का आह्वान किया है। संयुक्त राष्ट्र स्वास्थ्य एजेंसी द्वारा यह कदम डीआरसी में वायरल संक्रमण के प्रकोप और अफ्रीका में अपने पड़ोसी देशों में फैलने के बाद उठाया गया है।

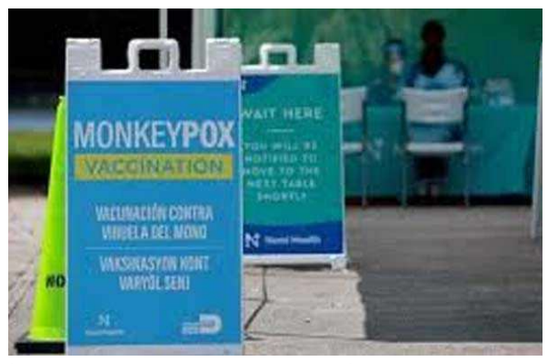

एमपॉक्स, मंकीपॉक्स वायरस के कारण होने वाली एक वायरल बीमारी है, जिसमें क्लेड 1बी और क्लेड 2बी सहित दो अलग-अलग समूह होते हैं और यह संक्रामक व्यक्ति, दूषित सामग्री या संक्रमित जानवरों के साथ शारीरिक संपर्क में आने से मनुष्यों में प्रसारित हो सकता है। ओसीएचए के अनुसार, बुरुंडी, केन्या, रवांडा और युगांडा ने जुलाई और अगस्त के बीच अपने पहले क्लेड 1बी मामलों की सूचना दी है, शुरू में 2023 में डीआरसी में प्रसारित हुआ और क्लैड 2बी संस्करण की तुलना में अधिक गंभीर और तेजी से फैलता हुआ प्रतीत हुआ, जो पश्चिम अफ्रीका में प्रसारित हो रहा है। अफ्रीकी संघ ने पूरे अफ्रीका में एमपॉक्स के प्रकोप से निपटने के लिए चल रहे प्रयासों का समर्थन करने के लिए अगस्त में 1.04 करोड़ अमेरिकी डॉलर की मंजूरी दी।ओसीएचए ने कहा कि डब्ल्यूएचओ के समर्थन से सरकारें और स्वास्थ्य साझेदार संपर्क अनुरेखण, सीमा प्रवेश बिंदुओं पर मामलों की जांच, परीक्षण क्षमता को मजबूत करने, निगरानी, मामले की रिपोर्टिंग और निवारक उपायों पर जानकारी के प्रसार सहित प्रतिक्रिया को बढ़ाना जारी रखे हुए हैं।

यूक्रेन के पोल्टावा में रूसी हमले में 51 मारे गए, 271 घायल

एजेंसी

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने कहा है कि मध्य यूक्रेन के पोल्टावा शहर पर रूस की ओर किये गये मिसाइल हमले में कम से कम 51 लोग मारे गए और 271 अन्य घायल हो गए। श्री ज़ेलेंस्की ने टेलीग्राम पर लिखा कि कुछ लोग अभी भी नष्ट हो चुकी इमारतों के मलबे में फंसे हुए हैं और घटनास्थल पर बचाव अभियान जारी है। यूक्रेन के अभियोजक जनरल के कार्यालय ने एक बयान में कहा कि प्रारंभिक जांच के अनुसार रूस ने दो इस्केंडर-एम बैलिस्टिक मिसाइलों के जरिए पोल्टावा में एक शैक्षणिक संस्थान और एक अस्पताल पर हमला किया।

सड़क हादसे में पांच स्कूली बच्चों समेत 11 लोगों की मौत

एजेंसी

बीजिंग। चीन के शेडोंग प्रांत में एक स्कूल बस ने माध्यमिक स्कूल के मुख्य द्वार के पास खड़े छात्रों और अभिभावकों को रौंद दिया, जिसमें पांच छात्रों समेत 11 लोगों की मौत हो गयी और 13 अन्य घायल हो गये।

चीन की सरकारी मीडिया के अनुसार घायलों में से एक की हालत गंभीर है। प्रांत के ताइआन शहर में सुबह सात बजकर 27 मिनट पर यह हादसा हुआ। चालक ने नियंत्रण खोते हुए स्कूल के मेन गेट के पास एकत्र छात्रों और अभिभावकों पर बस चढ़ा दी। सरकारी मीडिया ने हादसे की पुष्टि करते हुए कहा, बस ने सड़क किनारे खड़े छात्रों और अभिभावकों को रौंद दिया। इस हादसे में पांच छात्रों और छह अभिभावकों की मौत हो गयी और 13 अन्य घायल हो गये जिनमें से एक की हालत गंभीर है।

पुलिस चालक को हिरासत में लेकर मामले की जांच कर रही है। यह पता लगाने की भी कोशिश की जा रही है कि कहीं बस चालक ने जानबूझकर इस घटना को अंजाम तो नहीं दिया। घटना की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किए जा रहे हैं, जिसमें लोग वाहन के नीचे फंसे हुए दिखाई दे रहे हैं।

यह दुर्घटना नए शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत में छात्रों के स्कूल लौटने के कुछ ही दिनों बाद हुई। चीन में गंभीर सड़क दुर्घटनाएं अक्सर होती रहती हैं। इस वर्ष जुलाई में केंद्रीय शहर चांगशा में एक वाहन ने सड़क किनारे चल रहे लोगों को टक्कर मार दी जिसमें आठ लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए।

भारत को अपने यहां आने वाले पर्यटकों का सबसे बड़ा स्रोत बनाना चाहता है सऊदी अरब

एजेंसी

साउदी। भारत से सऊदी अरब जाने वाले पर्यटकों की संख्या में तेज उछाल के बीच वहां का पर्यटन विभाग इस दशक के अंत तक भारत को अपने यहां आने वाले पर्यटकों के सबसे बड़े स्रोत के रूप में देखना चाहता है।

सऊदी अरब पर्यटन की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में भारत से 16 लाख लोगों ने वहां की यात्रा की जो सालाना आधार पर 240 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्शाती है। इसी रिपोर्ट के अनुसार, सऊदी पर्यटन ने 2030 तक भारत को अपने यहां आने वाले पर्यटकों के सबसे स्रोत के रूप में देखना चाह रहा है। सऊदी अरब पर्यटन के राष्ट्रीय ब्रांड 'सऊदी वेलकम टू अरेबिया' ने भारत से पर्यटकों को आकर्षित करने के लिये अपना पहला उपभोक्ता अभियान 'स्पेक्टेकुलर सऊदी' (दर्शनीय सऊदी) अभियान शुरू किया। इसके अंतर्गत 'हार्ट ऑफ़ अरेबिया' की थीम पर सऊदी को देखने लायक जगह बनाने वाली सभी चीजों को शामिल किया गया है। इनमें दिरियाह'ज़ अत-तुरिफ के मिट्टी और ईंटों से बने प्राचीन वास्तु शिल्प और लाल सागर के प्रशांत जल से लेकर जेद्दाह के अल बलाद की ऐतिहासिक गलियाँ और हेगरा, अलउला के भव्य मकबरे शामिल हैं। अभियान की विज्ञप्ति के अनुसार, ÷भारतीयों को सऊदी भ्रमण में वहां के पारंपरिक स्वागत-सत्कार के तरीकों का अनुभव और वहां की समृद्ध संस्कृति को जानने का अवसर प्राप्त होगा, जो भारतीय आतिथ्य-सत्कार से मिलती-जुलती है। इस अभियान से दोनों देशों की संस्कृति को और बढ़ावा मिलेगा।÷ सऊदी पर्यटन प्राधिकरण के अध्यक्ष अलहसन अल्दुब्बारघ ने कहा, ÷हमारे दिलों में भारत के लिये बेहद खास जगह है और हम 2030 तक भारत को पर्यटकों के लिए अपना पहले नंबर का स्रोत बनाने के लिये प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा, 2023 में 16 लाख भारतीयों ने सऊदी की यात्राएं की थीं। हम 'हार्ट ऑफ अरेबिया' देखने के लिये भारतीयों का स्वायगत करते हुए उत्साहित हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत से अब सऊदी अरब जाना बेहद आसान हो गया है। इस समय आठ एयरलाइनें दोनों देशों के बीच सप्ताह में 330 सीधी उड़ानों का परिचालन कर रही हैं। अगर भारतीयों के पास अमेरिका, ब्रिटेन या किसी भी शेंजेन देश का वैध पर्यटन या व्यवसायी वीज़ा अथवा प्रवेश का मुहर लगा प्रमाण है तो उनको सऊदी अरब जाने के लिये ई-वीजा और वीज़ा आसानी से मिल जाता। अन्य लोग भारत में 11 वीजा प्रसंस्करण केंद्रों के माध्यम से वीज़ा के लिये आवेदन कर सकते हैं।

पाकिस्तानी एयरलाइन PIA की किरकिरी; पायलट ने कार की तरह साफ की विमान की विंड स्क्रीन, वीडियो वायरल

एजेंसी

इस्लामाबाद। घाटे से जूझ रही पाकिस्तानी इंटरनेशनल एयरलाइन के पायलट ने उड़ान भरने पहले अपने विमान की विंड स्क्रीन साफ की। कार और ट्रक की तरह विमान की एक खिड़की से आगे निकलकर पायलट विमान का शीशा साफ करता दिखा। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इसे लेकर लोगों की प्रतिक्रियाएं आने लगी हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान-सऊदी अरब के जेहाद के बीच चलने वाली अंतरराष्ट्रीय उड़ान एयरबस ए 330-200 में यह घटना हुई। इसमें पायलट आगे का नजारा साफ देखने के लिए खुद ही विमान की विंड स्क्रीन साफ करता नजर आया। इसका वीडियो सामने आने के बाद सुरक्षा कारणों को लेकर लोगों की प्रतिक्रियाएं सामने आई। सोशल मीडिया पर कई लोगों ने पाकिस्तान की वित्तीय स्थिति का मजाक उड़ाया। एक यूजर ने एक्स पर लिखा कि लगता है पायलट पहले कैब का ड्राइवर रहा है। वहीं एक अन्य यूजर ने यात्रियों की सुरक्षा की प्रार्थना की। बता दें कि पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस बीते दो साल से घाटे से जूझ रही है। पिछली कई सरकारों ने पीआईए को बेचने की कोशिश की, मगर राजनीतिक कारणों से ऐसा नहीं हो सका। क्योंकि विपक्षी दलों ने हजारों एयरलाइन कर्मचारियों के बेरोजगार होने को बड़ा मुद्दा बनाया। अब कार्यवाहक सरकार ने इस योजना को आगे बढ़ाने की कोशिश की। मगर चुनाव आयोग ने फैसले पर रोक लगा दी।

पाकिस्तान सरकार का कहना है कि पीआईए से जुड़ी कुल संपत्तियों की लागत 171.43 अरब रुपये है। निजीकरण की प्रक्रिया पूरी होने के बाद पीआईए की संपत्तियों और ऋण को इसके अधिकार वाली कंपनी और अधिग्रहण करने वाली नई कंपनी के बीच बांट दिया जाएगा। आधिकारिक जानकारी के अनुसार पीआईए पर सरकार का कुल 161 अरब रुपये और निजी बैंकों का 267 अरब रुपये बकाया है। यह बकाया पीआईए की अधिकार वाली कंपनी को हस्तांतरित कर दिया जाएगा। आगे बताया गया है कि पीआईए की कुल 171.43 अरब की संपत्ति में से 146.57 अरब रुपये नए संस्थान को हस्तांतरित किए जाएंगे। इसके अलावा 24.86 अरब रुपये की संपत्ति इसकी आधिकारिक कंपनी के पास रहेगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने ब्रुनेई की राजधानी में प्रतिष्ठित मस्जिद का दौरा किया

एजेंसी

बंदर सेरी बेगवान। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शाम ब्रुनेई की राजधानी में प्रतिष्ठित सुल्तान उमर अली सैफुद्दीन मस्जिद का दौरा किया। ब्रुनेई के धार्मिक मामलों के मंत्री पेहिन दातो उस्ताज हाजी अवांग बदरुद्दीन ने उनकी अगवानी की और कुछ समय तक परिसर में चुपचाप बैठकर समय बिताया। मोदी के साथ विदेश मंत्री एस जयशंकर और एनएसए अजीत डोभाल भी थे।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा÷ प्रधानमंत्री मोदी ने सुल्तान उमर अली सैफुद्दीन मस्जिद का दौरा किया, जहां ब्रुनेई के धार्मिक मामलों के मंत्री पेहिन दातो उस्ताज हाजी अवांग बदरुद्दीन ने उनका स्वागत किया। बयान में कहा गया कि ब्रुनेई के स्वास्थ्य मंत्री हाजी मोहम्मद ईशाम भी उपस्थित थे। प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत करने के लिए भारतीय समुदाय के सदस्यों का एक समूह भी मौजूद था। मस्जिद का नाम ब्रुनेई के 28वें सुल्तान (वर्तमान सुल्तान के पिता, जिन्होंने इसका निर्माण भी शुरू किया था) उमर अली सैफुद्दीन द्ध्दद्ध के नाम पर रखा गया है, और यह 1958 में बनकर तैयार हुआ था।

इससे पहले प्रधानमंत्री ने ब्रुनेई की राजधानी में भारतीय उच्चायोग के नए चांसरी परिसर का उद्घाटन किया। वह ब्रुनेई की दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर आज सुबह बंदर सेरी बेगवान पहुंचे। बुधवार को श्री मोदी ब्रुनेई सुल्तान के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे।

मोदी ने ब्रुनेई में किया भारतीय उच्चायोग के नये चांसरी परिसर का उद्घाटन

एजेंसी

बंदर सेरी बेगावान। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ब्रुनेई में भारतीय उच्चायोग के नये चांसरी परिसर का उद्घाटन किया। श्री मोदी ने इस अवसर पर दीप प्रज्वलित किया और एक पट्टिका का अनावरण किया। प्रधानमंत्री ने उद्घाटन समारोह में मौजूद भारतीय समुदाय के सदस्यों से भी बातचीत की। उन्होंने दोनों देशों के बीच एक जीवंत पुल और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के रूप में उनके योगदान की सराहना की।

ब्रुनेई में भारतीयों के आगमन का पहला चरण 1920 के दशक में तेल की खोज के साथ शुरू हुआ। वर्तमान में ब्रुनेई में लगभग 14 हजार भारतीय रहते हैं। ब्रुनेई के स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा क्षेत्रों की वृद्धि और विकास में भारतीय डॉक्टरों और शिक्षकों के योगदान को अच्छी तरह से स्वीकार किया गया है। चांसरी परिसर भारतीयता की गहरी भावना का प्रतीक है, जो पारंपरिक रूपांकनों और हरे-भरे वृक्षारोपण को कुशलता से एकीकृत करता है। सुरुचिपूर्ण क्लैडिंग और टिकाऊ कोटा पत्थरों का उपयोग इसकी सौंदर्य अपील को और बढ़ाता है, जो क्लासिक और समकालीन तत्वों को सामंजस्यपूर्ण रूप से मिश्रित करता है। यह डिज़ाइन न केवल भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को समर्पित है बल्कि एक शांत और आकर्षक माहौल भी बनाता है।

तुर्की ने अमेरिका विरोधी समूह के 15 लोगों को किया गिरफ्तार

एजेंसी

इज़्मिर। तुर्की के अधिकारियों ने इज़्मिर में दो अमेरिकी सैन्य कर्मियों पर हमला करने के आरोप में एक अमेरिकी विरोधी युवा समूह के 15 सदस्यों को हिरासत में लिया, यह जानकारी राज्य द्वारा संचालित अनादोलु समाचार एजेंसी ने दी। पैट्रियटिक पार्टी से जुड़ा तुर्की युवा संघ इस हमले में शामिल था। यह पार्टी एक छोटा राष्ट्रवादी राजनीतिक समूह है, जिसके पास संसदीय सीटें नहीं हैं। अमेरिकी दूतावास ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि यूएसएस वास्प के सेवा सदस्य 'अब सुरक्षित हैं।' राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता सीन सेवेट ने टिप्पणी की, 'हम अमेरिकी सेवा सदस्यों पर इस हमले से परेशान हैं और हम इस बात की सराहना करते हैं कि तुर्की पुलिस इस मामले को गंभीरता से ले रही है और जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहरा रही है।समूह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर घटना का एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें कुछ लोग चिल्लाते हुए 'यांकी घर जाओ!' दिखा रहे थे, जबकि वे यूएसएस वास्प से उतरे सैनिकों के सिर पर बोरे रखने की कोशिश कर रहे थे।

हमलों से बेहाल यूक्रेन में सियासी उठापटक; कैबिनेट में फेरबदल से पहले कई मंत्रियों का इस्तीफा

कीव। यूक्रेन और रूस के बीच दो साल से अधिक समय से युद्ध जारी है। मास्को लगातार हमले कर रहा। इस बीच कीव पर एक और नया संकट गहरा गया है। कैबिनेट मंत्रियों सहित कम से कम छह यूक्रेनी अधिकारियों ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। वहीं राष्ट्रपति के एक सहयोगी को बर्खास्त कर दिया गया, जबकि सत्तारूढ़ पार्टी ने संकेत दिया कि सरकार में बड़े पैमाने पर फेरबदल किया जा रहा है।

इन लोगों की हो सकती है नियुक्ति

राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और उनके राजनीतिक सहयोगियों को हो सकता है कि इन पदों पर नियुक्त किया जा सकता है। जेलेंस्की इस महीने अमेरिका भी जाने वाले हैं और इससे पहले उनकी कोशिश होगी कि सरकार को दोबारा से संगठित कर सकें। माना जा रहा है कि जेलेंस्की राष्ट्रपति जो बाइडन के सामने विक्ट्री प्लान पेश कर सकते हैं।

अहम सरकार पुनर्गठन होगा

जेलेंस्की की पार्टी के वरिष्ठ नेता डेविड अराखामिया ने बताया कि इस हफ्ते एक अहम सरकार पुनर्गठन होगा, जिसमें आधे से ज्यादा मंत्री बदले जाएंगे। उन्होंने पहले ही कहा था, कल हमारे लिए छंटनियों का दिन है, लेकिन उसके बाद नियुक्तियां होंगी।

इन मंत्रियों ने दिया था इस्तीफा

कई यूक्रेनी मंत्रियों ने मंगलवार शाम तक अपना इस्तीफा सौंप दिया था, जिसमें रणनीतिक उद्योग मंत्री, न्याय मंत्री और पर्यावरण संरक्षण मंत्री शामिल थे। यहां के राज्य संपत्ति कोष के प्रमुख विटाली कोवल, उप प्रधानमंत्रियों इरीना वेरेशचुक और ओल्गा स्टेफनिशिना ने भी इस्तीफा दे दिया।

इन्हें किया बर्खास्त

वहीं, जेलेंस्की ने अपने डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ में से एक रोस्टीस्लाव शूरमा को भी बर्खास्त कर दिया है। गौरतलब है, युद्ध शुरू होने के बाद से यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कई फेरबदल का आदेश दिया है, पिछले सितंबर में भ्रष्टाचार के मामले सामने आने के बाद अपने रक्षा मंत्री को बर्खास्त कर दिया था और हाल ही में युद्ध के मैदान में असफलताओं के बीच अपने शीर्ष कमांडर को बदल दिया।

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

संवेदनहीन है ममता बनर्जीः शिवराज

एजेंसी
नई दिल्ली । शिवराज सिंह चौहान ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर संवेदनहीन होने का आरोप लगाते हुए कहा कि आरजी कर मेडिकल कॉलेज के मुद्दे से ध्यान भटकाने के लिए राज्य विधानसभा में दुष्कर्म के दोषी को फांसी देने का विधेयक लाया गया है। श्री चौहान ने यहां एक कार्यक्रम में संवाददाताओं से कहा कि सुश्री बनर्जी में कोई संवेदना नहीं बची है। उन्होंने आरजी कर मेडिकल कॉलेज में हुई विभत्स घटना से ध्यान भटकाने के लिए यह विधेयक लायी है। उन्होंने कहा, दीदी जवाब दें कि ये कानून पहले क्यों नहीं लाया गया, पहले संवेदनशीलता क्यों नहीं दिखाई गई। उन्होंने कहा कि, केवल ध्यान भटकाने के लिए इस तरह के कानून बनाने का कोई अर्थ नहीं है। श्री चौहान ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री से पूछा कि, मेडिकल कॉलेज की घटना में तो अपराधी को फांसी की सजा मिलनी ही चाहिए, लेकिन क्या संदेशखाली की घटनाओं पर शेख शाहजहां जैसे लोग भी फांसी की सजा पाएंगे।संदेशखाली में कई महिलाओं ने शिकायतें की थी और उत्पीड़न की घटनाएं सामने आई थी।

डॉ. मुरुगन ने तमिल भाषा के विकास के मुद्दे को लेकर धनखड़ से की मुलाकात

एजेंसी
नई दिल्ली । सूचना एवं प्रसारण तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री एल. मुरुगन ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मुलाकात की और उनसे तमिल भाषा के विकास और प्रोत्साहन के मुद्दे पर चर्चा की। डॉ. मुरुगन ने श्री धनखड़ से दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में तमिल भाषा विभाग एवं अनुसंधान केंद्र स्थापित करने का अनुरोध किया। उन्होंने डीयू में तमिल भाषा और साहित्य को समर्पित एक नया विभाग एवं शोध केंद्र स्थापित करने का भी प्रस्ताव रखा। साथ ही, तमिल भाषा और साहित्य के शिक्षण को सुविधाजनक बनाने के लिए विभिन्न कॉलेजों और विभागों में नए पदों के सृजन करने की गुजारिश की ताकि देश भर के विद्यार्थियों द्वारा इस प्राचीन भाषा का अध्ययन किया जाना सुनिश्चित हो सके। इस अवसर पर डॉ. मुरुगन के साथ श्री इरा मुकुंदन, श्री एस. अरुणाचलम और श्री मुथुस्वामी सहित दिल्ली तमिल संगम के सदस्य भी मौजूद थे।

केन्द्र ने आर जी कर अस्पताल में तैनात सीआईएसएफ कर्मियों की सुविधा के लिए खटखटाया सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा

एजेंसी
नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने पश्चिम बंगाल में कोलकाता के आर जी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में तैनात केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) कर्मियों को रसद, आवास और सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराने में असहयोग और अवमाननापूर्ण व्यवहार का राज्य सरकार पर आरोप लगाते हुए उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय की याचिका में कहा गया है कि पश्चिम बंगाल के इस मेडिकल कॉलेज में नौ अगस्त को एक पीजी डॉक्टर के साथ कथित दुष्कर्म और हत्या के बाद उच्चतम न्यायालय ने 20 और 22 अगस्त को आदेश दिया था कि वहां की सुरक्षा के लिए सीआईएसएफ कर्मियों को तैनात किया जाए। इसके मद्देनजर वहां सुरक्षा कर्मियों को तैनात कर दिया गया, लेकिन राज्य सरकार के असहयोग के कारण उन्हें (सीआईएसएफ कर्मचारियों को) आवास और बुनियादी सुरक्षा ढांचे की कमी के कारण गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।गृह मंत्रालय ने पश्चिम बंगाल सरकार को सीआईएसएफ को पूर्ण सहयोग देने का निर्देश देने की मांग अदालत से की है। याचिका में विकल्प के तौर पर राज्य सरकार के अधिकारियों के खिलाफ अवमानना ??कार्रवाई शुरू करने की मांग की भी गई है। याचिका में कहा गया है, आवास, सुरक्षा उपकरणों की अनुपलब्धता और परिवहन की कमी के कारण, विभिन्न स्थानों से आने वाले सुरक्षा कर्मियों, विशेष रूप से महिला दल को ड्यूटी करने में बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, जो पश्चिम बंगाल राज्य की वर्तमान स्थिति को देखते हुए अत्यधिक गंभीर मामला है। याचिका में कहा गया है, 54 महिला सुरक्षा कर्मचारियों सहित विभिन्न रैंकों के 184 कर्मियों के लिए, कोलकाता पुलिस ने केवल दो बसें, एक एम्बुलेंस और एक पिकअप वैन उपलब्ध कराया है। दूसरी ओर, सीआईएसएफ द्वारा अनुरोध की गई वाहनों और अन्य रसद सहायता की संख्या बहुत अधिक थी। इसके अलावा पुलिस द्वारा कोई आवास या सुरक्षा उपकरण प्रदान नहीं किया गया है, जो शीर्ष अदालत के समक्ष दिए गए राज्य सरकार के वचन के अनुसार उनका अनिवार्य कर्तव्य था।

पिकोलो डिवाइस की मदद से शिशु के दिल में छेद का सफल उपचार

नई दिल्ली । राष्ट्रीय राजधानी के फोर्टिस एस्कॉर्ट्स हार्ट इंस्टीट्यूट, ओखला के डॉक्टरों ने एक दुर्लभ प्रक्रिया की मदद से डेढ़ माह के नवजात शिशु के दिल में छेद का पिकोलो डिवाइस की मदद से बिना किसी सर्जरी के सफलतापूर्वक इलाज करके उसे जीवनदान दिया है।

शिशु का मात्र 1.8 किलोग्राम वजन था और उसके दिल में छेद यानी पेटेंट डक्टस आर्टेरियोसस (पीडीए) की समस्या से पीड़ित थी।अस्पताल के पिडियाट्रिक कार्डियोलॉजी निदेशक डॉ. नीरज अवस्थी के नेतृत्व में डॉक्टरों ने टीम ने पिकोलो डिवाइस क्लोज़र की मदद से छेद को बंद करके नवजात का जीवनदान दिया। आमतौर पर, पीडीए क्लोज़र की प्रक्रिया सर्जिकल होती है, लेकिन इस मामले में नॉन-सर्जिकल प्रक्रिया को अपनाया गया क्योंकि शिशु को पहले से ही और भी कई स्वास्थ्य समस्याएं थीं जिनकी वजह से उसकी हालत काफी नाजुक थी। ऐसे में सर्जरी करना जोखिम का काम था। करीब एक घंटे तक चली नॉन-सर्जिकल प्रक्रिया के बाद शिशु को चार दिनों के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

श्रमिकों को मिलेगा प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ

नयी दिल्ली । केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने और जीवनयापन सरल बनाने के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत श्रमिकों को शामिल किया जाएगा। मंत्रालय ने यहां बताया कि श्रमिकों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ देने के लिए सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पत्र लिखा गया है। पत्र में प्रवासी श्रमिकों, भवन निर्माण श्रमिकों, बीड़ी श्रमिकों, सिनेमा श्रमिकों, गैर-कोयला खदान श्रमिकों, ठेका मजदूरों और अन्य असंगठित श्रमिकों को आवास योजना मैं शामिल करने को कहा गया है। मंत्रालय ने यह निर्णय? केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा ? प्रधानमंत्री आवास योजना के क्रियान्वयन को वित्त वर्ष 2024-25 से वर्ष 2028-29 तक पांच साल के लिए बढ़ाने की मंजूरी के बाद लिया गया है। इसका उद्देश्य पात्र लाभार्थियों को दो करोड़ अतिरिक्त घर उपलब्ध कराना है। मंत्रालय की यह पहल आर्थिक रूप से कमजोर श्रमिकों की आवास आवश्यकताओं को पूरा करेगी।

सीबीआई ने मेरे खिलाफ एक और बेबुनियाद मामला दर्ज किया

मुंबई, 4 सितंबर। राकांपा-एसपी नेता अनिल देशमुख ने बुधवार को दावा किया कि केंद्रीय ब्यूरो ने उनके खिलाफ एक नया बेबुनियाद मामला दर्ज किया है। उन्होंने इस साजिश के पीछे देवेंद्र फडणवीस की घबराहट को जिम्मेदार ठहराया। महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख पहले से ही भ्रष्टाचार के मामले में सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का सामना कर रहे हैं। अनिल देशमुख ने कहा, मेरे खिलाफ सीबीआई ने एक और बेबुनियाद मामला दर्ज किया है। यह साजिश इसलिए शुरू हुई, क्योंकि जनता का जनादेश देखकर फडणवीस घबरा गए हैं। मैं इस तरह की धमकियों और दबाव से बिल्कुल भी नहीं डरता हूं।

रेल पटरी की निगरानी करने वाले ट्रैकमैन को मिले सुरक्षा और पदोन्नति : राहुल

एजेंसी
नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने रेल पटरी की सुरक्षा के लिए अपना पूरा जीवन खपाने वाले ट्रैकमैन से मिलकर आज उनकी समस्या सुनी और कहा कि ट्रैकमैन का जीवन भी महत्वपूर्ण है इसलिए उनकी सुरक्षा और पदोन्नति सुनिश्चित की जानी चाहिए।

श्री गांधी ने सोशल मीडिया पोस्ट पर कहा रेलवे को गतिशील और सुरक्षित बनाए रखने वाले ट्रैकमैन भाइयों के लिए सिस्टम में 'न कोई प्रमोशन है, न ही इमोशन।

भारतीय रेल कर्मचारियों में ट्रैकमैन सबसे ज्यादा उपेक्षित हैं, उनसे मिल कर उनकी समस्याओं और चुनौतियों को समझने का मौका मिला। ट्रैकमैन 35 किलो औजार उठाकर रोज 8-10 कि.मी. पैदल चलते हैं। उनकी नौकरी ट्रैक पर ही शुरू होती है और वो ट्रैक से ही रिटायर हो जाते हैं। जिस विभागीय परीक्षा को पास कर दूसरे कर्मचारी बेहतर पदों पर पहुंच जाते हैं, उस परीक्षा में ट्रैकमैन को बैठने भी नहीं दिया जाता। उन्होंने कहा ट्रैकमैन भाइयों ने बताया कि हर साल करीब 550 ट्रैकमैन काम के दौरान दुर्घटना का शिकार होकर अपनी जान गंवा देते हैं, क्योंकि उनकी सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं हैं। विपरीत परिस्थितियों में बिना बुनियादी सुविधाओं के दिन-रात कड़ी मेहनत करने वाले ट्रैकमैन भाइयों की इन प्रमुख मांगों को हर हाल में सुना जाना चाहिए।

श्री गांधी ने कहा काम के दौरान हर ट्रैकमैन को 'रक्षक यंत्र' मिले, जिससे ट्रैक पर ट्रेन आने की सूचना उन्हें समय से मिल सके। ट्रैकमैन को विभागीय परीक्षा-एलडीसीई के जरिए तरक्की का अवसर मिले। ट्रैकमैन की तपस्या से ही करोड़ों देशवासियों की सुरक्षित रेल यात्रा पूरी होती है, हमें उनकी सुरक्षा और तरक्की दोनो सुनिश्चित करनी ही होगी।

मध्य और पश्चिमी भारत में अतिवृष्टि का पूर्वानुमान

एजेंसी
नई दिल्ली। मध्य और पश्चिमी भारत के कुछ हिस्सों में बुधवार तक भारी से अतिवृष्टि की चेतावनी जारी की है। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। मौसम विभाग के अनुसार, विदर्भ के मध्य कुछ हिस्सों और उसके आसपास के क्षेत्रों के ऊपर हवा का कम दवाब सक्रिय है जो कमजोर होकर पश्चिम विदर्भ और आसपास के इलाकों में निम्न दबाव का क्षेत्र बना रहा है।मौसम विभाग ने कहा कि इस प्रभाव के कारण आज गुजरात में अतिवृष्टि और सौराष्ट्र और कच्छ, पश्चिमी मध्य प्रदेश और दक्षिण-पूर्वी राजस्थान में भारी से बहुत भारी बारिश होने का अनुमान है और उसके बाद इसमें कमी आएगी। मौसम विभाग ने अगले सात दिनों में कोंकण और गोवा, गुजरात क्षेत्र में भारी बारिश का पूर्वानुमान जताया गया है। विभाग ने कहा कि तीन से नौ सितंबर तक पश्चिमी मध्य प्रदेश, सौराष्ट्र और कच्छ, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़ और मध्य महाराष्ट्र के तटीय क्षेत्रों में भी भारी बारिश हो सकती है।विभाग ने कहा कि इस सप्ताह के दौरान जम्मू-कश्मीर के लद्दाख, गिलगित-बाल्टिस्तान, मुजफ्फराबाद और हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, राजस्थान में भी हल्की और मध्यम बारिश और पंजाब और हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली में अलग-अलग स्थानों पर भी बारिश होने का अनुमान है। मौसम विभाग ने पांच सितंबर के आसपास पश्चिम-मध्य और उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक ताजा हवा का कम दबाव का क्षेत्र बनने का पूर्वानुमान जताया है।

Name Change
I, PRADEEP PURI, S/O SHRI SHYAM SUNDAR, aged 54 years, residing at KHASRA NO 14/6, GALI NO.12, NATHU COLONY, NATURA BURARI, DIST: NORTH DELHI, DELHI, PIN CODE-110084 have changed my name from PRADEEP to PRADEEP PURI for all future purpose.

Name Change
I, SAVITA BN Wife of No-16115305P Rank-NK Name-BASAVARAJ NAGARI R/o SABANISH GALLI, VPO-YAMAKANMARADI, TEH-HUKKERI, DIST-BELGAUM, KARNATAKA-591246 have changed my name from SAVITA BN to SAVITA BASAVARAJ NAGARI for all future purposes vide Affidavit dated 04/09/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, BHASKARA RAO Father of No. 16115579A Rank-NK Name-MANDALA LOKESWARA RAO R/O VILL-PEDADONDAPALLI, TEHSIL-PARVATHIPURAM, DISTT-VIZIANAGARAM, ANDHRA PRADESH-535527 have changed my name from BHASKARA RAO to MANDALA BHASKARA RAO for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 12/03/1963 instead of my correct date of birth as 01/01/1955 Vide Affidavit dated 04/09/2024 before Notary Public Delhi.

Name Change
I, APPALANARSAMMA Mother of No. 16115579A Rank-NK Name-MANDALA LOKESWARA RAO R/O VILL-PEDADONDAPALLI, TEHSIL-PARVATHIPURAM, DISTT-VIZIANAGARAM, ANDHRA PRADESH-535527 have changed my name from APPALANARSAMMA to MANDALA APPLANARASAMMA for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 28/04/1966 instead of my correct date of birth as 01/01/1966 Vide Affidavit dated 04/09/2024 before Notary Public Delhi.

Name Change
I, No-16116247H Rank-NK Name-ANNAMARAJU NAGENDRARAO S/o A V RAMANA RAO Presently residing at VPO+TEH-GOOTY, DIST-ANNATAPUR, ANDHRA PRADESH-515401 have changed my minor son's name from A ROHITH RAO to ANNAMARAJU ROHITH RAO for all future purposes vide Affidavit dated 04/09/2024 before Notary Public Delhi.

Name Change
I, No-16116247H Rank-NK Name-ANNAMARAJU NAGENDRARAO S/o A V RAMANA RAO Presently residing at VPO+TEH-GOOTY, DIST-ANNATAPUR, ANDHRA PRADESH-515401 have changed my minor son's name from A VENKATA KOUSHIK RAO to ANNAMARAJU VENKATA KOUSHIK RAO for all future purposes vide Affidavit dated 04/09/2024 before Notary Public Delhi.

Name Change
I, No. 15321601K Rank- HAV/ FTR, Name- RAJESH S S/o SOMAN K R/o H NO.-489/03, PEARL VILLA, NEDUMANGAD, POOVATHUR, NEDUMANGAD, THIRUVANANTHAPURAM (KERLA)-695561, have changed my minor son name from ALOK RAJESH S to ALOK RAJESH SOMAN for all future purposes. Vide Affidavit dated 04/09/2024 before Notary Public New Delhi.

Name Change
I, K SOMAN F/o 15321601K Rank- HAV/ FTR, Name- RAJESH S R/o H NO.-489/03, PEARL VILLA, NEDUMANGAD, POOVATHUR, NEDUMANGAD, THIRUVANANTHAPURAM (KERLA)-695561, have changed my name from K SOMAN to SOMAN K for all future purposes. And in my son service record my date of birth wrongly mentioned is 01/07/1953 instead of 01/01/1960. Vide Affidavit dated 04/09/2024 before Notary Public New Delhi.

Name Change
I, JAGBIRI DEVI Mother of JC-493063A Rank-NB SUB Name-SUNIL KUMAR R/o VILL-DHINDHAWALI, MUZAFFARNAGAR, UTTAR PRADESH-251318 have changed my name from JAGBIRI DEVI to JAGVIRI for all future purposes vide Affidavit dated 04/09/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, Jashbir S/o Om Parkash R/o H.No-G-18,Ashok Vihar Phase-2, Gurgaon, Haryana-122001, Have Changed My Name To Jasbir Dahiya S/o Om Parkash Dahiya For All Future Purpose

Name Change
I, REKHA Mother of No-16115305P Rank-NK Name-BASAVARAJ NAGARI R/o SABANISH GALLI, VPO-YAMAKANMARADI, TEH-HUKKERI, DIST-BELGAUM, KARNATAKA-591246, have changed my name from REKHA to RENUKA LAXMAN NAGARI for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1938 instead of my correct date of birth as 20/07/1961 vide affidavit dated 04/09/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I hitherto known as Naveen Gupta alias Naveen Kumar S/O: Parmanand Gupta R/O 78 Swastik Kunj Appartments Sector-13, Rohini Raja Pur Kalan,Rohini Sector-7 Narela ,North West Delhi, Delhi -110085 have changed my name and shall hereafter be known as NAVEEN GUPTA.

Name Change
I, UROOSA SHAMEEM W/O MOHAMMAD SHARIQ residing at H NO- N-49, 2ND FLOOR, JAGAT RAM PARK, NEAR CHURCH, LAXMI NAGAR, DELHI-110092 have changed my name to UROOSA SHAMEEM ANSARI for all future purpose.

Name Change
I, Vishal Khanna S/o Vinay Khanna R/o H.No-1262, Upper Second Floor, Huda Plot, Sector-57, Gurgaon, Haryana-122011, Have Changed My Minor Son Name Vyan Khanna To Vyan Vinay Khanna For All Future Purpose.

Name Change
I, RADHA KRISHNAN Father of No. 16122536N Rank-NK Name-VARUN R R/O CHOORACODE, CHULANUR, PO-PERINGOTTUKURUSSI, TEH-ALATHUR, PALAKKAD, KERALA-678574 have changed my name from RADHA KRISHNAN to RADHAKRISHNAN K for all future purposes vide Affidavit dated 04/09/2024 before Notary Public Delhi.

Name Change
I, No. 15722751A Rank HAV Name RAJU AHIRWAR Father of KARTIK SINGH AHIRWAR Resident of VILLAGE-GANDHI NAGAR, POST-MAILWAR, PS-BADAMALEHRA, DISTRICT-CHHATARPUR, MADHYA PRADESH, PIN-471311 have changed my minor son's name from KARTIK SINGH AHIRWAR to KARTIK SINGH for all future purposes vide Affidavit dated 04/09/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, AMMINI SASI Mother of No-16112303Y Rank-HAV Name-ARUN KUMAR S R/o KARUKACHIRA, VILL-EDATHUVA, PO-OORUKARY, TALUK-KUTTANADU, DIST-ALAPPUZHA, KERALA-689595 have changed my name from AMMINI SASI to AMMINI for all future purposes vide affidavit dated 02/09/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, No-16115305P Rank-NK Name-BASAVARAJ NAGARI Father of SHREYA R/o SABANISH GALLI, VPO-YAMAKANMARADI, TEH-HUKKERI, DIST-BELGAUM, KARNATAKA-591246 have changed my minor daughter's name from SHREYA to SHREYA NAGARI for all future purposes vide Affidavit dated 04/09/2024 before Notary Public Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, KARTIK S/o DHARM BIR R/o E-205,206,KHYALA DDA COLONY PHASE-2, TILAK NAGAR, RAJOURI GARDEN, WEST DELHI, DELHI-110018 declare that name of my father has been wrongly written as DHARMVEER in my 10th and 12TH class educational documents . The actual name of my father is DHARM BIR, which may be amended accordingly.

Name Change
I, No. 6946000A, Rank-NK, Name-SABALE LAHU RAMCHANDER residing at VILL & PO-VADUTH, TEHSIL-SATARA, DISTT-SATARA, MAHARASHTRA-415011 have changed my wife's name from RAJASHREE to RAJASHRI LAHU SABALE for all future purposes and in my service records my wife's date of birth wrongly mentioned as 27/08/1985 instead of her correct date of birth as 27/08/1986 vide Affidavit dated 04/09/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, M T UNNIKRISHNAN Father of No-16114022F, Rank-HAV, Name-K T UMESH Residing at UNNI NIVAS, VILL-AMBALAPARA, DIST-PALAKKAD, KERALA-679501, have changed my name from M T UNNIKRISHNAN to UNNIKRISHNAN M T for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1951 instead of my correct date of birth as 16/11/1959 vide affidavit dated 04/09/2024 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
Be it known to all concerned that our clients SMT.DHRAM WATI.W/o Sh. SANT LAL, both R/o H.No 139 Gali no. 4 Shakti Vihar Meethapur extn. Badarpur New Delhi 110044 have severed their all relations with their son Ashok Kumar Gautam and disowned and disinherited them from their all moveable and immovable properties/assets. Anybody dealing with them shall do so at his/her/their own risk and cost.
SHANTNU BAGGA Advocates
Chamber No.310, Layer's Block
Saket Courts Complex,
New Delhi-17

Name Change
I, Darla Lavanya Spouse of Army No. 14853818N Rank - LNK, Name - Shyam Sundra Swartha Presently Posted at Unit 44 RR Army Camp, Chowgam, Shopian-192303 & Permanent Resident of 7/3/122 A, Mission Compound, Village+Post - Jagtial, Dist - Jagtial, State - Telangana, Pin - 505327 have changed my name from Swartha Lavanya to Darla Lavanya & DOB from 06/12/1987 to 06/06/1982 for all future purposes. Vide Affidavit Dated 4th Sep. 2024 before The Notary Public at Delhi in presence of Advocate Sunita Papneja.

Name Change
It is for general information that I, KUMARI PRAGATI W/o ROSHAN RAI R/o RZF-969, GAUTAM BUDH MARG, PALAM COLONY, RAJ NAGAR-2, BAGDOLA, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110077 declare that name of mine has been wrongly written as PRAGATI RAI in my minor son PRASOON RAI aged 12 years in his school records . The actual name of mine is KUMARI PRAGATI, which may be amended accordingly.

Name Change
I, SHYAMALA D M/o 15321601K Rank- HAV/ FTR, Name- RAJESH S R/o H NO.-489/03, PEARL VILLA, NEDUMANGAD, POOVATHUR, NEDUMANGAD, THIRUVANANTHAPURAM (KERLA)-695561, have changed my name from SHYAMALA D to SYAMALA D for all future purposes. And in my son service record my date of birth wrongly mentioned is 01/07/1960 instead of 01/01/1965. Vide Affidavit dated 04/09/2024 before Notary Public New Delhi.

Lost and Found
I, SHAHAB ALAM S/O SHAHABUDDIN, C-10/137, YAMUNA VIHAR, DELHI-110053 declare THAT I AM OWNER of PROPERTY NO. C-10/137, YAMUNA VIHAR, DELHI-110053 & I HAVE LOST MY ABOVE SAID PROPERTY DOCUMENTS i.e. POSSESSION LETTER ALLOTEMENT LETTER GPA, SALE AGREEMENT ETC. COMPLETE CHAIN OF NIRANJAN NATH GUPTA TO PADMA DEVI COMPLETE CHAIN OF PADMA DEVI TO ARJUMAN BANO and other MISC DOCUMENT Which are NOT TO BE TERRACEABLE. If anybody finds contact at above address.

PUBLIC NOTICE
All concerned are hereby inform through this public notice that my clients Sh. Arvind Kumar S/o Late Sh. Madan Lal, and his wife Smt. Poonam W/o Arvind Kumar, both R/o H.NO-B-31, Phase-II, Jai Vihar, Najafgarh, South West, Delhi-110043, have dishonored and debarred and severed all relation with their son namely Nitin and his wife Sita, Nitish his wife Jyoti and their baby Bhavya and younger son of my clients namely Lakashya from their movable and immovable properties, as the above said sons and their wife and grand daughter had demolish the reputation of my clients in the society and they are not control and supervision of my client, in this way, my clients will not be held responsible for any of their acts, deed and things in whatsoever in any manner and if anyone deal with them, shall be deal as per his/her own risk, cost and consequences
S.K. Sinha Advocate
Seat No: 24, Hall No:2
Lawyers Chamber Block First Floor
Dwarka District Court Complex
New Delhi-110075

Name Change
I, MAHESH DAWAR S/O DARYAI LAL 6/129, VTC: GEETA COLONY, PO: GANDHI NAGAR, SUB DISTRICT: GANDHI NAGAR, DISTRICT: EAST DELHI, STATE: DELHI, PIN CODE: 110031, have changed my name from MAHESH KUMAR DAWAR S/O DARYAI LAL DAWAR TO MAHESH DAWAR S/O DARYAI LAL for all future purpose.

Name Change
I Rohini spouse of JC- 463016 N Nb Sub Deore Jagdisha Kashinath resident of Shree Hari Row House No 6, Plot No 22/23, Survey No 286 /1 Near Sale Tax Office, Pathardi Phata,Tehsil- Nashik, Dist- Nashik,Pin - 42010 State -Maharashtra have changed my name from ROHINI to DEORE ROHINI JAGDISHA vide affidavit dated - 14/08/2024 before Ravindra D Tajane, Notary Govt of India,District Court, Nashik- 2

Name Change
I, VIJAY KHARI S/o SURJAN SINGH R/O 135, RAMPURA, ONKAR NAGAR, NORTH WEST DELHI, DELHI-110035 have changed my name to VIJAY PAL for all future purpose

Name Change
I, SHAFEEQUE S/O RAFIQ residing at D-114, NEW SEELAMPUR, DELHI- 110053 have changed my name to MOHD SHAFIQ for all future purposes.

Name Change
I IRSHAD KHAN S/O NATTHU R/O H-NO F -299 J J Camp Tigri Deoli PO - Deoli DIST South Delhi, Delhi - 110062 Have changed my name to MD IRSHAD for all future purposes.

Name Change
I Satwant Singh, S/o Bhagwan Singh Sethi, R/o I-372, Karampura, Ramesh Nagar, West Delhi , Delhi - 110015 have changed my name to Satwant Singh Sethi for all future purposes.

Name Change
I Gurmeet Singh, S/o Satwant singh Sethi, R/o I-372, Karampura H.O. Ramesh Nagar West Delhi - 110015 have changed my name to Gurmeet Singh Sethi for all future purposes.

Name Change
I, LAXMAN Father of No-16115305P Rank-NK Name-BASAVARAJ NAGARI R/o SABANISH GALLI, VPO-YAMAKANMARADI, TEH-HUKKERI, DIST-BELGAUM, KARNATAKA-591246, have changed my name from LAXMAN to LAXMAN ADIVEPPA NAGARI for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1933 instead of my correct date of birth as 01/01/1958 vide affidavit dated 04/09/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, ARCHANA PURI, WO SHRI PRADEEP PURI, aged 48 years, residing at KHASRA NO. 14/6, GALI NO.12, NATHU COLONY, NATHUPURA, BURARI, DIST: NORTH DELHI, DELHI, PIN CODE-110084 have changed my name from ARCHANA to ARCHANA PURI for all future purpose.

Name Change
I, PARMILA DEVI Wife of JC-706129W Rank-SUB Name- MAHENDRA SINGH YADAV R/o VILL-GHURHUPUR, PO-HATHILPUR, TEH-DUMRAON, DISTT-BUXAR, BIHAR-802130 have changed my name from PARMILA DEVI to PRAMILA DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 04/09/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, MRS KAMBAGIRI APARNA Wife of No-16116247H Rank-NK Name-ANNAMARAJU NAGENDRARAO Presently residing at VPO+TEH-GOOTY, DIST-ANNATAPUR, ANDHRA PRADESH-515401 have changed my name from MRS KAMBAGIRI APARNA to KAMBAGIRI APARNA for all future purposes vide Affidavit dated 04/09/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, JC-524196A Rank-NB/SUB, Name-VIKAS KHAJURIA Residing at VILL-TARF BRAHMANA, P.O.-PANDORIAN, TEH-BISHNAH, DISST-JAMMU, STATE J&K, PIN CODE-181132 have changed my wife's name from MUNISHA SHARMA to MANISHA DEVI for all future purposes and in my service records my wife's date of birth wrongly mentioned as 18/05/1979 instead of her correct date of birth as 09/09/1983 vide Affidavit dated 04/09/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, No-16116247H Rank-NK Name-ANNAMA RAJU NAGENDRARAO S/o A V RAMANA RAO Presently residing at VPO+TEH-GOOTY, DIST-ANNATAPUR, ANDHRA PRADESH-515401 have changed my name from ANNAMA RAJU NAGENDRARAO to ANNAMARAJU NAGENDRARAO for all future purposes vide Affidavit dated 04/09/2024 before Notary Public, Delhi.

पगारिया एनर्जी लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालय: 9/18, बाजार गली, विश्वास नगर, शाहदरा, दिल्ली - 110032
वेबसाइट: www.pagariaenergy.com ई-मेल: info@pagariaenergy.com
CIN: L67120DL1991PLC043677

सूचना
पगारिया एनर्जी लिमिटेड के शेयरधारकों के ध्यानार्थ

सूचना दी जाती है कि मेसर्स पगारिया एनर्जी लिमिटेड (पूर्व में महिला नेटवर्क लिमिटेड) के सदस्यों की तैंतीसवीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) सोमवार, 30 सितंबर, 2024 को दोपहर 01:00 बजे (आईएसटी) वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग/अन्य ऑडियो विजुअल माध्यमों (वीसी/ओएवीएम) के माध्यम से आयोजित की जाएगी, ताकि एजीएम के नोटिस में बताए अनुसार कारोबार किया जा सके, जिसे सदस्यों को अलग से ईमेल किया जाएगा।

कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय (एमसीए) द्वारा जारी परिपत्रों के अनुसार, दिनांक 08 अप्रैल, 2020 के परिपत्र संख्या 14/2020 और दिनांक 13 अप्रैल, 2020 के परिपत्र संख्या 17/2020 के अनुसार, ''कंपनियों द्वारा कंपनी अधिनियम, 2013 और उसके तहत बनाए गए नियमों के तहत कोविड-19 के खतरे के कारण साधारण और विशेष प्रस्ताव पारित करने पर स्पष्टीकरण, दिनांक 05 मई, 2020 के सामान्य परिपत्र संख्या 20/2020 और दिनांक 28 दिसंबर, 2022 के संख्या 10/2022 और इस संबंध में जारी किए गए बाद के परिपत्रों में नवीनतम दिनांक 25 सितंबर, 2023 का 09/2023 (सामूहिक रूप से ''एमसीए परिपत्र'' के रूप में संदर्भित) को सेबी परिपत्र संख्या के साथ पढ़ा गया। सेबी/एचओ/सीएफडी/सीएफडी-पीओडी-2/सीआईआर/पी/2023/167 के अनुसार, 31 मार्च, 2024 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए वार्षिक रिपोर्ट की प्रति के साथ 33वीं वार्षिक आम बैठक बुलाने की सूचना केवल इलेक्ट्रॉनिक मोड द्वारा 07 सितंबर, 2024 को या उससे पहले उन सदस्यों को भेजी जाएगी, जिनके ईमेल पते कंपनी या डिपॉजिटरी में पंजीकृत हैं। सदस्य ध्यान दें कि वार्षिक आम बैठक की सूचना और वार्षिक रिपोर्ट कंपनी की वेबसाइट www.pagariaenergy.com पर भी उपलब्ध होगी और बीएसई की वेबसाइट www.bseindia.com पर भी उपलब्ध होगी, जहां कंपनी के शेयर सूचीबद्ध हैं। सदस्य केवल वीसी/ओएवीएम के माध्यम से वार्षिक आम बैठक में भाग ले सकते हैं। वीसी/ओएवीएम के माध्यम से बैठक में भाग लेने के निर्देश वार्षिक आम बैठक की सूचना में दिए गए हैं। वीसी/ओएवीएम के माध्यम से एजीएम में भाग लेने वाले सदस्यों को कंपनी अधिनियम की धारा 103 के तहत कोरम की गणना के उद्देश्य से गिना जाएगा।

इसलिए, हम पगारिया एनर्जी लिमिटेड (''कंपनी'') के सदस्यों से अनुरोध करते हैं, जिन्होंने अभी तक अपने ईमेल पते, बैंक खाते का विवरण पंजीकृत नहीं किया है, वे इलेक्ट्रॉनिक रूप में रखे गए शेयरों के संबंध में अपने डिपॉजिटरी प्रतिभागी(ओं) के माध्यम से डिपॉजिटरी के साथ पंजीकृत करें और भौतिक रूप में रखे गए शेयरों के संबंध में, कंपनी के रजिस्ट्रार और ट्रांसफर एजेंट (आरटीए), मेसर्स लिंक इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, नोबल हाइट्स, पहली मंजिल, प्लॉट नंबर एनएच-2, सी-1 ब्लॉक, एलएससी, सावित्री मार्केट के पास, जनकपुरी, नई दिल्ली - 110058 को लिखकर पंजीकृत करें।

कंपनी ने कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट और एजीएम की सूचना (दूरस्थ ई-वोटिंग निर्देशों सहित) को इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्राप्त करने के सीमित उद्देश्य के लिए प्रक्रिया को सक्षम किया है और सदस्य 06.09.2024 को या उससे पहले delhi@linkintime.co.in पर आरटीए से संपर्क करके अपने ईमेल पते को अस्थायी रूप से अपडेट कर सकते हैं। ऐसे शेयरधारक से कोई कार्रवाई अपेक्षित नहीं है जिसका ईमेल पता और मोबाइल नंबर पहले से ही सही ढंग से अपडेट है।

पगारिया एनर्जी लिमिटेड के लिए
रेखा जैन
कंपनी सचिव
दिनांक: 03.09.2024 **सदस्यता संख्या: ACS-20442**

"ROF AMBLISS"
RESULT OF DRAW OF AFFORDABLE GROUP HOUSING
Held on 04th September, 2024 at 04:00 P.M. at Ramada Gurgaon Central, Sector-44, Gurugram in presence of Competent Government Authorities.
LICENSE NO: 58 of 2022 Dated: 13/05/2022
RERA NO: 74 of 2022 Date: 01.08.2022

List of Successful Applicants
2BHK TYPE-3G (503.54 sq. ft.)

149137 T6-G6	147519 T7-G7	147669 T7-G2	146139 T6-G3	149271 T6-G7

Waiting List

149183

List of Successful Applicants
2BHK TYPE-4G (493.206 sq. ft.)

146223 T7-G1	146408 T7-G5	148672 T6-G1	147949 T7-G4
147887 T6-G5	149385 T6-G8	146525 T6-G4	149123 T7-G8

Waiting List

147979	148472

For any information, contact:
Pegasus Land and Housing Pvt. Ltd.
Corp. Off.: ROF GROUP, Building No. 80, First Floor, Sector-44, Gurgaon-122003
Ph. 0124-4399398

सार्वजनिक सूचना
साधारण जन को सूचित किया जाता है कि श्री राजवीर आवासीय खाली प्लॉट नं. 1/32, जिसका क्षेत्रफल 60 वर्ग गज, खसरा नं. 803, वी.आई.पी. होम्स 2, गांव रोजा जलालपुर परगना और तहसील दादरी, जिला गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश में स्थित है को श्रीमती होरिया एम्बर से खरीदने का इरादा किया है। श्रीमती होरिया एम्बर ने यह सम्पूर्ण संपत्ति श्रीमती साक्षी कुमारी और श्री अमितेश भारती से दिनांक 29.03.2024 की बिक्री विलेख के माध्यम से प्राप्त की। श्रीमती साक्षी कुमारी और श्री अमितेश भारती ने पहले सम्पूर्ण संपत्ति श्री वीरेंद्र सिंह से दिनांक 04.06.2020 की बिक्री विलेख के माध्यम से खरीदी थी। इस बिक्री विलेख से पहले, जिले सिंह खसरा खतौनी से मालिक थे। श्री जिले सिंह की मृत्यु हो गई थी और उन्होंने पीछे कानूनी उत्तराधिकारी (क) श्री वीरेंद्र सिंह (पुत्र), (ख) श्री सतेन्द्र कुमार (पुत्र) (ग) श्रीमती रामवती (पत्नी) और श्री जिले सिंह की मृत्यु के बाद सम्पूर्ण संपत्ति को दिनांक 16.04.2018 को राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज किया गया, जिसमें स्व. श्री जिले सिंह के नाम पर जीवित प्रमाणपत्र उपलब्ध नहीं हैं। संपत्ति को हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, शाखा लक्ष्मी नगर, दिल्ली द्वारा वित्तपोषित किया जाएगा।
[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

कांग्रेस के डीएनए में ही झूठ बोलना है : सीएम

एजेंसी

चंडीगढ़। नीलोखेड़ी की तरावड़ी अनाज मंडी में 'म्हारा हरियाणा नॉन स्टॉप हरियाणा' जन आशीर्वाद रैली में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कांग्रेस पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के डीएनए में ही झूठ बोलना है। झूठ बोलकर ये जनता के वोट लेते हैं और फिर जनता का शोषण करते हैं। नायब सिंह सैनी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी झूठ पर जिंदा है। कांग्रेस पार्टी और इसके नेता सिर्फ एक परिवार के लिए वफादार हैं, ये लोग देश और जनता के लिए कभी भी वफादार नहीं हो सकते। हाल ही में जम्मू कश्मीर में नेशनल कांफ्रेंस के साथ हुए गठबंधन ने कांग्रेस की पोल खोल कर रख दी है। कांग्रेस ने वहां आतंकवादियों को सम्मान देने की बात कही है, इसे मेनिफेस्टो में भी दर्ज किया है।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा वीरों की भूमि है, लगभग 10 प्रतिशत सैनिक हरियाणा से हैं। ये जवान अपनी जान की बाजी लगाकर आतंकवादियों से लोहा लेते हैं और कांग्रेस उन्हीं आतंकवादियों को सम्मान देने की बात कर रही है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि मैं राहुल गांधी और भूपेंद्र सिंह हुड्डा से पूछना चाहता हूं कि क्या देश के जवान को एक तरफ रखकर वे आतंकवादियों को सम्मान देने के पक्षधर हैं। हरियाणा के सैनिक जवान कांग्रेस को कभी माफ नहीं करेंगे। जन आशीर्वाद रैली में जुटी हजारों की भीड़ देखकर नायब सैनी गदगद हो गए और उत्साहित नजर आए।

नायब सैनी ने कहा कि यहां आए हजारों लोगों के हुजूम ने स्पष्ट कर दिया है कि इस बार नीलोखेड़ी से एक कमल खिलकर चंडीगढ़ जा रहा

है। रैली में पहुंची मातृशक्ति ने मोहर लगा दी है कि नीलोखेड़ी से कमल खिलेगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कांग्रेस के पास न कहने को कुछ है न बोलने को। जब कुछ नहीं बचा तो भूपेंद्र सिंह हुड्डा और उनके बेटे हिसाब मांगों यात्रा लेकर निकल पड़े। नायब सैनी ने शायराना अंदाज में कांगेस पर कटाक्ष किया कि 'दिल में कसक है, चेहरे पर नकाब लिए फिरते हैं, जिनके खुद के खाते खराब हैं, वो हमारा हिसाब लिए फिरते हैं'। रैली में पूर्व विधायक भगवान दास कबीरपंथी, जिलाध्यक्ष योगेंद्र राणा, अलीगढ़ के सांसद और करनाल प्रभारी सतीश गौतम, जिला प्रभारी भारत भूषण, मीना चौहान, गुरमेश गोंदर, स्वच्छ भारत मिशन के चेयरमैन सुभाष चंद्र, हरियाणा स्टाफ सेलेक्शन कमीशन के सदस्य रहे अमरनाथ सौदा, नगर निगम चेरयमैन रेनू बाला, कुष्ण गर्ग, राजबीर शर्मा, शिवनाथ कपूर, प्रवीण गुप्ता, महिपाल राणा, नरेश बंसल, संजय राणा, राजेश सैनी आदि मौजूद रहे।

हुड्डा बताएं दलितों की बस्ती क्यों फूंकी गई

'म्हारा हरियाणा नॉन स्टॉप हरियाणा' जन आशीर्वाद रैली में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हम तो हर साल जनता के बीच में जाकर हिसाब देते हैं, लेकिन भूपेंद्र सिंह हुड्डा भी 10 साल मुख्यमंत्री रहे हैं, वे भी अपना हिसाब दें। जनता को बताएं कि किस तरह कांग्रेस के राज में दलितों की बस्तियों को फूंका गया, दलितों को पलायन के लिए क्यों मजबूर किया गया। किसानों की जमीन क्यों दामाद को खुश करने के लिए लूटी गई, किसानों पर गोलियां क्यों चलाई गई, पेंशन 500 रुपये से ज्यादा क्यों नहीं बढ़ाई गई। नायब सिंह नै कहा कि ऐसे बहुत से सवाल हैं, जिनका जवाब न तो भूपेंद्र सिंह हुड्डा के पास है और न ही पूरी कांग्रेस पार्टी के पास। हरियाणा की जनता कांग्रेस और भूपेंद्र सिंह हुड्डा को कभी माफ नहीं करेगी।

कांग्रेस अब आम आदमी पार्टी के साथ गलबहियां डाल रही है : अनिल विज

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के पूर्व गृह मंत्री अनिल विज ने कहा कि कांग्रेस में अपने दम पर हरियाणा में चुनाव लडने का दम नहीं है और इसी कारण से आप पार्टी के साथ गलवहियां डाल रहे है। विज पत्रकारों द्वारा राहुल गांधी के आप पार्टी के साथ मिलकर हरियाणा में चुनाव लड़ने संबंध में पूछे गए प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। उन्होंने कहा कि कल तक भूपेंद्र सिंह हुड्डा समेत हरियाणा कांग्रेस के सारे नेता बड़ी बड़ी हांक रहे थे कि हमारे पास इतनी-इतनी एप्लिकेशन आई हैं। उन्होंने कहा कि अब शायद संख्या भी पूरी नहीं हो रही है इसलिए आउटसाइड सपोर्ट ले रहे है और बाहर की सपोर्ट वही लेता है जो कमजोर होता है।

सभी पोलिंग स्टेशनों पर वेबकास्टिंग होगी: उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार

सोनीपत। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने जानकारी दी कि विधानसभा आम चुनाव-2024 के दौरान 5 अक्टूबर को जिले के सभी मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग की जाएगी।उपायुक्त ने बताया कि इसका उद्देश्य मतदान केंद्रों पर पूरी निगरानी सुनिश्चित करना है। चुनाव आयोग के दिशानिर्देशों के अनुसार, कैमरों की स्थापना का कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। सभी पोलिंग स्टेशनों की वेबकास्टिंग के लिए एक कंट्रोल रूम भी स्थापित किया जाएगा, जहां से पूरी प्रक्रिया पर नजर रखी जाएगी।

दिव्यांग केंद्र ने विद्यार्थियों को स्वास्थ्य के प्रति किया जागरूक

हिसार। दिव्यांग पुनर्वास केंद्र की ओर से विद्यार्थियों के लिए निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में सत्य नगर के सेवा भारती मिडिल स्कूल में शिविर लगाकर विद्यार्थियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया और 370 विद्यार्थियों व स्थानीय निवासियों की स्वास्थ्य जांच की गई।दिव्यांग केंद्र के अनुभवी व प्रशिक्षित चिकित्सकों ने आंख, दांत व सामान्य रोग की जांच करके उचित परामर्श दिया। इस दौरान यथासंभव दवाइयां भी निशुल्क उपलब्ध करवाई गई। नेत्र जांच के दौरान जिन स्थानीय बुजुर्गों की आंखों में सफेद मोतियाबिंद की शिकायत मिली उनकी आंखों का ऑपरेशन दिव्यांग केंद्र द्वारा निशुल्क किया जाएगा। भारत विकास परिषद की विवेकानंद शाखा द्वारा संचालित दिव्यांग पुनर्वास एवं स्वास्थ्य केंद्र के अध्यक्ष सुरेंद्र कुच्छल, सचिव एडवोकेट राजेश जैन व प्रोजेक्ट हेड रामनिवास अग्रवाल ने बताया कि निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर की श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए 10 सितंबर को राजीव नगर में स्थित गवर्नमेंट मिडिल स्कूल में कैंप लगाया जाएगा। इस मेडिकल कैंप में विद्यार्थियों व स्थानीय निवासियों की स्वास्थ्य जांच निशुल्क की जाएगी। इसके साथ-साथ विद्यार्थियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक भी किया जाएगा।

बारिश के बावजूद मांगों को लेकर सडक़ों पर उतरे निर्माण मजदूर, सौंपा ज्ञापन

हिसार। एटक से संबंधित भवन निर्माण श्रमिक संघ के आह्वान पर निर्माण मजदूरों ने अपनी मांगों व समस्याओं का हल करने की मांग पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन उपरांत उप निदेशक व उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा गया जिसमें मांगे रखी गई। सुबह से चल रही बारिश के बावजूद निर्माण मजदूरों ने भारी संख्या में प्रदर्शन में भागीदारी की। प्रदर्शन में रेवाड़ी, महेंद्रगढ़, सिरसा, फतेहाबाद व हिसार के निर्माण मजदूरों ने भाग लिया। प्रदर्शन से पूर्व निर्माण मजदूर क्रांतिमान पार्क में एकत्रित हुए और सभा का आयोजन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व राज्य प्रधान विक्रम सिंह ने किया तथा संचालन राज्य महासचिव विनोद दड़ौली ने किया। इस दौरान मजदूर नेताओं ने कहा कि निर्माण मजदूरों की लंबित मांगों के समाधान को लेकर संगठन लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार मजदूरों की उदासीनता के चलते मजदूरों को कोई भी सुविधा समय पर नहीं मिल रही है। उन्होंने कहा कि सरकार मजदूरों के कल्याण को लेकर बड़े-बड़े दावे कर उनके साथ भद्दा मजाक कर रही है।भाजपा सरकार पिछले साढ़े नौ वर्षों से श्रमिक कल्याण बोर्ड के पैसों पर कुंडली मारकर बैठी हुई है। गलत आपत्तियां लगाकर मजदूरों को उनको मिलने वाले लाभ से वंचित किया जा रहा है। भवन निर्माण श्रमिक संघ कई बार श्रम मंत्री तथा बोर्ड के अधिकारियों व उपायुक्त को ज्ञापन देकर मजदूरों की मांगों को पूरा करने व बोर्ड में व्याप्त भ्रष्टाचार पर रोक लगाने की गुहार लगा चुका है।

जींद में ट्रक ने श्रद्धालुओं से भरे टाटा मैजिक को मारी टक्कर, सात की मौत

एजेंसी

जींद। जींद के नरवाना में ट्रक ने श्रद्धालुओं से भरे टाटा मैजिक को टक्कर मार दी। इस टक्कर में 3 महिलाओं समेत 7 श्रद्धालुओं की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 8 लोग घायल है जिनका नरवाना के सरकारी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार कुरुक्षेत्र के मर्छेदी गांव के रहने वाले करीब 15 लोग सोमवार देर शाम को टाटा मैजिक में सवार होकर राजस्थान के गोगामेड़ी धाम पर पूजा अर्चना करने जा रहे थे। देर रात करीब 12:30 बजे वह नरवाना के बिरधाना गांव के पास पहुंचे तो पीछे से तेज रफ्तार एक ट्रक ने टाटा मैजिक को टक्कर मार दी। जिससे टाटा मैजिक गड्ढों में पलट गया। सभी

श्रद्धालु मैजिक में बुरी तरह फंस गए और घटनास्थल पर चीख पुकार मच गई। हादसे को देखकर सड़क पर जा रहे हो वाहनों में सवार लोगों ने श्रद्धालुओं को टाटा मैजिक से निकलने की कोशिश की लेकिन अंधेरा होने की वजह से उन्हें सफलता हाथ नहीं लगी। इसके बाद नरवाना थाना सदर पुलिस को घटना की जानकारी दी गई पुलिस मौके पर पहुंची और उन्होंने स्थानीय लोगों के सहायता से घायलों को बाहर निकाला। आनन फानन में सभी श्रद्धालुओं को नरवाना के सिविल अस्पताल में ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने 7 को मृत घोषित कर दिया जबकि बाकी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद अग्रोहा मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया। मृतकों में 50 वर्षीय रुकमणी ,35 वर्षीय कामिनी ,55 वर्षीय तेजपाल, 50 वर्षीय सुरेश, 50 वर्षीय परमजीत, 50 वर्षीय मुक्ति शामिल है। एक मृतक के भी पहचान नहीं हो पाई है पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने की स्क्रीनिंग कमेटी गठित

एजेंसी

पलवल। पलवल जिले में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कानून व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने के लिए चुनाव आयोग के निर्देशानुसार जिले के शस्त्र लाइसेंस धारकों के हथियार जमा करवाने के संबंध में स्क्रीनिंग कमेटी का गठन किया गया है।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ ने जानकारी देते हुए बताया कि इस स्क्रीनिंग कमेटी में पलवल जिलाधीश चेयरमैन, पुलिस अधीक्षक, नगराधीश और डीएसपी हेडक्वार्टर्स मैंबर होंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि आम विधानसभा चुनाव के सुचारु और शांतिपूर्ण संचालन को सुनिश्चित करने के लिए आदर्श आचार संहिता लागू रहने के दौरान हथियार रखने के

लिए प्राप्त अनुरोधों पर विचार करने और निर्णय लेने के लिए यह स्क्रीनिंग कमेटी गठित की गई है।

चुनाव प्रचार में 10 से ज्यादा वाहनों के काफिले को चलने की नहीं होगी अनुमति: अभिषेक मीणा

एजेंसी

रेवाड़ी। हरियाणा विधानसभा के 15वें आम चुनाव 2024 की नामांकन प्रक्रिया आरंभ होने के साथ ही जनसाधारण की सुविधा के मद्देनजर चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों व राजनीतिक दलों को चुनाव प्रचार के समय रोड शो व चुनाव रैलियों की अनुमति लेनी होगी तथा भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की सख्ती से पालना करनी होगी।

उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अभिषेक मीणा ने बताया कि किसी भी उम्मीदवार या राजनीतिक दल को चुनाव प्रचार के लिए वाहनों की अनुमति लेना जरूरी है, बिना अनुमति के प्रचार में वाहनों का प्रयोग नहीं कर सकते। उम्मीदवार या राजनीतिक दल द्वारा प्रचार के लिए जिन वाहनों का पंजीकरण करवाया गया है उनका विवरण व्यय पर्यवेक्षक को बताना जरूरी है ताकि चुनाव खर्च में उनका खर्चा जोड़ा जा सके। इसके अलावा, किसी भी अतिरिक्त वाहन की तैनाती तभी हो सकती है, जब उम्मीदवार या उसके एजेंट द्वारा वाहनों की वास्तविक तैनाती से काफी पहले इस आशय की

सूचना दी गई हो। चुनाव प्रचार के लिए इस्तेमाल किए जा रहे वाहनों का ब्यौरा देते समय उन क्षेत्रों, तहसीलों का ब्यौरा भी बताना चाहिए, जिनमें वाहन चलेंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि चुनाव में प्रचार के लिए वाहनों का उपयोग यातायात नियमों के अनुसार ही करना होगा। उन्होंने कहा कि सुरक्षा वाहन को छोड़कर 10 से ज्यादा वाहनों के काफिले को चलने की अनुमति नहीं होगी। वाहनों के बड़े काफ़िले को छोटे छोटे काफिलों में तोड़ा जाएगा और दो काफिलो में कम से कम 100 मीटर का फासला होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जन प्रतिनिधि अधिनियम, 1951 की धारा 160 में परिभाषित साइकिल रिक्शा भी एक ऐसा वाहन है, जिसका उपयोग चुनाव प्रचार के लिए किया जा सकता है। यदि इसका उपयोग किया जा रहा है, तो उम्मीदवार को अपने चुनाव व्यय खाते में इसके व्यय का हिसाब देना होगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी पलवल ने ईवीएम व वीवीपैट की रैंडमाइजेशन के लिए अधिकारियों ली बैठक

एजेंसी

पलवल। हरियाणा विधानसभा चुनाव में पलवल जिले की तीनों विधानसभा सीटों हथीन, होडल व पलवल में प्रयुक्त होने वाली इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की प्रथम रैंडमाइजेशन प्रक्रिया जिला सचिवालय स्थित सभागार में जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ की अध्यक्षता में कराई गई। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि सभी राजनैतिक दलों की उपस्थिति में पारदर्शी तरीके से रैंडमाइजेशन प्रक्रिया करवाई जा रही है। इस पूरी प्रक्रिया की विडियो ग्राफी करवाई गई है। प्रथम रैंडमाइजेशन के दौरान 20 प्रतिशत ईवीएम व 29 प्रतिशत वीवीपैट प्रति विधानसभा क्षेत्र के लिए अतिरिक्त अलॉट की गई हैं, जोकि चुनाव के दौरान रिजर्व रखी जाएंगी और किसी मशीन के खराब होने जैसी स्थिति में इनका उपयोग किया जाएगा। जिले में कुल 717 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। इनमें हथीन विधानसभा क्षेत्र में 251, होडल (अ.जा.) विधानसभा क्षेत्र में 200 व पलवल विधानसभा क्षेत्र में 266 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। प्रथम रैंडमाइजेशन के तहत हथीन विधानसभा क्षेत्र के लिए 301 बैलेट यूनिट (बीयू), 301 कंट्रोल यूनिट व 316 वीवीपैट अलॉट की गई हैं। इसी प्रकार होडल विधानसभा क्षेत्र के लिए 240 बैलेट यूनिट (बीयू), 240 कंट्रोल यूनिट व 252 वीवीपैट तथा पलवल विधानसभा क्षेत्र के लिए 319 बैलेट यूनिट (बीयू), 319 कंट्रोल यूनिट व 335 वीवीपैट अलाट की गई हैं।

अधिकारी व राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि रहे मौजूद

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जिला में होने वाले विधानसभा आम चुनाव की पारदर्शिता एवं निष्पक्षता बनाए रखने के लिए रैंडमाइजेशन जरूरी होती है। यह प्रक्रिया पूरी तरह से कम्प्यूटरीकृत होती है। उन्होंने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से आह्वान किया कि वे भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी की गई हिदायतों की पालना करें। इस अवसर पर जिले के संबंधित अधिकारी व राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

आदमपुर की जनता से पीढ़ियों का नाता, पीढ़ियों तक निभाएंगे : कुलदीप बिश्नोई

एजेंसी

हिसार। भारतीय जनता पार्टी चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक एवं पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई ने कहा है कि एक बार फिर से हमारा आदमपुर परिवार एकजुटता का परिचय देते हुए चौ. भजनलाल के पोते को विधानसभा में भेजकर 56 वर्षों के आपसी भाइचारे व विश्वास की कड़ी का आगे बढ़ाएगा। उन्होंने कहा कि केन्द्र की तरह हरियाणा में भी तीसरी बार भाजपा की सरकार बनेगी।

कुलदीप बिश्नोई गांव न्योली खुर्द, मल्लापुर, जाखोद खेड़ा, लाडवी, सलेमगढ़ तथा काबरेल में बूथ एजेंट कार्यकर्ताओं की बैठक लेकर उन्हें निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से चुनावी तैयारियों में जुटने का आह्वान करते हुए कहा कि जिस प्रकार से पूरे हलके में लोगों में उत्साह है, उससे साफ है कि इस बार भव्य की जीत का अंतर उपचुनाव से भी कहीं ज्यादा होने जा रहा है। लोकसभा में विपक्षी दावा करते थे कि केन्द्र में कांग्रेस की सरकार बनेगी परंतु जिस प्रकार से भारतीय जनता पार्टी ने तीसरी बार ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी, उसी प्रकार से हरियाणा की जनता भी विकास पर मुहर लगाकर भाजपा की सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि आदमपुर और भजनलाल परिवार का नाता पीढ़ियों से है और ऐसे ही यह पीढ़ियों तक

चलेगा। हर बार विपक्षी यहां आकर गुमराह करना का असफल प्रयास करते हैं, परंतु हमारा आदमपुर परिवार इस बार भी उन्हें मुंहतोड़ जवाब देगा।

विधायक भव्य बिश्नोई ने मंडी आदमपुर, चुली बागडियान, सदलपुर तथा चंदन नगर में बूथ एजेंटों की मीटिंग ली तथा जलपान कार्यक्रमों में शिरकत करते हुए विकास और 56 वर्षों के भजनलाल परिवार के विश्वास के नाम पर एक बार फिर से साथ देने की अपील की। पूर्व विधायक रेनुका बिश्नोई ने गांव भाणा, जवाहर नगर, मंडी आदमपुर स्थित बोगा मंडी सहित कई जलपान कार्यक्रमों में शिरकत की तथा कार्यकर्त्ताओं की चुनाव बारे ड्यूटियां लगाते हुए कहा कि भव्य का चुनाव आपका अपना चुनाव है। भजनलाल परिवार का चुनाव सदा ही आदमपुर के लोग चुनाव लड़ते हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि आम जनमानस के बीच भव्य द्वारा करवाए गए कार्यों का ब्यौरा लेकर जाएं।

फरीदाबाद में 11 मलेरिया और 18 डेंगू केस पॉजिटिव

एजेंसी

फरीदाबाद। फरीदाबाद में जिले में बुखार और डेंगू के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। डेंगू के संदिग्ध मामले भी रोजाना सामने आ रहे हैं। दो दिन में डेंगू के 17 संदिग्ध मामले सामने आए हैं। अब तक जिले में डेंगू के लगभग 450 संदिग्ध मामले सामने आ चुके हैं। फिलहाल जिले में कुल 25 मामले डेंगू के सामने आ चुके हैं। जिनमें 17 फरीदाबाद के रहने वाले मरीज हैं, जबकि 6 अलग-अलग जिलों से फरीदाबाद में इलाज करा रहे हैं। कुछ दिन पहले तक 18 मामले डेंगू के सामने आए थे, लेकिन तीन मामले और नए आने से अब इनका आंकड़ा 21 पर पहुंच गया है। जिले में न केवल डेंगू बल्कि मलेरिया के भी मरीज बढ़ रहे हैं। अब तक फरीदाबाद में 12 मरीज मलेरिया के भी हो चुके हैं। मामले में जानकारी देते हुए फरीदाबाद के सिविल सर्जन डॉक्टर अशोक कुमार ने बताया कि फिलहाल भले ही साढ़े चार सो केस सस्पेक्टेड आए हो, लेकिन स्वास्थ्य की तरफ से एक हवाई जहां टेस्ट कराया जाता है। पॉजिटिव आने पर उन्हें ही केवल उन्हें ही काउंट किया जाता है। उन्होंने बताया कि उनकी 25 टीम में सर्वे में लगी हुई है। घरों को और ऐसी जगह

को चेक किया जाता है। जहां पर लार्वा के सोर्स मिलते हैं, उन्हें या तो डिस्ट्रॉय कर दिया जाता है या फिर ऐसे लोगों को चेतावनी की जाती है, जो अपने घरों के आगे बरसाती पानी या जानवरों पशु पक्षियों के लिए पानी रखते हैं, जिसमें मच्छर का लारवा पनपता है इसलिए लोगों से उनकी अपील है कि कहीं भी पानी को अपने आसपास तैरने न दें ताकि उसमें मच्छर का लारवा ना पनपने पाए।

कुरुक्षेत्र में विधानसभा चुनाव की तैयारी पूरी, 7.7 लाख मतदाता तय करेंगे प्रत्याशियों की किस्मत

एजेंसी

कुरुक्षेत्र। हरियाणा के कुरुक्षेत्र जिले में विधानसभा चुनाव की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। प्रशासन ने सभी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं।

जिले के चार विधानसभा क्षेत्रों-थानेसर, पेहोवा, लाडवा, और शाहबाद में कुल 7,70,356 मतदाता हैं। चुनाव प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए प्रशासन ने दो दर्जन उड़नदस्ते, चार वीडियो सर्विलांस टीमें, और दो दर्जन स्टेटिक सर्विलांस टीमों का गठन किया है।

उपायुक्त सुशील सारवान ने यह जानकारी दी। उनके बताया, जिले में कुल 810 पोलिंग बूथ स्थापित किए गए हैं, जिनमें से 609 ग्रामीण और 201 शहरी क्षेत्रों में हैं। इसके अलावा, लाडवा, शाहबाद, थानेसर, और पेहोवा क्षेत्र में चार मॉडल पोलिंग स्टेशनों की व्यवस्था की गई है। नामांकन प्रक्रिया पांच सितंबर से शुरू होगी, और नामांकन की अंतिम तिथि 12 सितंबर है। नामांकन की जांच 13 सितंबर को की जाएगी, और उम्मीदवारों द्वारा नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 16 सितंबर निर्धारित की गई है। मतदान पांच अक्टूबर को होगा, जबकि मतगणना आठ अक्टूबर को की जाएगी। चुनाव की पूरी प्रक्रिया 10 अक्टूबर तक पूरी कर ली जाएगी। उपायुक्त ने कहा कि जिले में कुल 24 टीमें नियुक्त

की गई हैं, जिसमें विधानसभा स्तर पर प्रत्येक विधानसभा के लिए छह जोनल मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए हैं। कुल मिलाकर 24 जोनल मजिस्ट्रेट और 67 सेक्टर अफसर सुरक्षा और कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी संभालेंगे।

उन्होंने आगे बताया कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए यह बहुत महत्वपूर्ण है। हमने सुरक्षा और कानून व्यवस्था के सभी पहलुओं को सुनिश्चित करने के लिए पूरी तैयारी की है। स्टेटिक सर्विलांस टीम की कुल 24 टीमें हैं और वीडियो सर्विलांस के लिए भी हमारी टीमें काम कर रही हैं।उन्होंने मतदाताओं से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में मतदान करें, क्योंकि यह लोकतंत्र की मजबूती के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उपायुक्त ने यह भी बताया कि सभी सुरक्षा और कानून व्यवस्था के इंतजाम पुख्ता किए गए हैं और चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी और सुव्यवस्थित बनाने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा।

उम्मीदवार निर्धारित स्थानों पर ही लगाएं चुनाव प्रचार सामग्री:अभिषेक मीणा

एजेंसी

रेवाड़ी। राजनीतिक दल विधानसभा आम चुनाव के मद्देनजर आदर्श आचार संहिता की सख्ती से पालना सुनिश्चित करें। यह निर्देश उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अभिषेक मीणा ने देते हुए कहा कि सभी उम्मीदवार व राजनीतिक दल अपने प्रचार होर्डिंग व बैनर जिला निर्वाचन विभाग की ओर से निर्धारित किए गए स्थानों पर ही लगाएं। रैली व जनसभाएं भी निर्धारित किए गए स्थानों पर ही करें। उन्होंने बताया कि विधानसभा आम चुनाव के दौरान प्रचार होर्डिंग व बैनर लगाने व रैली व जनसभाओं के लिए जिला प्रशासन की ओर से बावल, कोसली व रेवाड़ी विधानसभा क्षेत्र में अलग-अलग स्थान निर्धारित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि बावल, कोसली व रेवाड़ी विस क्षेत्र के ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में स्थान निर्धारित किए गए हैं। उपायुक्त अभिषेक मीणा ने सभी राजनीतिक दलों से भारत निर्वाचन आयोग द्वारा उम्मीदवारों व राजनीतिक दलों के लिए जारी दिशा-निर्देशों को अच्छी तरह से पढ़ने का भी आह्वान किया। उन्होंने राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने से भी सावधान किया। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों से किसी भी संदिग्ध सूचना को आगे शेयर करने से पहले संबंधित रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) से पुष्टि करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि विधानसभा आम चुनाव के दौरान झूठी व भ्रामक सूचना फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी राजनीतिक दल और उम्मीदवार या व्यक्ति भारत निर्वाचन आयोग व जिला प्रशासन द्वारा जारी नियमों व शर्तों का सख्ती से पालन करेंगे। नियमों की अवहेलना किए जाने पर नियमानुसार सख्त कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान वितरित किए जाने वाले सभी पैम्फलेट पर प्रिंटिंग प्रेस का नाम व नंबर अंकित होना सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि निर्देश का पालन न करने पर प्रिंटर व सामग्री वितरित करने वाले दल या उम्मीदवार के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आरबीआई ने कहा- 2000 के 97.96 फीसदी नोट बैंकों में आए वापस

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने सोमवार को कहा कि दो हजार रुपये मूल्य के 97.96 फीसदी नोट बैंकों में वापस आ गए हैं। हालांकि, ये नोट अब भी लीगल टेंडर है लेकिन अब चलन से हटाए गए 7,261 करोड़ रुपये के नोट लोगों के पास मौजूद हैं।

आरबीआाई ने आज जारी एक बयान में कहा कि दो हजार रुपये मूल्य के नोट बदलने की सुविधा 19 मई, 2023 से आरबीआई के 19 निर्गम कार्यालयों में उपलब्ध है। दो हजार रुपये के बैंक नोट को जमा करने या बदलने की सुविधा 7 अक्टूबर, 2023 तक देशभर में सभी बैंक शाखाओं में उपलब्ध थी। बैंक नियामक ने कहा कि 9 अक्टूबर, 2023 से आरबीआई के निर्गम कार्यालय भी व्यक्तियों और संस्थाओं से उनके बैंक खातों में जमा करने के लिए 2000 रुपये मूल्य के बैंक नोट स्वीकार कर रहे हैं। 19 मई, 2023 तक चलन में मौजूद 2000 रुपये के 97.96 फीसदी नोट बैंकों के पास वापस आ गए थे। अब 30 अगस्त को कारोबार समाप्ति पर दो हजार रुपये मूल्य के 97.96 फीसदी नोट बैंकों में वापस आ गए हैं।

बजाज हाउसिंग का आईपीओ 9 सितंबर को, बाजार से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिलने की उम्मीद

नई दिल्ली। नॉन बैंकिंग फाइनेंस कंपनी बजाज हाउसिंग फाइनेंस का पब्लिक इश्यू अगले सप्ताह 09 सितंबर को सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन होने वाला है। बजाज हाउसिंग के आईपीओ में 11 सितंबर तक आवेदन किया जा सकेगा। इसमें एंकर इन्वेस्टर्स 06 सितंबर को बोली लगा सकेंगे। बजाज ग्रुप की किसी भी कंपनी द्वारा कई सालों बाद आईपीओ लॉन्च किया जा रहा है। इसी वजह से इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पांस मिलने की उम्मीद की जा रही है। बजाज हाउसिंग फाइनेंस शेयर बाजार में पहले से ही लिस्टेड बजाज फाइनेंस के पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी है। इस संबंध में उपलब्ध कराई गई जानकारी के मुताबिक 11 सितंबर को सब्सक्रिप्शन क्लोज होने के बाद 12 सितंबर को ही शेयरों का अलॉटमेंट कर दिया जाएगा?। कंपनी के शेयरों की मेनबोर्ड लिस्टिंग की जाएगी। मतलब हाउसिंग फाइनेंस के शेयरों को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज दोनों जगहों पर लिस्ट किया जाएगा। शेयरों की लिस्टिंग 16 सितंबर को हो सकती है।

सेबी ने डेरेवेटिव सेगमेंट के लिए नियमों में किया बदलाव

नई दिल्ली। मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने डेरिवेटिव सेगमेंट में स्टॉक्स की एंट्री और एग्जिट के नियमों में बदलाव कर दिया है। सेबी की ओर से किया गया ये बदलाव तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। सेबी ने मीडियन क्वार्टर सिग्मा ऑर्डर साइज (एमक्यूएसओएस) को बढ़ा कर 3 गुना कर दिया है। इसी तरह मिनिमम मार्केट वाइड पोजिशन लिमिट (एमडब्लूपीएल) को बढ़ा कर 3 गुना और एवरेज डेली डिलीवरी वैल्यू (एडीडीवी) को बढ़ा कर 3.5 गुना कर दिया गया है। सेबी ने ये कदम इसलिए उठाया है, जिससे केवल हाई क्वालिटी वाले स्टॉक्स ही डेरिवेटिव सेगमेंट में ट्रेडिंग कर सकें। दरअसल, एमक्यूएसओएस किसी भी स्टॉक की लिक्विडिटी का संकेत होता है। इसकी संख्या जितनी अधिक होती है, स्टॉक्स के कीमत में कृत्रिम तरीके से हेर फेर करना उतना ही कठिन हो जाता है।

चालू वित्त वर्ष 2024-25 के अगस्त तक कोयला उत्पादन 384 मीट्रिक टन पर पहुंचा

नई दिल्ली। देश में चालू वित्त वर्ष 2024-25 के पहले पांच महीनों (अप्रैल-अगस्त) में कोयला का उत्पादन 6.48 फीसदी बढ़कर (384 मीट्रिक टन) 38 करोड़ 40.8 लाख टन पर पहुंच गया है। इससे पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की समान अवधि में कोयला उत्पादन 36 करोड़ 7.1 लाख टन रहा था। कोयला मंत्रालय ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा कि देश में कुल कोयला उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हासिल हुई है, जो चालू वित्त वर्ष 2024-25 में अगस्त 2024 तक 384.08 मिलियन टन (मिट्रिक टन) रहा है, जबकि पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में इसी अवधि के दौरान 360.71 मीट्रिक टन था, जो 6.48 फीसदी की वृद्धि को दर्शाता है।

मंत्रालय के मुताबिक घरेलू कोयला उत्पादन में 80 फीसदी से अधिक का योगदान देने वाली कोल इंडिया(सीआईएल) का उत्पादन वित्त वर्ष 2024-25 की अप्रैल-अगस्त की अवधि के दौरान बढ़कर (290.39 मीट्रिक टन) 29 करोड़ 3.9 लाख टन हो गया, जो साल-दर-साल 3.17 फीसदी की वृद्धि है। इसके अलावा निजी और अन्य इकाइयों से कोयला उत्पादन अप्रैल-अगस्त, 2024 के दौरान एक साल पहले के (52.84 मीट्रिक टन) 5 करोड़ 28.4 लाख टन से बढ़कर (68.99 मीट्रिक टन) छह करोड़ 89.9 लाख टन हो गया है, जो 30.56 फीसदी की पर्याप्त वृद्धि है। कोयला मंत्रालय के मुताबिक अगस्त तक संचयी कोयला प्रेषण पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 39 करोड़ 19.3 लाख टन के मुकाबले चालू वित्त वर्ष में 41 करोड़ 20.7 लाख टन रहा है। यह वृद्धि कोयला क्षेत्र की बढ़ी हुई रसद क्षमताओं और कोयले की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को उजागर करती है।

मारुति ने बाढ़ राहत के लिए पीएम केयर्स फंड में किया तीन करोड़ रुपये का योगदान

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) ने विभिन्न राज्यों में आई बाढ़ प्रभावितों के राहत के लिए 'पीएम केयर्स फंड' में 3 करोड़ रुपये का योगदान दिया है।

एमएसआईएल ने जारी बयान में कहा कि उसने विभिन्न राज्यों में बाढ़ राहत के लिए 'पीएम केयर्स फंड' में तीन करोड़ रुपये का योगदान किया है। मारुति ने कहा कि कंपनी के योगदान का मकसद देशभर में सरकार के राहत और पुनर्निर्माण प्रयासों का समर्थन करना है। मारुति सुजुकी इंडिया के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हिसाशी ताकेउची ने कहा कि हम हाल की प्राकृतिक आपदाओं से पीड़ित व्यक्तियों और परिवारों के साथ एकजुटता से खड़े हैं। उन्होंने कहा कि संकट के समय में साथ मिलकर पुनर्निर्माण करना सामूहिक जिम्मेदारी है। ताकेउची ने कहा कि ये योगदान बाढ़ प्रभावित समुदायों के लिए सरकार के राहत और पुनर्वास प्रयासों का समर्थन के लिए एक विनम्र पहल है।

जीआईसी में अपनी हिस्सेदारी बेचेगी केंद्र सरकार, ऑफर फॉर सेल के जरिये होगी बिक्री

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी जनरल इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (जीआईसी) में अपनी हिस्सेदारी के कुछ भाग को बेचने की तैयारी कर ली है। माना जा रहा है कि केंद्र सरकार की हिस्सेदारी बेचने की प्रक्रिया कल यानी 4 सितंबर से ही शुरू की जा सकती है।

जनरल इंश्योरेंस कारपोरेशन ऑफ इंडिया में केंद्र सरकार की हिस्सेदारी मौजूदा समय में 85.78 प्रतिशत है। इसमें से केंद्र सरकार अपनी 7 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचना चाहती है। केंद्र सरकार की हिस्सेदारी की बिक्री ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) रूट के जरिए की जाएगी। स्टॉक मार्केट में जनरल इंश्योरेंस कॉरपोरेशन आफ इंडिया की लिस्टिंग होने के बाद सरकार पहली बार कंपनी में मौजूद अपने हिस्सेदारी को बेचने वाली है। जहां तक कंपनी के शेयरों के परफॉर्मेंस की बात है तो पिछले 3 महीने के दौरान कंपनी के शेयरों में 15 प्रतिशत की मजबूती आई है। इसी तरह पिछले 1 साल के दौरान कंपनी के शेयर 100 प्रतिशत की बढ़त हासिल करने में सफल रहे हैं, वहीं 3 साल में की अवधि में कंपनी के शेयरों में 200 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

वित्त मंत्री ने सड़क, परिवहन और राजमार्ग तथा संचार मंत्रालय के पूंजीगत व्यय की समीक्षा की

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने यहां आयोजित एक बैठक में सड़क, परिवहन और राजमार्ग और संचार मंत्रालय के पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) की समीक्षा की। इस समीक्षा बैठक में आर्थिक मामलों के विभाग, सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय तथा दूरसंचार विभाग के सचिवों ने भाग लिया।

वित्त मंत्री ने बैठक में संबंधित मंत्रालयों से कार्यान्वयन में तेजी लाने और चालू वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में ही पहली और दूसरी तिमाही के लक्ष्यों को पूरा करने का आग्रह किया। उन?होंने कहा कि आने वाले दिनों में पूंजीगत व्यय की प्रगति की समीक्षा के लिए वे इन बैठकों की अध्यक्षता करेंगी। सीतारमण ने बैठक के दौरान तिमाही लक्ष्य निर्धारित करने और उन्हें निर्धारित समय सीमा के भीतर हासिल करना सुनिश्चित करने के महत्व को रेखांकित किया। वित्त मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि वित्त मंत्री सीतारमण की अध्यक्षता में राजधानी नई दिल्ली में सड़क, परिवहन और राजमार्ग और संचार मंत्रालय के पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) की बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के पूंजीगत व्यय की समीक्षा के दौरान, राष्ट्रीय राजमार्गों पर समग्र पूंजीगत व्यय, चालू वित्त वर्ष 2024-25 की आगामी तिमाहियों में अवार्ड और निर्माण के लक्ष्य, विभिन्न उपायों के माध्यम से निजी पूंजी को आकर्षित करने और परिसंपत्ति पुनर्चक्रण लक्ष्यों को पूरा करने पर चर्चा की गई। बैठक में संचार मंत्रालय की समीक्षा के दौरान भारत नेट कार्यक्रम, 4-जी मोबाइल परियोजनाओं- स्वदेशी प्रौद्योगिकी, स्पेक्ट्रम के लिए नेटवर्क, और 4-जी संतृप्ति और अन्य मोबाइल परियोजनाओं के लिए वित्त वर्ष 2024-25 में पूंजीगत व्यय योजनाओं पर चर्चा की गई।

पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर, कच्चा तेल 78 डॉलर प्रति बैरल के करीब

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में उतार-चढ़ाव लगातार जारी है। ब्रेंट क्रूड 78 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 75 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के दूसरे दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.09 डॉलर यानी 0.12 फीसदी की गिरावट के साथ 77.43 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.54 डॉलर यानी 0.73 फीसदी फिसलकर 74.09 यूएस डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक, दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये, डीजल 89.97 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये, डीजल 91.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है।

प्रीमियर एनर्जीज और इंडियन फॉस्फेट की शेयर बाजार में धांसू एंट्री, लिस्टिंग के बाद फिसले दोनों शेयर

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में दो शेयरों ने जोरदार एंट्री की। सोलर सेल और सोलर पैनल बनाने वाली कंपनी प्रीमियर एनर्जीज के शेयर आज 120 प्रतिशत के प्रीमियम पर लिस्ट हुए। इसी तरह इंडियन फॉस्फेट के शेयर आज 90 प्रतिशत प्रीमियम के साथ लिस्ट हुए। हालांकि, दिन के कारोबार में ये दोनों शेयर मुनाफा वसूली के शिकार हो गए, जिसकी वजह से आईपीओ निवेशकों के मुनाफे में कमी आ गई।

प्रीमियर एनर्जीज का 2,830.40 करोड़ रुपये का आईपीओ 27 अगस्त से लेकर 29 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पांस मिला, जिसके कारण ये ओवरऑल 75 गुना सब्सक्राइब हो गया। आईपीओ के तहत कंपनी ने 450 रुपये के भाव पर शेयर जारी किए थे। आज बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी के शेयर 991 रुपये के भाव पर और

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर 990 रुपये के भाव पर लिस्ट हुए। इस तरह आईपीओ के निवेशकों को लिस्टिंग के साथ ही 120 प्रतिशत का फायदा मिल गया। हालांकि, लिस्टिंग के बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से बीएसई पर ये शेयर लुढ़क कर 839.65 रुपये के स्तर पर जाकर बंद हुआ। इस तरह पहले दिन की समाप्ति पर आईपीओ के निवेशकों का मुनाफा घट कर 86.59 प्रतिशत रह गया।

इसी तरह इंडियन फॉस्फेट के शेयरों की आज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफार्म पर एंट्री हुई। इंडियन फॉस्फेट का 67.36 करोड़ रुपये का आईपीओ 26 से 29 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को ओवरऑल 267 गुना सब्सक्रिप्शन मिला था। आईपीओ के तहत 99 रुपये के भाव पर शेयरों का आवंटन किया गया था। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफार्म पर इसकी 188.10 रुपये के भाव पर लिस्टिंग हुई। इस तरह आईपीओ को निवेशकों को 90 प्रतिशत का लिस्टिंग गेन मिल गया। हालांकि, आईपीओ के निवेशकों की खुशी थोड़ी देर में ही फीकी पड़ गई, क्योंकि ये शेयर बिकवाली के दबाव की वजह से 178.70 रुपये के लोअर सर्किट स्तर पर आ गया। इस तरह पहले कारोबारी दिन ही इस शेयर के आईपीओ निवेशकों का मुनाफा 80.5 प्रतिशत रह गया।

सेबी प्रमुख बुच को सेवानिवृत्ति के बाद कोई वेतन भुगतान नहीः आईसीआईसीआई बैंक

नई दिल्ली। देश के निजी क्षेत्र के आईसीआईसीआई बैंक ने भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) प्रमुख माधवी पुरी बुच पर मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस की तरफ से लगाए गए आरोपों पर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

आईसीआईसीआई बैंक ने सोमवार को सेबी प्रमुख पर लगाए गए आरोपों पर कहा कि उसने अक्टूबर, 2013 में माधवी पुरी बुच की सेवानिवृत्ति के बाद से उन्हें कोई भी वेतन या ईएसओपी नहीं दिया है। बैंक ने अपने बयान में कहा कि बुच को उनकी सेवानिवृत्ति के बाद किए गए सभी भुगतान आईसीआईसीआई समूह में काम करते समय उनके द्वारा अर्जित किए गए थे। इन भुगतानों में ईएसओपी और सेवानिवृत्ति लाभ भी शामिल हैं।

बैंक ने कहा कि हमारे नियमों के तहत ईएसओपी आवंटित किए जाने की तारीख से अगले कुछ वर्षों में मिलते हैं। बुच को ईएसओपी आवंटन किए जाते समय लागू नियमों के तहत सेवानिवृत्त कर्मचारियों समेत बैंक कर्मचारियों के पास विकल्प था कि वे अधिकृत होने की तारीख से 10 साल की अवधि तक कभी भी अपने ईएसओपी का उपयोग कर सकती हैं। उल?लेखनीय है कि इससे पहले कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि वर्ष 2017 में बाजार नियामक सेबी

का सदस्य बनने वालीं माधवी पुरी बुच ने वेतन और अन्य पारिश्रमिक के तौर पर आईसीआईसीआई बैंक से 16.8 करोड़ रुपये हासिल किए थे। इसके पहले कांग्रेस महासचिव और मीडिया प्रभारी जयराम रमेश ने अडाणी समूह के द्वारा सेबी नियमों के उल्लंघन पर की जा रही नियामकीय जांच के मामले में सेबी प्रमुख पर गंभीर सवाल उठाए थे।

सर्राफा बाजार में गिरावट जारी, सोना और चांदी की घटी कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज लगातार 5वें दिन गिरावट का रुख बना नजर आ रहा है। आज की गिरावट की वजह से 24 कैरेट सोना 73 हजार रुपये के स्तर से और 22 कैरेट सोना 67 हजार रुपये के स्तर से नीचे फिसल गया है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में आज 24 कैरेट सोना 72,910 रुपये से लेकर 72,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज लुढ़क कर 66,840 रुपये से लेकर 66,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी आज 1,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक की कमजोरी आई है। भाव में गिरावट आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु आज 85,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 72,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 66,840 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 72,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 72,810 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 66,740 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 72,760 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 66,690 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 72,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 72,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 66,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 72,810 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 66,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 72,910 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में गिरावट आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 72,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 66,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

विश्व बैंक ने 2024-25 में भारत की जीडीपी ग्रोथ 7 फीसदी रहने का जताया अनुमान

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। विश्व बैंक ने देश की आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को बढ़ा दिया है। विश्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 में कृषि क्षेत्र और ग्रामीण मांग में सुधार के दम पर भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 7 फीसदी रहने का अनुमान लगाया है। इससे पहले जून में विश्व बैंक ने भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर 6.6 फीसदी रहने का अनुमान जताया था।

विश्व बैंक ने जारी अपनी 'इंडिया डेवलपमेंट अपडेट' रिपोर्ट में कहा है कि वैश्विक विकास में सुस्ती के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत बनी रहेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत जो दक्षिण एशिया क्षेत्र का बड़ा हिस्सा है, उसकी आर्थिक वृद्धि दर वित?त वर्ष 2024-25 में सात फीसदी रहने की उम्मीद है। विश?व बैंक के मुताबिक कृषि क्षेत्र में सुधार से उद्योग में आई मामूली गिरावट की आंशिक भरपाई हो जाएगी और सेवाएं मजबूत बनी रहेंगी। कृषि में अपेक्षित सुधार से ग्रामीण मांग में भी सुधार होगा।

उल्लेखनीय है कि पिछले हफ्ते भारत सरकार के राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की ओर से आंकड़ों के मुताबिक चुनावों के दौरान सरकार के व्यय में कमी की वजह से चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून, 2024) में देश की आर्थिक वृद्धि दर धीमी होकर 6.7 फ़ीसदी रह गई है। हालांकि, अंतरराष?ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने आर्थिक वृद्धि दर 7 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। वहीं, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 में 7.2 फीसदी की दर से भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास करने का अनुमान जताया है।

शेयर बाजार में दिखी सुस्ती, निवेशकों ने दिन भर में कमाए 67 हजार करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। लगातार तेजी के बाद घरेलू शेयर बाजार में आज कंसोलिडेशन नजर आया। हालांकि, निफ्टी आज भी लगातार 14वें दिन बढ़त के साथ हरे निशान में बंद होने में सफल रहा। इसके साथ ही निफ्टी ने आज एक बार फिर ऑल टाइम हाई क्लोजिंग का नया रिकॉर्ड बनाया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.01 प्रतिशत की मामूली कमजोरी के साथ बंद हुआ, जबकि निफ्टी ने 0.005 प्रतिशत की सांकेतिक तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज दिन भर के कारोबार के दौरान कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, फार्मास्यूटिकल, फाइनेंशियल और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। दूसरी ओर मेटल, एनर्जी, यूटिलिटी, पावर, ऑयल एंड गैस और

आईटी सेक्टर के शेयरों पर दबाव बना रहा। सेंसेक्स और निफ्टी पर दबाव होने के बावजूद ब्रॉडर मार्केट में आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.19 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.54 प्रतिशत की बढ़त के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 60 हजार करोड़ रुपये से अधिक का इजाफा हो गया। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 465.52 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 464.85 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 67 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,054 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,006 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,930 शेयरों में गिरावट का रुख रहा और 118 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,432 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,224 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,208 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 14 शेयर बढ़त के साथ और 16 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 21 शेयर हरे निशान में और 29 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 92.85 अंक की मजबूती के साथ 82,652.69 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण इस सूचकांक में गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से पहले 2 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 11:15 बजे सेंसेक्स 159.08 अंक टूट कर 82,400.76 अंक के स्तर तक गिर गया। हालांकि, इसके बाद लिवालों ने खरीदारी का जोर बनाने की कोशिश की, जिसके कारण ये सूचकांक निचले स्तर से करीब 275 अंक की रिकवरी करके 115.22 अंक की मजबूती के साथ 82,675.06 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद एक बार फिर मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण ये सूचकांक गिर कर दोबारा लाल निशान में पहुंच गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 4.40 अंक की मामूली गिरावट के साथ 82,555.44 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

शरीर में खून की कमी दूर कर देंगे ये 5 फूड्स ! जमकर करें सेवन, कुछ ही दिनों में चेहरे पर आ जाएगी रौनक

मोटापा कम करने के लिए डाइट पर कंट्रोल और एक्सरसाइज दो सबसे महत्वपूर्ण चीज है. ऐसे में पहला काम डाइट पर कंट्रोल करना है. यदि आप अपना वजन कम करना चाहते हैं तो दिन की शुरुआत दो चीजों के आटे की रोटियों से कीजिए. कुछ ही दिनों में पेट की चर्बी भी पिघलने लगेगी.

रोटी हमारे देश में भोजन के दो प्रमुख स्रोतों में से एक है. गेंहू और चावल हमारे देश का दो प्रमुख अनाज है जिनसे कई चीजें बनाकर खाई जाती है. पूरे देशा में गेहूं और चावल को अलग-अलग रूपों में बनाकर खाया जाता है. उत्तर भारत में अक्सर हम लोग गेहूं के आटे से बनी रोटियां खाते हैं. ये रोटियां हमारी जरूरत के अधिकांश कार्बोहाइड्रेट की भरपाई कर देता है जिससे शरीर में एनर्जी बनती है और हम इसके सहारे दिन भर काम करते रहते हैं. रोटी के साथ अक्सर हम दाल या सब्जी का सेवन करते हैं और पूरा दिन इस पर टिके रहते हैं. लेकिन यदि आपको अपना वजन कम करना है तो गेहूं से बनी रोटियों का मोह छोड़ना होगा क्योंकि इसमें कैलोरी बहुत होती है और यह शरीर में अतिरिक्त चर्बी को बढ़ा सकती है. ऐसे में आपको हम यहां दो खास तरह की रोटियां के बारे में बता रहे हैं जिन्हें खाकर आप अपने बेकाबू मोटापे पर बहुत हद तक काबू पा सकते हैं. आइए जानते हैं-

दो तरह के आटे से बनी रोटियां

1. रागी के आटे की रोटी-रागी यानी फिंगर मिलेट. छोटे से गोल मटोल दाने में इतना डेंस पौष्टिक तत्व होता है कि आप सोच में नहीं सकते. वैज्ञानिकों ने जब इसके गुण के बारे में ज्यादा जाना तो यह सुपरफूड बन गया. अगर आप वजन कम करना चाहते हैं तो रागी के आटे की रोटियां खाइए. इसमें इतना अधिक फाइबर होता है कि अगर आप इसे सुबह नाश्ते में खा लें तो दिन भर आपको भूख का अहसास बिल्कुल कम हो जाएगा. रागी में अत्यधिक मात्रा में कैल्शियम, आयरन और एसेंशियल एमिनो एसिड होता है. हाई फाइबर के कारण इसका डाइजेशन बहुत स्लो होता है जिससे ब्लड शुगर भी कंट्रोल रहता है. रागी के आटे से बनी रोटी को आप कई चीजों के साथ खा सकते हैं. इसे दाल, विभिन्न तरह की सब्जियां और यहां तक कि छाछ के साथ भी खा सकते हैं. हालांकि यदि आपको थायराइड की समस्या है तो आपको रागी की रोटी खाने से बचना चाहिए. फिर आपके लिए आगे बताए जा रहे रोटी फायदेमंद साबित हो सकती है.

2. ज्वार के आटे की रोटी-यदि आप वजन कम करने की ठान चुके हैं तो ज्वार की रोटी सुबह के नाश्ते के लिए एकदम परफेक्ट है. ज्वार की रोटी में अत्यधिक मात्रा में डायट्री फाइबर होता है. ज्वार की रोटी से आपका डाइजेशन बुलंद रहेगा और जब डाइजेशन ठीक रहेगा तो अधिकांश बीमारियां यूं ही शरीर से दूर भागती रहेगी. दूसरी तरफ जबर्दस्त डायट्री फाइबर के कारण ज्वार की रोटी को खाने के बाद बहुत देर तक भूख नहीं लगेगी. बहुत देर तक भूख नहीं लगने से आप ज्यादा कैलोरी नहीं ले पाएंगे और इससे यूं ही वजन आप बढ़ा नहीं पाएंगे. ज्वार में बहुत अधिक तरह के एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, इसके साथ ही इसमें प्रोटीन, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस आदि भरा रहता है. ज्वार का ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम रहता है, इसलिए यह ब्लड शुगर को मैंटेन रखता है और वजन को बढ़ने नहीं देता. ज्वार की रोटी को भी आप दाल और विभिन्न तरह की सब्जियों और छाछ आदि के साथ खा सकते हैं. ज्वार में ग्लूटीन बेहद कम होता है इसके कारण यह पथरीला हो जाता है यानी टाइट हो जाता है, इसलिए जब आप ज्वार की रोटी बनाए तो इसके आटे को गूंथते समय गर्म पानी का इस्तेमाल करें. इससे रोटी की लोई सही से बन पाएगी वरना यह बहुत टाइट हो जाएगा. हालांकि जिसे पेट की बीमारी सेलिएड डिजीज है उन्हें ज्वार से बचना चाहिए.

दोनों में से कौन बेहतर

यह डिपेंट करता है कि आपकी हेल्थ किस तरह की है. यदि आपकी हेल्थ अच्छी है तो दोनों तरह की रोटियां वजन कम करने के लिए परफेक्ट है लेकिन यदि कोई कंडीशन है तो आपको डॉक्टर से परामर्श लेना चाहिए, जैसा कि उपर बताया गया है कि थायराइड वाले को रागी और सिलिएक डिजीज वाले को ज्वार की रोटी से परहेज करना चाहिए.

'हमारी समस्या है नागरिक आज्ञाकारिता'

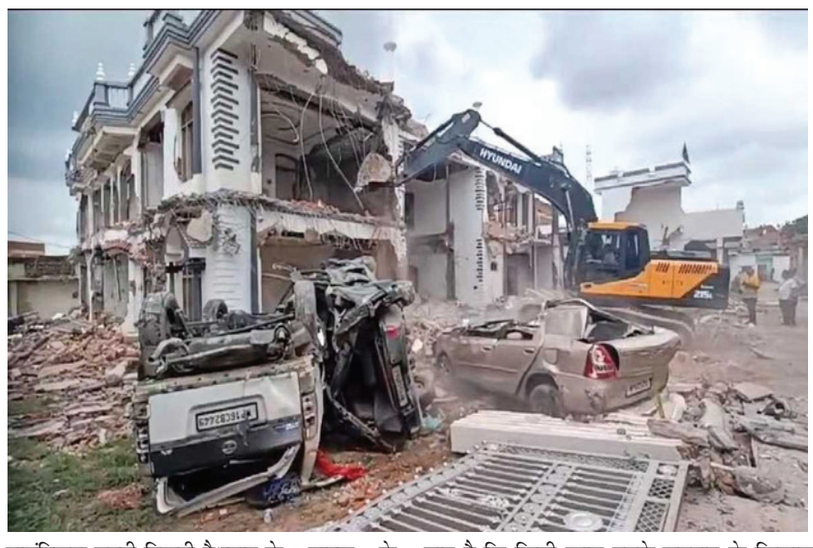

लोकसभा चुनावों के नतीजों के ऐलान के महज एक सप्ताह के अंदर, आदिवासीबहुल मांडला जिले में सरकारी जमीन पर बने अल्पसंख्यक समुदाय के 11 मकानों को इन आरोपों के तहत ध्वस्त किया गया कि वहां से %बीफ का अवैध व्यापार% चलता था। ऐसा दिख रहा था कि %पुलिस/प्रशासन ने अब झुंड का काम% अपने हाथ में लिया है. जहां अब राज्य द्वारा निशानदेही पर किए जाने वाले अत्याचार अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ हिंसा को वैधता प्रदान कर रहे हैं।विख्यात अमेरिकी इतिहासकार, नाटककार, दार्शनिक और समाजवादी विचारक हॉवर्ड जिन जिनकी लिखी किताब %ए पीपुल्स हिस्टरी आफ युनाईटेड स्टेटस% की लाखों प्रतियां बिक चुकी हैं, के यह लफ्ज़ आज भी दुनिया के तमाम मुल्कों में दोहराए जाते हैं जब-जब वहां की जनता हुक्मरानों के हर फरमान को सिर आंखों पर लेती है।

वैसे बहुत कम लोग इस वक्तव्य के इतिहास से वाकिफ हैं, जिसे उन्होंने अमेरिका के युद्ध विरोधी आंदोलन के दौरान बाल्टिमोर विश्वविद्यालय के परिसर में रैडिकल छात्रों और परिवर्तनकामी अध्यापकों के विशाल जनसमूह के सामने दिया था। गौरतलब है कि यही वह दौर था जब अमेरिकी सरकार की विएतनाम युद्ध में संलिप्तता को लेकर - जिसमें तमाम अमेरिकी सैनिकों की महज लाशें ही अमेरिका लौट पायी थी। जनाक्रोश बढ़ता गया था और अमेरिकी सरकार पर इस बात का जोर बढ़ने लगा था कि उसे अपनी सेनाओं को वहां से वापस बुलाना चाहिए।याद किया जा सकता है कि इस ऐतिहासिक साबित हो चुके व्याख्यान के एक दिन पहले क्या हुआ था ! एक युद्ध विरोधी प्रदर्शन में शामिल होने के चलते उन्हें संघीय पुलिस ने गिरफ्तार किया था और हॉवर्ड जिन को कहा गया था कि वह अगले दिन अदालत में हाजिर हों।

सवाल यह था कि क्या वह दूसरे ही दिन अदालत के सामने हाजिर हों, जहां उन्हें चेतावनी मिलेगी और फिर घर जाने के लिए कहा जाएगा या वह बाल्टिमोर जाने के अपने निर्णय पर कायम रहें, रैडिकल छात्रों ने उनके लिए जो निमंत्रण भेजा था उसका सम्मान करें और उसके अगले दिन अदालत के सामने हाजिर हों। यह जाहिर था कि इस हुक्मउदूली के लिए उन्हें कम से कम कुछ दिन/महिने सलाखों के पीछे जाना होगा।जिन ने बाल्टिमोर जाना ही तय किया, जहां उन्होंने अपना भाषण दिया - जिसकी छात्रों एवं अध्यापकों में जबरदस्त प्रतिक्रिया हुई और वह लौट आए और अगले ही दिन अदालत के सामने हाजिर हुए और जैसा कि स्पष्ट था कि उन्हें कुछ सप्ताह के लिए जेल भेजा गया।

जब-जब हाल के समयों में दुनिया के इस सबसे बड़े लोकतंत्र में %बुलडोजर न्याय% की परिघटना सामने आयी है, तब-तब जिन के इस उदबोधन की प्रासंगिकता बढ़ती दिखती है।न्याय के %वाहक% के तौर पर बुलडोजर के इस रूपांतरण की परिघटना का अब सामान्यीकरण हो चला है। बुलडोजर के माध्यम से जारी इस ध्वस्तीकरण अभियान में फिलवक्त मध्यप्रदेश के छतरपुर में कांग्रेस नेता हाजी शहजाद अली के मकान का प्रसंग सूर्खियों में है। यह अभी भी अस्पष्ट है कि किस के आदेश पर यह विशाल मकान ध्वस्त किया गया? आखिर किस कानून के तहत पुलिस और प्रशासन को यह अधिकार मिल जाता है कि वह भारत के एक नागरिक के बुनियादी अधिकारों पर इस तरह हमला करे। आखिर कब से ऐसा कोई निर्माण - जिसका नक्शा संबंधित अधिकारियों ने पास नहीं किया हो - उसे इस तरह आनन फानन तबाह किया जाता है, जबकि इस मामले में लंबी प्रक्रिया चलती है, अदालत या संबंधित विभाग कुछ जुर्माना करते है या अधिक से अधिक विवादित मकान का एक हिस्सा गिरा देते हैं।

इस बात को नहीं भूलना चाहिए कि इन ध्वस्तीकरणों को %भाजपा शासित राज्यों में होने वाली घटनाओं में अब अपवाद नहीं कहा जा सकता।

लोकसभा चुनावों के नतीजों के ऐलान के महज एक सप्ताह के अंदर, आदिवासीबहुल मांडला जिले में सरकारी जमीन पर बने अल्पसंख्यक समुदाय के 11 मकानों को इन आरोपों के तहत ध्वस्त किया गया कि वहां से बीफ का अवैध व्यापार' चलता था। ऐसा दिख रहा था कि पुलिस/प्रशासन ने अब झुंड का काम अपने हाथ में लिया है. जहां अब राज्य द्वारा निशानदेही पर किए जाने वाले अत्याचार अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ हिंसा को वैधता प्रदान कर रहे हैं।ध्यान रहे कि यह मसला मध्य प्रदेश या किसी एक राज्य तक सीमित नहीं है, यह सिलसिला भाजपा शासित राज्यों में आम है। तयशुदा बात है कि किसी खास तबके/समुदाय के खिलाफ बदले की भावना से ऐसी कार्रवाई या हिंसा को महज कानूनी शब्दावली में या उसकी कथित कमियों की बात करके समझा नहीं जा सकता।इतिहास हमें हिटलर के जर्मनी में बने न्यूरेम्बर्ग कानूनों /1935/ के बारे में बताता है जिसने नात्सीहुकूमत के लिए यह बेहद आसान बनाया कि वह यहुदियों के साथ भेदभाव को नीतिगत तौर पर अंजाम दे और उसने जर्मनी में सामीविरोध का भी संस्थाकरण किया जिसकी परिणति नस्लीय सफाये में हुई। ऐसी परिस्थिति, एक तरह से उनके अंदर के अल्पसंख्यक समुदाय को सभी अधिकारों से वंचित करती है और उन्हें बहुसंख्यक समुदाय की दया पर छोड़ देती है। हम ऐसी स्थिति से भी रूबरू हो सकते है जहां औपचारिक तौर पर ऐसे भेदभावजनक कानून अस्तित्व में नहीं है, मगर विभिन्न ऐतिहासिक और अन्य कारणों से ऐसे भेदभाव जनक या पूर्वाग्रह पूर्ण व्यवहार अधिकाधिक सामान्य होते जाते हैं।

जब प्रशासन पूर्वागहपूर्ण व्यवहार को अंजाम देता है और नागरिक समाज भी %कानून के राज के इस खुल्लमखुला उल्लंघन को लेकर समझौताजनक रूख अख्तियार करता है तब अमन एवं इन्साफ के प्रति सरोकार रखने वाले नागरिकों और आदर्शवादी युवकों के सामने क्या रास्ता बचता है ! शायद अब वक्त की मांग है कि वह अधिक सर्जनात्मक और प्रेरणादायी समाधान की तरफ बढ़ने की कोशिश करें।

आज की तारीख में जब गाज़ा में और अन्य फिलिस्तीनीबहुल इलाकों में इस्त्राएली सेना जिस %नस्लीय सफाये' को अंजाम दे रही है, तब यह जानना काफी प्रेरणादायी हो सकता है कि इन्हीं कठिन परिस्थितियों में इस्त्राएली युवाओं का एक छोटा सा ही हिस्सा पश्चिमी तट में सामने आ रही नस्लीय सफाये की घटनाओं को रोकने के लिए अपने आप को झोंक रहा है।वैसे वे प्रख्यात युवा क्रांतिकारी रैशेल कोरी की शहादत से भी सीख सकते हैं, जिसने बमुश्किल 23 साल की उम्र में उस वक्त अपनी शहादत दी जब इस्त्राएली टैंक दक्षिण गाज़ा में एक फिलिस्तीनी मकान को तबाह करने के लिए आगे बढ़ रहे थे।

अमेरिका में पढ़ाई कर रही रैशेल- फिलिस्तीनी और अंतरराष्ट्रीय शांति कार्यकर्ताओं के समूह की सदस्य थी, जिनकी कोशिश थी कि

%% वह फिलिस्तीनी संपत्ति को तबाह करने के इस्त्राएली सरकार के अभियान को रोकें। उस दिन वह राफाह शरणार्थी शिविर में इस कोशिश में जमा थे कि खुद मानवीय ढाल बनेंगे और ध्वंसीकरण को रोकेंगे, जब इस्त्राएली दस्ते दो भाइयों - खालिद और समीर नसरल्लाह - के मकानों को ध्वस्त करने के लिए पहुंचने वाले थे।रैशेल के इस अनोखी शहादत के दुनिया भर में चर्चे चले। इस बात को भी रेखांकित किया जाना चाहिए कि रैशेल की शहादत के बाद दो अन्य शांति कार्यकर्ता इसी तरह फिलिस्तीनी मकानों को बचाने के प्रयास में आत्महुति दिए।

बीस साल से अधिक वक्त गुजर चुका है जब रैशेल और अन्य शांति कार्यकर्ता शहीद हुए। आज जब हमारे मुल्क में बुलडोजर /अ/न्याय का सामान्यीकरण हो चला है और संवैधानिक संस्थाएं भी इस मामले में औपचारिक कार्रवाई के आगे कदम नहीं उठाती दिख रही हैं, ऐसे समय में जनमानस को जगाने के लिए, उन्हें प्रेरित करने के लिए वे सभी जो न्याय, अमन और प्रगति के हक़ में हैं, उन्हें नयी जमीन तोड़ने की जरूरत है। जनमानस को यह भी बताने की जरूरत है, जिसकी तरफ हावर्ड जिन्न ने अपनी तकरीर में आवाज़ बुलंद की थी ओर समझाया था कि हमारी समस्या नागरिक आज्ञाकारिता है।' हमारी समस्या यही है कि दुनिया भर के तमाम लोगों ने अपनी सरकारों के नेताओं के फरमानों को चुपचाप सुना है और वह युद्ध में जुट गए हैं, और लाखों लोग इसी आज्ञाकारिता के कारण मर भी गए हैं। हमारी समस्या है %आल क्वाइट आन द वेस्टर्न फ्रेट का वह दृश्य, जब स्कूली छात्र युद्ध में शामिल होने के लिए कतारबंद हो रहे हैं। हमारी समस्या है कि भूखमरी और गरीबी तथा जाहिलपन के आलम में , युद्ध और क्रूरता के बीच दुनिया भर में लोग आज्ञाकारी हैं। हमारी समस्या है कि जबकि जेलें मामूली चोरों से भरी पड़ी हैं और बड़े बड़े चोर डकैत सरकारें चला रहे हैं। हमारी यही समस्या है। हम नात्सी जर्मनी की इस समस्या को समझते हैं। हम जानते हैं कि वहां भी समस्या आज्ञाकारिता की थी, वहां भी लोग हिटलर के प्रति आज्ञाकारी थे, वह सरासर गलत था। उन्हें चाहिए था कि वह चुनौती देते और प्रतिरोध करते और अगर हम उन दिनों वहां होते तो तय बात है कि हम अपने प्रतिरोध से उन्हें दिखा भी देते।

संपादकीय

बुलडोज़र पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती वाजिब

पिछले कुछ समय से प्रशासकीय आतंक का प्रतीक बन चुकी बुलडोज़र न्याय प्रणाली आखिरकार सुप्रीम कोर्ट के निशाने पर आ ही गई। भारतीय जनता पार्टी द्वारा जिन राज्यों में शासन किया जा रहा है, वहां की सरकारें विरोधियों, खासकर अल्पसंख्यकों के घरों को केवल इस आधार पर बेरहमी से गिराती आ रही हैं जो किसी न किसी अपराध में आरोपी बनाए जाते हैं। दोष सिद्धि के पहले ही सरकारों द्वारा मकान-दूकान ध्वस्त करना भाजपा सरकारों की कार्यप्रणाली का हिस्सा बन गया है। उत्तर प्रदेश में तो यह काम बेहद धड़ल्ले से होता आ रहा है जिसके अंतर्गत न सिर्फ किसी अपराध में अल्पसंख्यकों को शामिल बतलाते हुए घरों को जमींदोज किया जाता है, बल्कि राजनीतिक विरोधियों को भी नहीं बख्शा जाता। किसी न किसी बहाने से अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों एवं विरोधी मत रखने वाले नेताओं-कार्यकर्ताओं के घरों को गिराया जाता रहा है। उप्र, गुजरात, असम, मध्यप्रदेश राजस्थान आदि राज्यों में बुलडोज़र के प्रति वहां की सरकारों का विशेष अनुराग देखा गया है। बड़ी संख्या में लोगों ने अपने सरों पर से साया केवल इस कारण से खोया है कि उनके परिवार का कोई सदस्य किसी अपराध में शामिल पाया गया।

जमीयत उलेमा ए हिंद ने पिछले दिनों एक याचिका दाखिल कर सरकारों द्वारा मनमाने ढंग से बुलडोज़रों का इस्तेमाल कर घरों को तोड़ने पर रोक लगाने की मांग की थी। विशेषकर दिल्ली के जहांगीरपुरी मामले में वकील फरूख रशीद ने जो याचिका दाखिल की है, उसमें कहा गया है कि भाजपा सरकारें अल्पसंख्यकों एवं हाशिये पर खड़े लोगों के घरों को तोड़कर दमन कर रही है। इससे पीड़ितों को कानूनी उपचार का अवसर नहीं मिल पाता। इस याचिका पर सुनवाई करते हुए शीर्ष कोर्ट ने सोमवार को सुनवाई करते हुए साफ किया कि अपराधी पाये जाने पर भी किसी के घर को इस प्रकार नहीं तोड़ा जा सकता। हालांकि महाधिवक्ता तुषार मेहता का कहना था कि निर्माणों को म्युनिसिपल कानूनों के अंतर्गत तोड़ा जा रहा है। यानी अवैध होने के कारण इन पर बुलडोज़र चल रहे हैं। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने सरकार को नोटिस भेजकर जवाब मांगा है। वैसे बेंच ने साफ किया कि वह अवैध और अवरोध बन चुके निर्माणों को संरक्षण नहीं देने जा रही है। उसने सरकारों से सुझाव भी मांगे हैं ताकि वह आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर सके।

उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश से इस बुलडोज़र दमन की शुरुआत हुई थी जिसमें सरकार की ओर से अल्पसंख्यकों तथा भाजपाविरोधी लोगों के निर्माणों को किसी न किसी बहाने से ध्वस्त करने की परम्परा शुरू की गई। वहां के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को %बुलडोज़र बाबा' के नाम से भी सम्बोधित किया जाने लगा। यहां तक कि जिन अन्य राज्यों में आदित्यनाथ चुनावी सभाओं को सम्बोधित करने जाते हैं, वहां भी उनके स्वागत में बुलडोज़र रखे जाने लगे। मुस्लिमों के प्रति नफरत करने वाले कट्टरपंथियों के बीच उनकी लोकप्रियता का यह बड़ा कारण बन गया। इसकी देखा-देखी राजस्थान, मध्यप्रदेश, असम, गुजरात आदि में भी कमजोर तबकों व अल्पसंख्यकों के घरों तथा बस्तियों पर अंधाधुंध बुलडोज़र चलाकर न केवल घर बल्कि परिवार के उन सदस्यों को भी सज़ा दी गई जो कथित अपराध में शामिल नहीं थे। एमनेस्टी इंटरनेशनल तक यह मामला पहुंचा था जिसने इस वर्ष की फरवरी में यह तथ्य सामने लाया था कि अप्रैल 2022 से जून 2023 तक उपरोक्त राज्यों में 128 सम्पत्तियों को बुलडोज़र चलाकर धराशायी किया गया। मध्यप्रदेश में एक आरोपी के पिता की सम्पत्ति पर बुलडोज़र चलाया गया तो वहीं राजस्थान में एक अवयस्क छात्र के घर को नेस्तनाबूद कर दिया गया जिस पर अपने सहपाठी को चाकू से गोदने का आरोप था।भाजपा ने बुलडोज़र न्याय को अपने कड़े प्रशासन का प्रतीक बनाकर प्रचारित किया लेकिन अनेक देशों में इसकी आलोचना भी हुई है जिसके कारण भारत सरकार की बदनामी हुई है। कुछ देशों में तो भाजपा समर्थकों ने राष्ट्रीय पर्वों पर बुलडोज़र को भी जुलूस में शामिल किया था जिसके कारण उन्हें वहां की सरकारों की ओर से कार्रवाई की चेतावनी तक मिली थी। बुलडोज़र जहां दमन का प्रतीक है वहीं वह सरकार के शक्ति के पृथक्करण के नियमों का उल्लंघन भी माना गया है।

शीर्ष अदालत के हाल के फैसले देते हैं न्यायिक दृष्टिकोण में एक सूक्ष्म बदलाव का संकेत

न्यायालय के दृष्टिकोण के इन पहलुओं के बीच मौलिक कानूनी सिद्धांतों को बनाये रखने की अनिवार्यता के साथ मनी लॉन्डरिंग से निपटने की आवश्यकता को संतुलित करने की जटिलताओं को उजागर करते हैं

न्यायालय के दृष्टिकोण के इन पहलुओं के बीच मौलिक कानूनी सिद्धांतों को बनाये रखने की अनिवार्यता के साथ मनी लॉन्डरिंग से निपटने की आवश्यकता को संतुलित करने की जटिलताओं को उजागर करते हैं। यह इन हितों को समेटने के लिए चल रहे प्रयास को भी दर्शाता है, यह सुनिश्चित करते हुए कि गंभीर वित्तीय अपराधों को संबोधित करते समय कानूनी प्रक्रिया निष्पक्ष और न्यायसंगत बनी रहे।

दिल्ली के मंत्री मनीष सिसोदिया और अन्य लोगों को दिल्ली आबकारी नीति के संदर्भ में मनी लॉन्डरिंगऔर इसी तरह के अन्य मामलों में जमानत देने वाले सर्वोच्च न्यायालय के हालिया फैसले न्यायपालिका द्वारा मनीलॉन्ड्रिंग के आरोपों, खासकर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा लगाये गये आरोपों के प्रति दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाते हैं। ये फैसले न केवल न्यायिक दृष्टिकोण को उजागर करते हैं बल्कि जमानत और हिरासत के सिद्धांतों के बारे में अदालत के व्यापक रुख पर भी प्रकाश डालते हैं।सिसोदिया के मामले ने उनके हाई-प्रोफाइल स्वभाव और उनके खिलाफ आरोपों की गंभीरता के कारण बहुत ध्यान आकर्षित किया है। जमानत देने के सर्वोच्च न्यायालय के फैसले को अदालत के दृष्टिकोण में एक ऐतिहासिक क्षण के रूप में वर्णित किया गया है, जो धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जमानत शर्तों की अधिक सूक्ष्म व्याख्या की ओर बदलाव को दर्शाता है।यह दृष्टिकोण और भी महत्वपूर्ण हो जाता है जब इसे भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की नेता के. कविता और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के सहयोगी प्रेम प्रकाश जैसे प्रमुख राजनीतिक हस्तियों से जुड़े समान मामलों के साथ देखा जाता है। दोनों पर मनीलॉन्डरिंग के आरोप हैं और उनकी कानूनी लड़ाई अदालत के बदलते रुख को समझने के लिए एक तुलनात्मक दृष्टिकोण प्रदान करती है।सर्वोच्च न्यायालय का फैसला आपराधिक न्याय में एक महत्वपूर्ण सिद्धांत पर जोर देता है- जमानत नियम होनी चाहिए अपवाद नहीं। यह सिद्धांत व्यापक न्यायिक दर्शन के साथ संरेखित होता है कि मुकदमे से पहले हिरासत का उपयोग संयम से और केवल असाधारण परिस्थितियों में किया जाना चाहिए। यह रेखांकित करता है कि निर्दोषता की धारणा का सम्मान किया जाना चाहिए और जमानत तब तक दी जानी चाहिए जब तक कि इसे अस्वीकार करने के लिए बाध्यकारी कारण न हों।सिसोदिया के मामले में, न्यायालय ने आरोपों की प्रकृति और ईडी द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य की जांच की और इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि उनकी लंबी हिरासत उनके त्वरित सुनवाई के अधिकार से वंचित करने के बराबर है क्योंकि न्यायालय ने कहा कि भविष्य में सुनवाई पूरी होने की दूर-दूर तक कोई संभावना नहीं है। इसने इस बात पर सावधानीपूर्वक विचार किया कि प्रस्तुत साक्ष्य निरंतर हिरासत को उचित ठहराते हैं या नहीं। यह पीएमएलए के तहत मामलों में पहले अपनाये गये अधिक सख्त दृष्टिकोण से अलग है, जहां ईडी द्वारा आरोपों की गंभीरता के दावे के आधार पर अक्सर हिरासत को लंबा किया जाता था।पीएमएलए मामलों में सर्वोच्च न्यायालय की हालिया टिप्पणियां इस फैसले के लिए और भी संदर्भ प्रदान करती हैं। उल्लेखनीय रूप से, न्यायालय ने पुलिस हिरासत के दौरान प्राप्त किये गये इकबालिया बयानों की स्वीकार्यता की जांच की है। हाल के एक मामले में, न्यायालय ने फैसला सुनाया कि एक विशेष मामले में इस तरह के इकबालिया बयानों का इस्तेमाल दूसरे मामले में सुबूत के तौर पर उपयोग नहीं किया जा सकता है, जिससे अभियुक्तों के अधिकारों की रक्षा करने और यह सुनिश्चित करने के महत्व पर बल मिलता है कि सुबूत वैध तरीकों से प्राप्त किये जायें।हाल के फैसले एक व्यापक न्यायिक प्रवृत्ति के अनुरूप हैं, जो यह सुनिश्चित करने की दिशा में हैं कि कानूनी प्रक्रिया निष्पक्षता और उचित प्रक्रिया के सिद्धांतों का पालन करती है। स्वीकारोक्ति की स्वीकार्यता और जमानत की शर्तों पर न्यायालय का ध्यान इन सिद्धांतों को बनाये रखने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, यहां तक कि महत्वपूर्ण वित्तीय अपराधों से जुड़े जटिल और हाई-प्रोफाइल मामलों में भी। यह विशेष रूप से उस संदर्भ में महत्वपूर्ण है, जब एजेंसी सत्तारूढ़ पार्टी के लिए राजनीतिक उपकरण की तरह काम कर रही हो।2002 में अधिनियमित पीएमएलए को मनी लॉन्डरिंग से निपटने और यह सुनिश्चित करने के लिए तैयार किया गया था कि आपराधिक गतिविधियों से होने वाली आय को कम किया जाये। हालांकि, राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ उनके उपयोग के लिए इसके कड़े प्रावधानों की आलोचना की गयी है। कानून संपत्तियों की कुर्की, बिना जमानत के गिरफ्तारी और लंबी हिरासत की अनुमति देता है, जिसका इस्तेमाल व्यक्तियों या समूहों को परेशान करने और राजनीतिक रूप से कमजोर करने के लिए किया जा सकता है।हाल के वर्षों में, ऐसे कई उदाहरण हैं, जहां ईडी ने विपक्षी दलों या प्रतिद्वंद्वी राज्य सरकारों के राजनेताओं को निशाना बनाया है। हाई-प्रोफाइल मामलों में विभिन्न दलों के नेता शामिल रहे हैं, और इन कार्रवाइयों का समय अक्सर महत्वपूर्ण राजनीतिक क्षणों या चुनावों के साथ मेल खाता है, जिससे आरोप लगते हैं कि ईडी सत्तारूढ़ पार्टी के इशारे पर काम कर रहा है।मनी लॉन्डरिंगकी जांच और मुकदमा चलाने के लिए एजेंसी के व्यापक अधिकार क्षेत्र के बावजूद, पीएमएलए के तहत दोषसिद्धि की दर उल्लेखनीय रूप से कम है। हाल के आंकड़ों के अनुसार, पंजीकृत हजारों मामलों में से, दोषसिद्धि की दर 10 प्रतिशत से कम है, जो दोषसिद्धि सुनिश्चित करने में एक प्रणालीगत चुनौती का सुझाव देती है, जो जांच प्रक्रिया की प्रभावकारिता और निष्पक्षता पर सवाल उठाती है।इस तरह के दुरुपयोग पर अदालत की वास्तविकता की जांच विशेष रूप से महत्वपूर्ण है और यह दृष्टिकोण में बदलाव का संकेत दे सकती है। सर्वोच्च न्यायालय ने पहले प्रत्येक मामले में गिरफ्तारी के लिए विस्तृत आधार प्रस्तुत किये बिना व्यक्तियों को गिरफ्तार करने के ईडी के अधिकार को बरकरार रखा था। हालांकि, नये फैसले इन शक्तियों के अधिक सूक्ष्म अनुप्रयोग का सुझाव देते हैं, जो प्रत्येक मामले की बारीकियों पर विचार करने वाले संतुलित दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल देते हैं।न्यायालय के दृष्टिकोण के इन पहलुओं के बीच मौलिक कानूनी सिद्धांतों को बनाये रखने की अनिवार्यता के साथ मनी लॉन्डरिंग से निपटने की आवश्यकता को संतुलित करने की जटिलताओं को उजागर करते हैं। यह इन हितों को समेटने के लिए चल रहे प्रयास को भी दर्शाता है, यह सुनिश्चित करते हुए कि गंभीर वित्तीय अपराधों को संबोधित करते समय कानूनी प्रक्रिया निष्पक्ष और न्यायसंगत बनी रहे।

शादीशुदा जिंदगी में इन बातों को करें फॉलो

लड़ाई-झगड़ा, प्यार-मोहब्बत, हर रिश्ते में होना लाजमी है। लेकिन अगर ये झगड़ा बहुत ज्यादा होने लगे तो ये अच्छा नहीं होता क्योंकि इससे रिश्ते टूट सकते हैं। किसी भी रिश्ते में लड़ाई होना बेहद खराब है, हां हल्की-फुल्की नोक झोंक तो हर घर में होती है, पर जब ये ज्यादा होने लगे तो खतरे की घंटी साबित हो सकती है। अगर आपके रिश्ते में ऐसा कुछ हो रहा है तो आप कुछ टिप्स फॉलो कर सकते हैं। आइए, जानते हैं-

विश करें

तो क्या हुआ कि आपकी शादी को कई साल हो चुके हैं, प्यार को बरकरार रखने के लिए आपको हर चीज करनी चाहिए। भले ही आप दोनों के उठने का समय अलग है लेकिन आप दोनों को सुबह एक दूसरे को गुड मॉर्निंग विश करना चाहिए। साथ ही रात में सोने पर भी आपको गुड नाइट विश करके सोना चाहिए। ये एक अच्छी आदत होने के साथ-साथ आपके रिश्ते को जीवित रखने में मदद करता है।

फूल

फूल किसे पसंद नहीं होते, इन दिनों फेस्टिव सीजन है तो यकीनन आपकी वाइफ भी रोजाना अच्छे से तैयार होती होंगी। ऐसे में उनको आप फूल दे सकते हैं। वह इसे अपने बालों में लगा सकती है और ये सच में काफी रोमांटिक होगा।

तारीफ

एक दूसरे की तारीफ करें। आप अपने पार्टनर की किसी फोटो या फिर वो दिन भर कैसी लग रही थी इस बात की तारिफ करें। रोजाना आप दोनों मेहनत करते हैं तो ऐसे में एक दूसरे के काम की तारीफ भी कर सकते हैं।

हाई हील पहनने की हैं शौकीन, पूरे दिन पहनकर रखने के लिए अजमाएं ये हैक्स

हील्स पहनना अधिकतर महिलाओं को पसंद होता है। हील्स पहनने के लिए किसी भी परफेक्ट आउटफिट पहनने की जरूरत नहीं होती, बल्कि किसी भी लुक को परफेक्ट बनाने के लिए आप हील्स पहन सकते हैं। हील्स की एक खासियत यह भी है कि यह पैरों को ज्यादा लंबा दिखाते हैं, जिससे आपका लुक और भी ज्यादा अट्रैक्टिव लगता है। हाई हील्स के साथ एक समस्या यह होती है कि यह बहुत ज्यादा देर तक आपको कंफर्टेबल महसूस नहीं करवाते हैं। इसलिए अगर आप ऑफिस में या फिर किसी मैरिज फंक्शन आदि में पहन रही हैं तो हो सकता है कि आपको पैरों में दर्द का एहसास होने लगे। तो जानते हैं हाई हील्स से जुड़े कुछ हैक्स के बारे में।

हैक 1

डबल टेप का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसे आप तलवे से चिपका दें। यह ट्रिक आपके फुटवियर को पैरों पर ज्यादा आरामदायक तरीके से रखेगी। साथ ही इसके कारण होने वाले फफोले और पैर की उंगलियों में दर्द काफी हद तक कम हो जाएगा।

हैक 2

हील्स में आप इनसोल्स का इस्तेमाल कर सकती हैं। ये सिलिकॉन या कपड़े से बने होते हैं। यह आपके पैरों को हाई हील्स में आगे बढ़ने से रोकते हैं, साथ ही आरामदायक भी होते हैं।

हैक 3

पार्टी में अक्सर हील्स उतारने का मन करता है, लेकिन आप ऐसा करने से बचें क्योंकि जब आप हील्स उतारते हैं तो उस पल तो आपको राहत मिल जाती है लेकिन कई बार ऐसा करते ही पैरों में सूजन आ जाती है और फिर जब आप हील्स दोबारा पहनती हैं तो पैरों में ज्यादा दर्द होता है।

हर लड़की को सीखनी चाहिए ये चीजें

यूं तो आज लड़कियां लड़कों से किसी भी क्षेत्र में कम नहीं हैं। घर की जिम्मेदारियों से लेकर बाहर पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करने तक में, उन्होंने अपनी मेहनत और लगन से अपने लिए एक खास जगह बनाई है। बावजूद इसके आज जानते हैं वो 5 चीजें जिन्हें होम मेकर हो या कोई प्रोफेशनल लड़की, जरूर सीखना चाहिए।

अकाउंट्स मेनटेन रखना

घर संभालना हो या फिर बाहर रहकर नौकरी करते हुए अपने खर्चों को करना हो मैनेज, लड़कियों को अपने फाइनेंशियल डिसीजन खुद लेने आने चाहिए। इसके लिए उन्हें सबसे पहले अपना अकाउंट्स मेंटेन करना जरूर आना चाहिए। आप ऐसा करते हुए आप अपने खर्चों पर भी खुद नजर रख पाएंगी। इसके अलावा लड़कियों को समय पर टैक्स रिटर्न भरना भी जरूर सीखना चाहिए। अपने रिटायरमेंट प्लान से लेकर सेविंग्स तक की प्लानिंग के लिए अपने पैसे को समझदारी से इन्वेस्ट करें।

साइन करने से पहले हर कागज को अच्छे से पढ़ें

ज्यादातर लोग अक्सर किसी डॉक्यूमेंट या कागज को बिना पढ़े ही साइन कर देते हैं। आपकी ये आदत आपको भविष्य में नुकसान पहुंचा सकती है। लड़कियों का मन कोमल होता है। आपका किसी पर विश्वास करना उचित है बावजूद इसके आपको समझदारी से काम लेना भी आना चाहिए। ऐसे में कभी भी किसी भी लीगल या जरूरी डॉक्यूमेंट्स पर साइन करने से पहले उसे जरूर अच्छे से पढ़ें।

बेसिक सेल्फ डिफेंस स्किल्स

वक्त चाहे कोई भी क्यों न हो, आप अपनी किस्मत को आजमाने के लिए रात या दिन का इंतजार थोड़े ही करेंगे। रात हो या दिन, आपको अपनी सुरक्षा के लिए बेसिक सेल्फ डिफेंस मूव्स जरूर आने चाहिए ताकि आप मौका पड़ने पर किसी भी जगह सुरक्षित रह सकें। आप इसके लिए वीकेंड पर सेल्फ डिफेंस कोर्स कर सकती हैं।

सिग्नेचर डिश

हर व्यक्ति अपनी किसी न किसी खासियत की

घर की जिम्मेदारियों से लेकर बाहर पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करने तक में लड़कियों ने अपनी मेहनत और लगन से अपने लिए एक खास जगह बनाई है।

वजह से लोगों के बीच पहचाना जाता है ऐसे में आप भी अपनी किसी सिग्नेचर डिश की वजह से लोगों के बीच फेमस हो सकते हैं। जब आप डिनर या पार्टी के लिए लोगों या दोस्तों को अपने घर बुला रही हैं तो मेन्यू में आपकी एक सिग्नेचर डिश तो होनी ही चाहिए जिसका स्वाद वो सालों-साल याद रखें।

कार का टायर बदलना

अक्सर लोगों को लगता है कि गाड़ी का टायर बदलने का काम सिर्फ लड़के ही अच्छा कर सकते हैं। लेकिन अगर आप भी ड्राइव करती हैं तो यह काम आपको भी जरूर सीखना चाहिए वरना आप कभी भी मुश्किल में पड़ सकती हैं।

डेटिंग प्रोफाइल के लिए फोटो चूज करने में इन टिप्स की लें मदद

ऑनलाइन डेटिंग करना मुश्किल हो सकता है। ऐसे में जब आप ऑनलाइन प्रोफाइल को सेट करते हैं तो आप पूरी तरह से सभी कुछ बेस्ट करने की कोशिश करते हैं। जिसे देख आसानी से कोई भी इंप्रेस हो जाए। हालांकि आपको इस बात को ध्यान में रखना चाहिए कि आपके प्रोफाइल का बायो पूरी तरह से आपको डिस्क्राइब करना चाहिए। अगर आप ऐसा करते हैं तभी आप ज्यादा से ज्यादा मैच पा सकते हैं। इन सभी के साथ ये भी जरूरी है कि आप एक सही प्रोफाइल फोटो चूज करें। ऐसे में आप जब भी डेटिंग प्रोफाइल फोटो चूज करें तो कुछ बातों को ध्यान में रखें। तो चलिए जानते हैं कुछ टिप्स के बारे में जिनकी मदद से आप अपनी प्रोफाइल फोटो सेट कर सकत हैं।

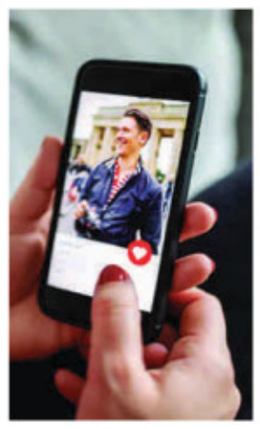

टिप 3

ऑनलाइन डेटिंग एप पर अगर आप फोटो स्लेक्ट कर रहे हैं तो ऐसी फोटो लगाएं जो आपको डिस्क्राइब करे। अगर आपको कैंपिंग पसंद है तो आप कैंपिंग की फोटो लगा सकते हैं या फिर अगर आपको बुक्स पढ़ना पसंद है तो किसी लाइब्रेरी की फोटो लगा सकते हैं।

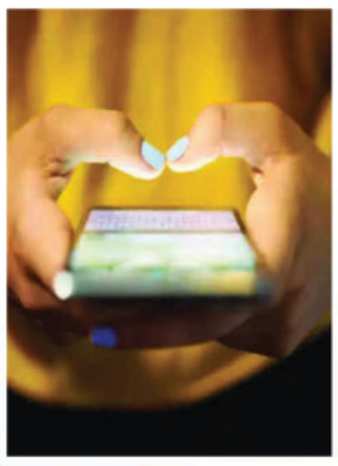

टिप 1

ऐसी फोटो चूज न करें जिसमें आपका चेहरा क्लीयर न हो, या फिर आपका चेहरा दिख ही न रहा हो। ये फोटो अच्छा ऑप्शन नहीं होगा क्योंकि सामने वाले को आपकी फोटो ही नहीं दिखेगी। ऐसी फोटो चुने जिसमें आप पूरी तरह से दिख रहे हों।

टिप 2

कई बार लोग डेटिंग एप पर ग्रुप फोटो लगाते हैं, ऐसे में सामने वाले को ये कंफ्यूजन हो सकता है कि प्रोफाइल किसकी है। तो ध्यान रखें की फोटो सिर्फ आपकी हो न की ग्रुप फोटो हो।

टिप 4

एक ऐसी फोटो लगाएं जिसमें आप कॉन्फिडेंट नजर आ रहे हैं। कई बार लोग अपने कपड़ों के साथ कॉन्फिडेंट नहीं होते हैं फिर भी उन कपड़ों में वह प्रोफाइल फोटो लगा सकते हैं।

कहीं आपकी चांदी की ज्वेलरी नकली तो नहीं है? ऐसे जानें

सोना और प्लेटिनम की तरह ही चांदी भी एक लोकप्रिय धातु है। आमतौर पर लोग सोने और चांदी के गहने पहनना पसंद करते हैं और वास्तव में चांदी के गहने दिखने में खूबसूरत भी लगते हैं। जब बात चांदी के गहनों को आती है तो लोग मुख्य रूप से इसकी पायल और बिछिया पहनते हैं। चांदी एक कीमती धातु है जो बहुतायत में पाई जाती है और इसका उपयोग गहनों के अलावा पूजा के सिक्के, सजावटी सामान, मूर्तियां और अन्य टिकाऊ वस्तुएं जैसे बर्तन बनाने के लिए भी किया जाता है।

यह एक नरम धातु है और यदि आप अपनी चांदी से बनी चीजों की उचित देखभाल करते हैं, तो यह लंबे समय तक नए जैसी बनी रहती हैं। चाहे आप चांदी के झुमके की एक जोड़ी खरीदें या स्टर्लिंग चांदी से बनी चांदी की अंगूठी और पायल, यदि आप इसकी अच्छी देखभाल करेंगी तो या सालों साल नयी जैसी बनी रहेंगी। लेकिन देखभाल के साथ आपके लिए इन्हें खरीदते समय इस बात का ध्यान रखना भी जरूरी है कि आप जो चांदी खरीद रही हैं वो असली और शुद्ध है या नहीं। वास्तव में यदि आप नकली चांदी खरीदेंगी के बाद भी ये जल्दी ही खराब होने लगती है। आइए जानें कि आप किन युक्तियों से इस बात का पता आसानी से लगा सकती हैं कि आपकी चांदी असली है या नहीं।

लेबल की जांच करें

चांदी की वस्तु असली है या नकली यह जांचने के लिए आभूषण पर लेबल की जांच करना। यदि उस पर एक छोटा लेबिल है जिसमें स्टर' या 'स्टर्लिंग' प्रिंट है, तो इसका मतलब है कि वस्तु चांदी या चांदी चढ़ाया हुआ। जब भी चांदी की वस्तुओं को अंतरराष्ट्रीय या घरेलू स्तर पर बेचा जाता है, तो एक हॉलमार्क ट्रेड स्टैम्प होता है जो धातु को प्रमाणित करता है। किसी दुकान से चांदी की वस्तु खरीदने से पहले, हमेशा 'स्टर्लिंग' के मानक स्टैंप की जांच जरूर करें।

मैग्नेट टेस्ट

मैग्नेट का उपयोग करके यह जांचने का एक और अच्छा तरीका है कि आपने जो चांदी खरीदी है वह असली है या नकली। यदि आपके घर में कोई भी चुम्बक पड़ा हुआ है, तो आप इसका उपयोग प्रदर्शित करती है। इसके लिए एक मैग्नेट का प्रयोग करें और उसे चांदी की वस्तु के करीब लाएं जिसे आप जांचना चाहते हैं और देखें कि क्या यह मैग्नेट से मजबूती से चिपकती है। यदि ऐसा है तो समझ लें कि ये असली चांदी नहीं है ॥ (मोतियों की ज्वेलरी की ऐसे करें केयर)

आइस क्यूब टेस्ट

चांदी के शुद्ध होने या न होने की जांच करने का एक और आसान तरीका बर्फ के टुकड़े का उपयोग करना है। यह विधि चांदी के सिक्कों और अन्य चांदी की वस्तुओं के सपाट सतहों के परीक्षण के लिए आदर्श है। चांदी के सिक्के या गहनों पर आइस क्यूब रखें। यदि आइस क्यूब जल्दी पिघलती है, तो आपके पास जो चांदी की वस्तु है वह असली है। दरअसल चांदी में किसी सामान्य धातु की तुलना में अत्यधिक मात्रा में थर्मल कंडक्टिविटी होती है जो बर्फ को तुरंत पिघला देती है।

वजन परीक्षण

चांदी अधिकांश धातुओं की तुलना में ज्यादा हैवी होती है। इस धातु के वजन में एक विशिष्ट व्यास और मोटाई होती है। यदि चांदी का वजन कम होता है, तो यह स्टर्लिंग चांदी के बजाय हल्के चांदी के मिश्र धातुओं से बनी हो सकती है। यदि इसका वजन अधिक है, तो आमतौर पर चांदी की परत वाली वस्तुओं की तुलना में ठंडी होती है और चमकदार होती है।

ब्लीच टेस्ट

चांदी की धातु की प्रामाणिकता की जांच के लिए ब्लीच का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। बस चांदी की वस्तु पर ब्लीच की एक बूंद डालें। ब्लीच जैसे ऑक्सीडाइजिंग केमिकल के संपर्क में आने के बाद अगर यह धूमिल हो जाए तो यह असली चांदी है। ब्लीच के संपर्क में आने पर असली चांदी तुरंत काली हो जाएगी जबकि नकली धातु पर ब्लीच का कोई असर नहीं होता है। लेकिन हिस्से में ही ब्लीच डालें। इन सभी युक्तियों से आप अपनी चांदी के गहनों की जांच कर सकते हैं और ये पता लगा सकते हैं कि चांदी असली है या नकली।

जानकारी

बार-बार डकार आ रही है तो हो सकती ये गंभीर बीमारी

डकार लेना एक प्राकृतिक क्रिया है और आमतौर पर ऐसा माना जाता है की हमने जो भोजन किया वह हजम हो जाने का डाकार एक संकेत होता है, लेकिन वास्तविकता में ऐसा नहीं है, दरअसल जब खाना खाते समय या उसके बाद बार-बार डकार लेने का मतलब है कि खाने के साथ ज्यादा मात्रा में हवा निगल ली गई है। जब हम हवा निगल लेते हैं तो उसी तरह वो बाहर भी निकलती है, जिसे हम डकार कहते हैं। यह पेट से गैस के बाहर निकलने का एक प्राकृतिक तरीका है और अगर पेट से हवा बाहर न निकले तो यह पेट से संबंधित कई समस्याओं को जन्म दे सकती है, जैसे पेट में तेज दर्द या पेट में अफारा आदि, लेकिन अगर डकार ज्यादा आए तो ये कई बार कुछ बीमारियों का संकेत भी हो सकता है। तो चलिए जानें कि कैसे ज्यादा डकार आना हो सकता है किसी गंभीर बीमारी का इशारा। ऐरोफेजिया होने पर अक्सर ऐसा होता है कि हम खाना खाते समय ज्यादा हवा पेट में निगल जाते हैं और फिर डकारें आने लगती हैं। इस स्थिति को ही ऐरोफेजिया की स्थिति कहते हैं। कुछ खाते या पीते समय हवा पेट में चले जाने से अकसर ऐरोफेजिया की स्थिति पैदा हो जाती है। इससे समस्या से बचने के लिए छोटे निवाले लें और मुंह बंद करके धीरे-धीरे खाने को चबा कर निगलें।

पुरानी कब्ज या बदहजमी की समस्या

कई अध्ययन इस बात को बता चुके हैं कि जिन लोगों को बहुत ज्यादा डकार आती हैं, उनमें से लगभग 30 प्रतिशत लोगों को कब्ज की समस्या होती है। इस समस्या के होने पर खाने में उपयुक्त मात्रा में फाइबर शामिल करें और ईसबगोल का भी सेवन करें। इसके अलावा हाजमा खराब होना, जिसे हम बदहजमी कहते हैं, की वजह से भी ज्यादा डकार आने की समस्या होती है। ऐसे में डकार आने के साथ पेट में दर्द भी हो सकता है।

डिप्रेशन का संकेत

तनाव कई समस्याओं का अकेला कारण होता है। तनाव या किसी बड़े भावनात्मक परिवर्तन का प्रभाव हमारे पेट पर भी पड़ता है। कई अध्ययनों में भी ये बात सामने आई है कि लगभग 65 प्रतिशत मामलों में मूड में त्वरित एवं बड़ा बदलाव या तनाव बढ़ना ज्यादा डकार आने का कारण बनता है।

गैस्ट्रोसोफेजिअल रिफ्लक्स डिजीज

कई बार गैस्ट्रोसोफेजिअल रिफ्लक्स डिजीज (जीइआरडी) या सीने में तेज जलन के कारण भी ज्यादा डकार आती हैं। इस बीमारी में आंतों में जलन होने लगती है और आहार नलिका (फूड पाइप) में एसिड बनने लगता है। इसमें बचाव के लिए खान-पान और जीवनशैली में कई सकारात्मक एवं स्वस्थ बदलाव करने की जरूरत होती है।

इरिटेबल बाउल सिंड्रोम या पेप्टिक अल्सर

इरिटेबल बाउल सिंड्रोम होने पर रोगी को कब्ज, पेट दर्द, मरोड़ एवं दस्त आदि हो सकते हैं। इसके साथ ही इस रोग का एक बड़ा लक्षण बहुत ज्यादा डकार आना भी होता है। दुर्भाग्यवश इरिटेबल बाउल सिंड्रोम का कोई पक्का इलाज अभी तक मौजूद नहीं है। इस समस्या के अलावा पेप्टिक अल्सर के कारण भी ज्यादा डकारे आ सकती हैं। दरअसल जब आपके पाचन तंत्र को पेट की गैस से और एच पायलोरी नामक बैक्टीरिया से क्षति पहुंचती है तो डकार आने लगती हैं।

बिना बीमार पड़े कैसे लें बारिश का मजा?

मानसून में स्वस्थ रहने के टिप्स

बारिश नहीं लाएगी बीमारी

बारिश में भीगना अच्छा लगता है, मगर कई बार बारिश का पानी आपको बीमार भी बना देता है। आमतौर पर बरसात के मौसम में बैक्टीरियल और वायरल बीमारियों का खतरा काफी बढ़ जाता है। पानी में भीगने पर अगर आप छोटी-छोटी गलतियां करें, तो बुखार, जुकाम और शरीर दर्द जैसी सामान्य समस्याओं का खतरा ज्यादा होता है। इस बारिश में अगर आप खुलकर बारिश का मजा लेना चाहते हैं, तो ये 8 मानसून हेल्थ टिप्स ध्यान में रखें।

पहली बरसात से बचें

हम अकसर पहली बारिश का लुत्फ उठाना चाहते हैं, लेकिन चिकित्सकों की मानें तो पहली बरसात स्वास्थ्य के लिहाज से सही नहीं होती। इससे न सिर्फ स्वास्थ्य खराब होने का खतरा बढ़ सकता है, बल्कि त्वचा संबंधी बीमारियां भी हो सकती हैं। रैशेज, मुंहासे जैसी समस्याओं का अक्सर पहली बरसात में भीगने से सामना करना पड़ता है। इसके पीछे एक वजह यह है कि बरसता की पहली फुहार प्रदूषित होती है, जिसका सीधा सीधा असर हमारी त्वचा पर पड़ता है।

ज्यादा देर तक भीगे कपड़े न पहनें

अब चूंकि आप बरसात में भीगने का आनंद उठा ही चुके हैं तो सावधानी के तौर पर जितना जल्दी हो सके भीगे कपड़े निकाल दें। कहने का मतलब यह है कि ज्यादा देर तक भीगे कपड़ों में न रहें। हम जितना अधिक भीगने से बीमार पड़ते हैं, उससे कही ज्यादा भीगे कपड़े में रहने के कारण स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से रूबरू होना पड़ता है। अतः ज्यादा देर तक भीगे कपड़ों में न रहें।

पैरों को अच्छी तरह धोएं

बरसात में सबसे ज्यादा हमारे पैरों की अंगुलियां प्रभावित होती हैं। यह बड़ी अटपटी बात है कि हम अक्सर नहाते हुए पूरे शरीर को साफ करते हैं; लेकिन पैरों की अनदेखी कर देते हैं। यह सही नहीं है। बेहतर यही है कि पैरों को अच्छी तरह धोएं। दरअसल बरसात में भीगने के कारण पैरों की अंगुलियां ठिठुर जाती हैं। यहां तक कि भीगने की वजह से सफेद तक पड़ जाती है। अगर सही से इनकी सफाई न की गई और सूखे कपड़े से इन्हें न पोछा गया तो इसमें फंगस जैसी बीमारी लगने की आशंका बढ़ सकती है।

भीगने के बाद गुनगुने पानी से नहाएं

निःसंदेह भीगते हुए मजा बहुत ज्यादा आता है, लेकिन भीगने के तुरंत बाद ठंड भी लगती है। इसलिए भीगने के बाद ठंडे पानी से नहाना समझदारी नहीं है। इससे आपके शरीर में ठंड बैठ सकती है, जिससे कि आपको बुखार, जुकाम, सिरदर्द, बदनदर्द जैसी बीमारियां हो सकती हैं। अतः बरसात की फुहार में भीगने के बाद गुनगुने पानी से नहाने का मजा उठाएं।

एंटीसेप्टिक साबुन का इस्तेमाल करें

शायद आपको ज्ञात हो कि बरसात के पानी में असंख्य किटाणु होते हैं। किटाणुओं से बचने के लिए यह जरूरी है कि आप एंटीसेप्टिक साबुन का उपयोग करें। अगर आप घर में एंटीसेप्टिक साबुन नहीं रखते तो नहाने के पानी में डेटोल का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। इससे आप किटाणुओं के संपर्क में आने से बच सकते हैं।

ड्रायर का उपयोग करें

यह बात खासकर महिलाओं पर लागू होती है। दरअसल उनके बाल लंबे होते हैं। बरसात में भीगने के बाद शरीर ठंड के कारण कंपकपाहट से भर जाता है। इसके बाद यदि जल्द से जल्द बाल न सुखाए गए तो शरीर में ठंड बैठ सकती है। छाती में दर्द या सिरदर्द भी हो सकता है। इसलिए बालों को जल्द से जल्द सुखाने का प्रबंध करें।

मॉइश्चराइजर इस्तेमाल करें

त्वचा संबंधी समस्याओं से बचने के लिए मोएस्चराइजर का इस्तेमाल लाभकारी सिद्ध होता है। जैसा कि पहले ही जिक्र किया जा चुका है कि बरसात के पानी में असंख्य किटाणु होते हैं। नहाने के बाद यदि मोएस्चराइजर का इस्तेमाल न किया जाए तो हो सकता है कि त्वचा रूखी हो जाए। इसके अलावा कुछ त्वचा संबंधी बीमारियां भी दस्तक दे सकती हैं। इनसे बचने के लिए मोएस्चराइजर बेहतर विकल्प है।

मसाला चाय का सेवन करें

बरसात में भीगने के बाद चाय की ललक भला किसे नही लगती? सबको लगती है, लेकिन साधारण चाय बरसात के दिनों में फायदा नहीं पहुंचाती। भीगने के तुरंत बाद आपको चाहिए कि मसाला चाय पिए। इससे सर्दी, जुकाम आने से पहले ही रफूचक्कर हो जाते हैं।

सुझाव

ज्यादा देर तक धूप में रहने से हो सकता है पिगमेंटेशन डिसऑर्डर

मैलेनिन एक पिगमेंट है जिसे त्वचा सेल्स द्वारा उत्पन्न किया जाता है और जो किसी व्यक्ति की नेचुरल त्वचा टोन के लिए जिम्मेदार होता है। जब किसी बीमारी या चोट आदि के कारण त्वचा सेल्स डैमेज या अस्वस्थ हो जाती हैं तो मैलेनिन का उत्पादन प्रभावित होता है। पिगमेंटेशन डिसऑर्डर्स में या मैलेनिन के अति उत्पादन (हाइपर पिगमेंटेशन) से त्वचा का रंग नार्मल त्वचा टोन से ज्यादा गाढ़ा हो जाता है या मैलेनिन का उत्पादन कम हो जाने (हाइपो पिगमेंटेशन) के कारण त्वचा का रंग हल्का पड़ जाता है। जहां कुछ पिगमेंटेशन डिसऑर्डर्स त्वचा की सतह पर पैचेज के रूप में नजर आते हैं वहीं दूसरे पूरे शरीर पर असर दिखा सकते हैं।

पिगमेंटेशन के लक्षण

त्वचा पिगमेंटेशन डिसऑर्डर्स के विभिन्न प्रकारों के कारण लक्षण भिन्न हो सकते हैं। रंजकहीनता (अल्बिनिज्म) को किसी व्यक्ति की आंखों, त्वचा और बालों के रंग की जांच करके पता किया जा सकता है। अल्बिनिज्म मैलेनिन की नमौजूदगी से होता है और यह जेनेटिक समस्या है इसलिए त्वचा और बालों का एक समान हल्का रंग पूरे शरीर पर दिखता है। जब त्वचा के रंग में बदलाव पैचेज के रूप में हो तो वह महत्वपूर्ण लक्षण हो सकता है।

पिगमेंटेशन के कारण

- धूप में ज्यादा देर तक रहने से यानी सन एक्सपोजर के कारण।
- औषधि प्रतिक्रिया होने की वजह से भी पिगमेंटेशन की समस्या हो सकती है।
- यह एक जेनेटिक बीमारी है, जो पारिवारिक भी हो सकती है।
- यह व्यक्ति की प्रतिरोधी क्षमता के कारण भी हो सकती है।
- शरीर में जब हार्मोनल बदलाव होते हैं, तब यह समस्या हो सकती है।
- यदि कहीं चोट लगती है तो उसके कारण भी यह हो सकता है।

जोखिम के कारण

त्वचा पिगमेंटेशन की आनुवंशिक प्रवृत्ति (जेनेटिक टैंडेंसी) या ऐसा पारिवारिक इतिहास भी इसका जोखिम बढ़ाता है। अब तक इस मामले में ज्ञात प्रमुख जोखिम कारणों में जेनेटिक यानी आनवंशिक प्रवृत्ति को प्रमुख माना गया है। यदि आपके परिवार में पहले से किसी को यह समस्या है तो यह आपको भी हो सकती है।

इसका उपचार

- त्वचा पिगमेंटेशन डिसऑर्डर्स का निदान करने के लिए किसी व्यक्ति के विजुअल एग्जामिनेशन के अलावा कई बार वुड्स लैंप या ब्लैक लाइट टेस्ट (डर्मेटोलॉजिकल डायग्नोस्टिक टूल) का उपयोग किया जा सकता है ताकि पिगमेंटेशन से कुछ विशेष त्वचा कंडीशन्स का डायग्नोज किया जा सके।
- त्वचा कैंसर की जांच के लिए बायोप्सी की जाती है, जिसमें प्रभावित त्वचा के एक छोटे टुकड़े का अध्ययन माइक्रोस्कोप से किया जाता है।
- त्वचा पिगमेंटेशन डिसऑर्डर्स से प्रभावित सभी लोगों को यह सलाह है कि वे धूप में ओवर एक्सपोजर से खुद को बचाने के लिए अच्छी तरह ढंकने वाले कपड़े पहनें, सनस्क्रीन का उपयोग करें और धूप तीखी होने के दौरान बाहर जाने से बचें।
- त्वचा लाइटनिंग या त्वचा ब्लीचिंग एजेंट्स त्वचा का रंग हल्का करने में मदद कर सकते हैं (हाइपर पिगमेंटेशन डिसऑर्डर्स) हाइड्रोक्विनोन या ट्रेटिनायन युक्त लगाने की क्रीमें और लगाने की स्टेरॉयड क्रीमें कुछ प्रकार के हाइपर पिगमेंटेशन का असर घटाने में सहायक हो सकती हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

मितव्ययता रखें क्योंकि रुपये-पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। शुभांक-4-5-7

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

निकटस्थ व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-3-5-7

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। मेहमानों का आगमन होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-5-7-9

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। यात्रा का योग बन रहा है। शुभांक-2-6-7

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

विवादों व मुकदमे बाजी से राहत मिलेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-6-8

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेंगे। भावनाओं में न बहें, सावधान रहें। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंग। समाज में मान-सम्मान बढेगा। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक-3-5-7

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विशेष होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग है। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। हरि करे सो खरी अत: हानि का कोई भय नहीं, यथावत कार्य जारी रखें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। मातृ पक्ष से विशेष लाभ। शुभांक-2-4-7

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। शुभांक-3-5-8

मकर मे ना जी खी खू खे खो णा गी

स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। शुभांक-3-6-9

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। किसी से निकटता प्रेम-प्रसंग में बदलेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-3-5-7

मीन दी दू थ झ ञ ज दे दो चा ची

अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-5-8-9

काकुरो पहेली - 2577

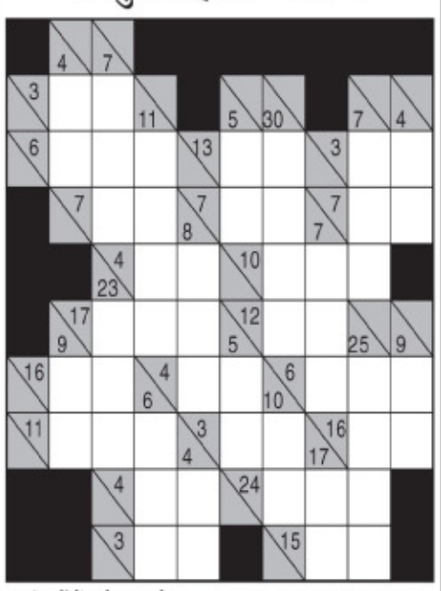

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए,किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

काकुरो - 2576 का हल

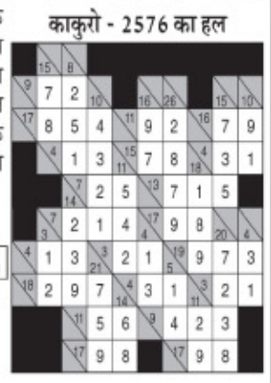

लॉफिंग ज़ोन

राकेश (सुनील से)- यार, तुम्हारी बीवी को जब गुस्सा आता था तो वह काटना शुरूकर देती थी. अब काटती है या नहीं?

सुनील (राकेश)- नहीं.

राकेश (सुनील)- क्यों क्या उसे अब गुस्सा नहीं आता?

सुनील (राकेश)- ऐसी बात नहीं है. गुस्सा तो आता है, पर अब दांत नहीं रहे.

☺ ☺ ☺

भाषणकर्ता - धीरज रखना बहुत बड़ा गुण है. इससे बडे-बडे काम हो सकते हैं.....

एक श्रोता - इससे छलनी में पानी नहीं भरा जा सकता.

भाषणकर्ता - क्यों नही भरा जा सकता? सिर्फ पानी के जम जाने तक हमें धीरज रखना होगा.

☺ ☺ ☺

एक नाई बहुत तेज धार वाले उस्तरे से शेव कर रहा था. उसने ग्राहक से पूछा- आप कितने भाई है?

ग्राहक - तुम्हारे उस्तरे से बच गये तो चार होंगे, वरना तीन ही समझो!

☺ ☺ ☺

मालिक (नए चपरासी से)- तुम्हें मैनेजर ने काम समझा दिया है न?

चपरासी (मालिक से)- जी हां, उन्होंने समझा दिया है कि जब आप दफ्तर में आएं तब मैं उन्हें जगा दिया करुं.

फिल्म वर्ग पहेली- 2577

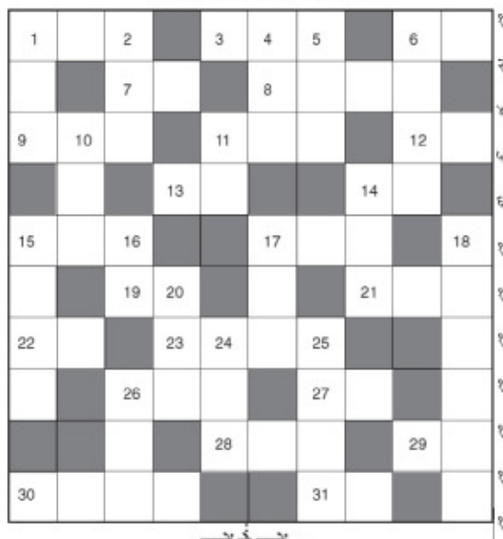

बायें से दायें:-

१. जॉय मुखर्जी, नंदा की 'मुझे इश्क है तुम्हीं से' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मेरे टूटे हुए दिल से कोई तो' गीत वाली राजकपूर, नूतन की फिल्म-३
६. आमिर, फैजल, ट्विंकल की 'तुझे रब ने बनाया है' गीत वाली फिल्म-२
७. अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-२
८. 'तसवीर बनाता हूँ' गीतवाली फिल्म-४
९. 'जब लिया हाथ' गीत वाली राजेंद्र कुमार, गीता बाली की फिल्म-३
११. राजकुमार, प्रिया की 'ये पर्वतों के दायरे ये शाम' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'दिल में जिगर में' गीत वाली संजय, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
१३. विकास भल्ला, सुमीत, की 'कोई दिल ना किसी' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'काहे कोयल शोर मचाये' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
१५. विश्वजीत, माला सिन्हा की फिल्म-३
१७. राजकुमार, मीना की 'चलते चलते यूंही कोई मिल' गीत वाली फिल्म-३
१९. जैकी श्रॉफ, रति की फिल्म-२
२१. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'ये प्यार यार क्या' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'ना सतरा से ऊपर ना' गीत वाली नवीन निश्चल, रेखा की फिल्म-२
२३. 'दुष्टे का पल्लू' गीतवाली फिल्म-४
२६. फिल्म 'दोस्ताना' में अमिताभ की नायिका ?-३
२७. अभिषेक, अंतरा माली की 'इश्क दा तड़का' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'मेरे दिल में रहो या जिगर' गीत वाली अश्मित, मीरा की फिल्म-३
२९. गुरूदत, वहीदा रहमान की 'जाने क्या तूने कही' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'देर है अंधेर नही' गीत वाली शत्रुघ्न, राजकपूर, योगिता की फिल्म-२,२
३१. फिल्म 'सलाखें' में नायक ?-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'मन क्यों बहका रे' गीत वाली शशि शेखर सुमन, रेखा, नीना की फिल्म-३
२. मिथुन, जुगल, सोनाली की 'तेरी चाहत में दिल' गीत वाली फिल्म-१,२
४. 'सोली हवा छू गई सीला' गीत वाली नसीर, शबाना आजमी की फिल्म-३
५. अमिताभ, अमजद खान, नीतू की 'छूकर मेरे मन' गीत वाली फिल्म-३
६. 'बोल बेबी बोल रॉक' गीत वाली अनिल कपूर, मीनाक्षी की फिल्म-२,२
१०. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'राजा ना जा ना जा' गीत वाली फिल्म-३
११. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली अर्जुन रामपाल, जायेद, अमीषा की फिल्म-२
१४. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'मैं लैला का मजनूं' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'कौरा कागज था मन' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१६. संजय कपूर, माधुरी की 'फूल मांगू ना बहार माँगू' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'दिले बेताब को सीने से' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वहीदा की फिल्म-३
१८. अमिताभ, अक्षय, जॉन, रिमी की 'फलक देखूं' गीत वाली फिल्म-३,३
२०. फिल्म 'देवी' में नायिका कौन थी-३
२४. 'आँखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
२५. नसीर, अष्मित, उर्मिला की फिल्म-४
२६. 'शहर शहर डगर डगर' गीत वाली जैकी, संजय, सोनम की फिल्म-२,१

फिल्म वर्ग पहेली- 2576

सूडोकु -2577

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2576 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

शब्द पहेली - 2577

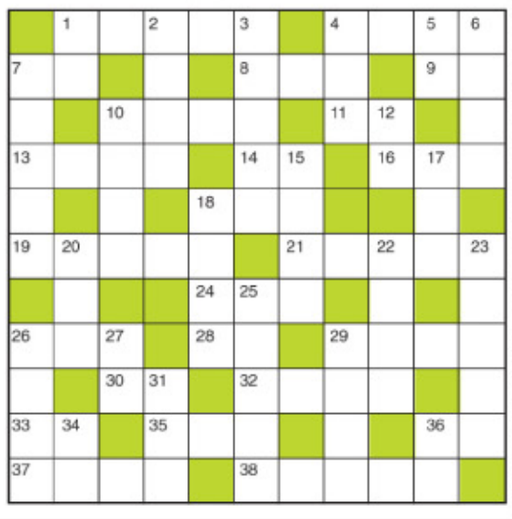

बाएँ से दाएँ
1.जायकेदार,लजीज-5
4.नट का खेल-4
7.राय,वोट-2
8.दुरुह,कठिन-3
9.प्रहार,घात-2
10.अचरज भरा कार्य-4
11.शराब,मद्य-2
13.साझेदार-4
14.क्षण,लम्हा-2
16.सहयोग-3
18.अड़िग-3
19.कैद, बंधक-3,2
21.चुगली करना-2,3
24.धावक (अंग्रेजी-3)
26.अग्नि, आग-3
28.टैक्स, हाथ-2
29.एक मुगल सम्राट-4
30.टकटकी-2
32.कैची से काटना-4
33.आत्मा-2
35.सीरा,मिष्ठान-3
36.आगमन-2
37.जोरदार-4
38.तेज दौडना-5

ऊपर से नीचे
1.बुरी आदत-2
2.झगड़ा,रार-4
3.फिल्मी दुनिया-3,2
4.लेखनी,पेन-3
5.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
6.वटवृक्ष-4
7.मन को भाने वाला-5
10.बुरा आचरण-4
12.यमराज-2
15.चुनौती-4
17.विदरण,एकता भंग-3
18.आर्द्रक-4
20.भूमि,धरती-3
22.आवेश में आना-4
23.नामकरण-2,3
25.नरक में रहना-5
26.जामफल-4
27.बेल,लतिका-2
29.प्रार्थना,ईश्वर वंदना-4
31.जलजला-3
34.मैं का बहुवचन-2
36.रुपये का सोलहवां भाग-2

शब्द पहेली -2576 का हल

'राइजिंग राजस्थान' से खुलेगा विकसित राजस्थान का द्वार, प्रदेश के कई क्षेत्रों में निवेश को मिलेगी गति : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

एजेंसी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान में निवेश की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। 9 से 11 दिसंबर को आयोजित हो रही 'राइजिंग राजस्थान' समिट प्रदेश में निवेश के नए द्वार खोलेगी। उन्होंने कहा कि समिट के माध्यम से निवेशकों को ना केवल प्रदेश की औद्योगिक विकास क्षमता से रूबरू होने का अवसर मिलेगा अपितु वे विकसित राजस्थान की यात्रा में मजबूत साझेदार बन सकेंगे। शर्मा मुख्यमंत्री कार्यालय में 'राइजिंग राजस्थान' समिट की तैयारियों के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने निर्देश दिए कि समिट में निवेश के लिए भाग लेने वाले प्रतिभागी देशों के अनुरूप सभी आवश्यक तैयारियां समय से पूरी कर ली जाए। रोड-शो एवं अन्य निवेश संबंधी गतिविधियों के संदर्भ में सामंजस्य स्थापित करने के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त भी किया जाए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में औद्योगिक निवेश का बेहतर माहौल सुनिश्चित करने के लिए हर संभव पहल कर रही है और इसी क्रम में यह समिट प्रदेश के विकास के साथ रोजगार के भरपूर अवसर सृजित करेगी।

राजस्थान हाईकोर्ट ने बलात्कार के दोषी आसाराम की पैरोल पांच दिन बढ़ाई

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय ने बलात्कार के एक मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद जोधपुर सेंट्रल जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहे स्वयंभू संत आसाराम बापू के पैरोल की अवधि को पांच दिन के लिए बढ़ा दी, ताकि वह पुणे के बाहरी इलाके खोपोली क्षेत्र में स्थित माधवबाग आयुर्वेद अस्पताल में उपचार करा सकें। 13 अगस्त को आसाराम को हाईकोर्ट ने सात दिन की पैरोल दी थी। इसके बाद वह पुणे के लिए रवाना हो गए। उनकी पैरोल अवधि की गिनती उनके हृदय रोग के उपचार के समय से की जा रही है। सूत्रों ने बताया कि खोपाली में कड़ी सुरक्षा के बीच आसाराम को प्राइवेट वार्ड में भर्ती कराया गया है। स्वयंभू संत को पैरोल देते हुए हाईकोर्ट ने निर्देश दिया था कि उपचार के दौरान आसाराम किसी से नहीं मिल पाएंगे। साथ ही, अदालत ने कहा कि वह उपचार और यात्रा पर होने वाले पूरे खर्च को वहन करेंगे। नाबालिग लड़की से बलात्कार के आरोप में 2018 में ट्रायल कोर्ट द्वारा यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम और अन्य अपराधों के तहत दोषी ठहराए जाने के बाद आसाराम, जोधपुर जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहे हैं।

नगर वन पर्यावरण संरक्षण एवं प्राकृतिक सौन्दर्य में अहम कडी होगा साबित : केंद्रीय मंत्री यादव

जयपुर। अलवर जिला स्थित कटी घाटी स्थित 1.10 करोड की लागत से निर्मित नगर वन का केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव ने फीता काटकर लोकार्पण किया एवं कटी घाटी स्थित गौरव पथ पर करीब 85 लाख रूपये की लागत राशि से बनाए जाने वाले खाटू श्याम जी स्वागत द्वारा का शिलान्यास किया। इस दौरान राज्य के वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री संजय शर्मा भी मौजूद रहे। केंद्रीय मंत्री यादव ने आमजन को कहा कि भारत सरकार के कैम्पा फण्ड के तहत यह नगर वन विकसित किया गया है। शहर के बीचों-बीच विकसित किया गया नगर वन का बायोडायवर्सिटी पार्क से जुडाव होने के कारण पर्यटकों एवं शहरवासियों क लिए रमणीय स्थान साबित होगा। पर्यावरण संरक्षण को बढावा देने हेतु इको ट्यूरिज्म की दिशा में कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस नगर वन में पक्षी घर बनाया गया है जो विभिन्न प्रजातियों के पक्षियों के लिए शरण स्थली होगा, दो किमी इको ट्रेल बनाया गया है जिससे आमजन को मॉर्निंग वाक आदि में सहूलियत होगी, पौधों को पानी की आपूर्ति हेतु दो पानी की टंकियां बनाई गई है । दो व्यू पॉइंट बनाए गए हैं जिससे यहां आने वाले पर्यटक पूरे रमणीय स्थल का प्राकृतिक सौन्दर्य नजारा देख सकेंगे। सम्पूर्ण नगर वन क्षेत्र में 3500 पौधे लगाए गए हैं जो यहां के प्राकृतिक सौन्दर्य में निखार लाने का कार्य कर रहे हैं। इसके साथ ही यहां ईको-हट, सेल्फी पॉइंट, वाटर होल, फोरेस्ट गार्ड चौकी, सौलर पैनल, सौर कनेक्शन के साथ एक बोरवेल, नगर वन की सुरक्षा हेतु 6 फीट की पक्की दीवार बनाई गई है।

सपा के डीएनए में अराजकता और गुंडागर्दी : सीएम योगी आदित्यनाथ

मैनपुरी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी पर हमला करते हुए कहा कि अराजकता और गुंडागर्दी इनके डीएनए में है। इनका मॉडल विकास का नहीं है, ये लोग विकास के कार्यों में लूट मचाने वाले हैं। मुख्यमंत्री योगी मैनपुरी के करहल विधानसभा क्षेत्र में 375 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने समाजवादी पार्टी (सपा) पर जमकर जुबानी हमले किए। उन्होंने कहा कि मैं पूछना चाहता हूं कि मैनपुरी जो कभी वीवीआईपी जनपद माना जाता था, फिर भी विकास में क्यों पिछड़ गया। मैनपुरी तो मयन, मार्कण्डेय, च्यवन जैसे हमारे महान ऋषियों की धरती रही है। यहां की धरती का संबंध स्वाधीनता संग्राम से जुड़े नायकों स्वतंत्रता सेनानियों से है। फिर भी मैनपुरी के सामने पहचान का संकट खड़ा करने वाले कौन लोग हैं? ये वही लोग हैं, जिन लोगों ने आपके सामने पहचान का संकट तो खड़ा किया ही, प्रदेश के सामने भी अस्तित्व का संकट खड़ा किया।

बंगाल के स्वास्थ्य विभाग ने आरजी कर के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष को किया निलंबित

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने अंततः कोलकाता के आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के विवादास्पद पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष को निलंबित कर दिया। संस्थान में 9 अगस्त को एक जूनियर रेजिडेंट डॉक्टर के साथ बलात्कार के बाद उसकी हत्या कर दी गई थी। उस समय घोष संस्थान के प्रभारी थे।

स्वास्थ्य विभाग ने मंगलवार देर शाम जारी एक आधिकारिक आदेश में घोष के निलंबन की घोषणा की। हालांकि, इस आदेश पर स्वास्थ्य सचिव एन.एस. निगम की बजाय विभाग में विशेष कार्य अधिकारी के हस्ताक्षर हैं। आदेश में कहा गया है, ÷कोलकाता के आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के पूर्व प्राचार्य संदीप घोष के खिलाफ चल रही आपराधिक जांच के मद्देनजर, घोष को पश्चिम बंगाल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम, 1971 के नियम 7(1सी) के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है।÷ हालांकि, चिकित्सा बिरादरी के प्रतिनिधियों ने राज्य सरकार की देर से की गई कार्रवाई पर सवाल उठाया है। राज्य की तृणमूल कांग्रेस सरकार की घोष को बचाने के लिए पहले से ही

आलोचना हो रही है। घोष को 16 दिनों की पूछताछ के बाद सोमवार शाम केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने गिरफ्तार कर लिया। एक अदालत ने उन्हें आठ दिन की सीबीआई हिरासत में भेज दिया। घोष के खिलाफ सीबीआई दो समानांतर जांच कर रही है। एक महिला डॉक्टर के बलात्कार और हत्या का मामला है जबकि दूसरा मामला उनके कार्यकाल के दौरान आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में वित्तीय अनियमितताओं से जुड़ा है। उन्हें इसी दूसरे मामले में गिरफ्तार किया गया है। संस्थान में महिला डॉक्टर के शव की बरामदगी के कुछ दिन बाद घोष ने आर.जी. कर के प्रिंसिपल पद के साथ-साथ राज्य चिकित्सा सेवाओं से भी इस्तीफा देने की घोषणा की। हालांकि, उसी दिन उनके इस्तीफे को स्वीकार करने की बजाय, स्वास्थ्य विभाग ने एक अधिसूचना जारी कर घोष को कलकत्ता नेशनल मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल (सीएनएमसीएच) का प्रिंसिपल नियुक्त करने की घोषणा की, जिसकी हर तरफ से आलोचना हुई। इस कदम के बाद घोष और राज्य सरकार दोनों के खिलाफ विरोध-प्रदर्शनों की बाढ़ आ गई। राज्य सरकार पर घोष को बचाने का आरोप लगाया गया। हालांकि, घोष सीएनएमसीएच के प्रिंसिपल का पदभार नहीं संभाल सके, क्योंकि कलकत्ता उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने आर.जी. कर घटना की सीबीआई जांच का आदेश देते हुए, अगले आदेश तक उन्हें राज्य के किसी भी मेडिकल कॉलेज का प्रिंसिपल नियुक्त करने पर भी रोक लगा दी।

घोष की मुश्किलें तब और बढ़ गईं जब आर.जी. कर के पूर्व उपाधीक्षक अख्तर अली ने कलकत्ता उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और अस्पताल में वित्तीय 'अनियमितताओं' की केंद्रीय एजेंसी से जांच कराने की मांग की। अपनी याचिका में अली ने बताया कि वित्तीय अनियमितताओं को उजागर करने के लिए व्हिसल ब्लोअर के रूप में राज्य सरकार के विभिन्न विभागों में की गई उनकी पिछली अपीलों को प्रशासनिक मशीनरी ने कैसे नजरअंदाज कर दिया। अली की याचिका पर कार्रवाई करते हुए उच्च न्यायालय ने सीबीआई को बलात्कार और हत्या के मामले के साथ-साथ वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों की समानांतर जांच करने का निर्देश दिया।

नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव की हुई मुलाकात, बिहार का सियासी तापमान बढ़ा

एजेंसी

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और विपक्ष के नेता तथा पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के बीच लंबे समय के बाद हुई मुलाकात को लेकर प्रदेश का सियासी तापमान बढ़ गया है।

दरअसल, मुख्यमंत्री मुख्य सचिवालय पहुंचे थे। कुछ देर के बाद राजद नेता तेजस्वी यादव भी वहां पहुंचे। इसके बाद बिहार की राजनीति में तरह-तरह की चर्चा होने लगी। हालांकि, यह मुलाकात काफी लंबे समय तक नहीं चली, फिर भी प्रदेश की सियासत गर्म हो गई। कई तरह के कयास लगाए जाने लगे। सूत्रों का कहना है कि सूचना आयुक्त की नियुक्ति होनी है, जिसमें विपक्ष के नेता की भी सहमति ली जाती है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात के बाद तेजस्वी यादव जब बाहर निकले तो उन्होंने खुद ही स्थिति सामने रख दी। उन्होंने पत्रकारों को बताया कि कुछ नियुक्तियां होनी है, जिस पर चर्चा हुई है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि सरकार इसकी विधिवत जानकारी देगी। बिहार में बढ़े आरक्षण की सीमा को नौवीं अनुसूची में शामिल कराने के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि सीएम से बात हुई है। मामला कोर्ट में है। हमने भी कहा कि हम भी कोर्ट पहुंच गए हैं। आप अपनी बात को कोर्ट में रखिए, हम भी अच्छे से अपनी बात रखेंगे। उल्लेखनीय है कि जातीय जनगणना और आरक्षण को लेकर बिहार की राजनीति गर्म है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच इसे लेकर जमकर आरोप-प्रत्यारोप जारी है।

वसुंधराराजे ने फिर कसा तंज : कई लोगों को पीतल की लौंग क्या मिल जाती है, वह खुद को सराफ समझ बैठते हैं

एजेंसी

जयपुर। पिछले कुछ दिन से अपने सियासी बयानों को लेकर चर्चा में रहने वाली पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधराराजे ने फिर सियासी तंज कसा है। सिक्किम के राज्यपाल ओम माथुर के अभिनंदन समारोह में पहुंची राजे ने कहा कि ओम माथुर चाहे कितनी ही बुलंदियों पर पहुँचे। इनके पैर सदा ज़मीन पर रहे हैं। इसीलिए इनके चाहने वाले भी असंख्य हैं। वरना कई लोगों को पीतल की लौंग क्या मिल जाती है, वह अपने आप को सराफ समझ बैठते हैं। राजनीतिक हलकों में इसके सियासी मायने निकाले जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि राजे का इशारा मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की ओर है। उन्होंने कहा माथुर से ऐसे लोगों को सीख लेना चाहिए कि चाहत बेशक आसमां छूने की रखो, पर पाँव हमेशा ज़मीं पर रखो। राजे ने उन्हें सिक्किम का गवर्नर बनाने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी का आभार भी व्यक्त किया। राजे ने कहा कि पीएम के करीबी माथुर ऊपर से गरम, भीतर से नरम हैं। जिन्होंने छत्तीसगढ़ में कमल खिलाकर असंभव को संभव किया। राजे ने कहा कि विपक्षी

कुछ भी कहें गवर्नर Rubber Stamp नहीं Iron fist in a velvet glove होता है। फिर जैसा घुड़सवार होगा घोड़ा वैसे ही दौड़ेगा। माथुर कुशल घुड़सवार हैं। जिन्हें लगाम खींचना और चाबुक चलाना अच्छे से आता है। सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा है कि राज्यपाल किसी भी विधेयक को रोक सकता है। वह मंत्री परिषद की सलाह से काम तो करता हैं, लेकिन अनुच्छेद 166(2) के अनुसार उसका निर्णय ही अंतिम है।

उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 356 में राज्यपाल की सिफ़ारिश पर किसी भी बहुमत की सरकार को हटा कर उस प्रदेश में सरकार के सारे अधिकार राज्यपाल को मिल जाते हैं। इसलिए राज्यपाल शक्ति रहित नहीं, शक्ति सहित होता है। संविधान बनाते वक्त यह तय हुआ कि देश में जैसे राष्ट्रपति हैं, वैसे ही राज?य को गवर्नर करने के लिए गवर्नर होंगे। इसलिए राज्य में गवर्नर ही सबसे शक्तिशाली होता है।

आर्थिक संकट से जूझ रहा हिमाचल प्रदेश : जयराम ठाकुर

एजेंसी

शिमला । हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने सुक्खू सरकार पर हमला बोला। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि केंद्र से प्रदेश को हर संभव सहायता मिल रही है, लेकिन ऐसा पहली बार हुआ है कि हिमाचल प्रदेश आर्थिक संकट से जूझ रहा है।

जयराम ठाकुर ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, हिमाचल प्रदेश में पहली बार ऐसी स्थिति आई है कि सितंबर की तीन तारीख बीत जाने के बाद भी कर्मचारियों को वेतन नहीं मिला है।

हिमाचल प्रदेश आर्थिक संकट से जूझ रहा है। लेकिन, राज्य के मुख्यमंत्री कभी कहते हैं कि यहां संकट है और कभी इससे इनकार कर देते हैं।÷उन्होंने मुख्यमंत्री के बयान पर सवाल उठाते हुए कहा, ÷सीएम दावा करते हैं कि 2027 तक हिमाचल पूरे देश में सबसे समृद्ध राज्य बनेगा। प्रदेश की आर्थिक स्थिति पर मुख्यमंत्री के बयानों में विरोधाभास है। आर्थिक नजरिए से देखें तो हिमाचल प्रदेश दिवालिया होने की कगार पर पहुंच गया है। राज्य में विकास कार्य ठप पड़े हैं। हमने इस मुद्दे पर विधानसभा में चर्चा की भी मांग की है, इस पर विधानसभा अध्यक्ष और मुख्यमंत्री की ओर से

चर्चा का आश्वासन भी दिया गया है।

जयराम ठाकुर ने कहा, केंद्र से प्रदेश को हर संभव सहायता मिल रही है। केंद्र से मदद नहीं मिलने के आरोप निराधार हैं, प्रदेश की वित्तीय स्थिति को सुधारना वर्तमान सरकार की जिम्मेदारी है। केंद्र सरकार ने राज्य को भेजी जानी वाली मदद को कभी नहीं रोका है। प्रदेश में अगर कांग्रेस की सरकार है, तो सारे कामों को निपटाना भी उन्हीं की जिम्मेदारी है। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी निशाना साधते हुए कहा, राहुल गांधी की खटाखट योजनाओं की पोल खुल रही है। खटाखट योजनाओं के कारण प्रदेश की वित्तीय हालत खराब है। ये सरकार कर्मचारी हितेषी होने की बात करती है, लेकिन कर्मचारियों को समय पर सैलरी नहीं दे पा रही है। उन्होंने शिमला में बनी अवैध मस्जिद का जिक्र करते हुए कहा, ÷अवैध मस्जिद को वहां से हटाना चाहिए। अवैध रुप से मस्जिद का निर्माण कर स्थानीय लोगों में झगड़ा करना दुर्भाग्यपूर्ण है।

जम्मू के सैन्य शिविर में शहीद हुए सैनिक कुलदीप सिंह के गांव में गम का माहौल

तरनतारन। जम्मू में ड्यूटी के दौरान एक सैनिक कुलदीप सिंह गोली लगने से शहीद हो गई। इस सूचना के बाद से शहीद सैनिक के घर में मातम छाया हुआ है। जम्मू में तैनात कुलदीप सिंह पंजाब के तरनतारन जिले के गांव बुर्ज 169 के रहने वाले हैं। ड्यूटी के दौरान गोली लगने से उनकी मौत हो गई। बेटे के शहीद होने की सूचना पर उनके घर में गम का माहौल है। जवान के शहीद होने से उनके गांव बुर्ज 169 में मातम छाया है। कुलदीप सिंह के घर पर गांववालों का जमावड़ा लगा हुआ है। शहीद के परिवार वाले पंजाब सरकार से आर्थिक सहायता और परिवार के किसी एक सदस्य को नौकरी देने की मांग कर रहे हैं। शहीद कुलदीप सिंह के माता-पिता ने बताया कि उनके पांच बच्चे हैं। 10 से 15 दिन पहले ही कुलदीप छुट्टी से वापस ड्यूटी पर गया था। उन्होंने कुलदीप की पत्नी और दो बच्चों के बारे में बताया, जो जम्मू में कुलदीप के साथ रह रहे थे। कुलदीप के माता-पिता ने बताया कि फोन के जरिए बेटे के शहीद होने की जानकारी प्राप्त हुई है। बेटे को आर्मी में गए करीब 7-8 साल हो गए हैं।

केंद्रीय मंत्री डॉ. मुरुगन ने उपराष्ट्रपति से डीयू में तमिल भाषा विभाग स्थापित करने का किया अनुरोध

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण तथा संसदीय कार्य राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने शास्त्रीय तमिल भाषा के विकास और संवर्धन पर चर्चा करने के लिए उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मुलाकात की। इस दौरान डॉ. मुरुगन ने

दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में तमिल भाषा और साहित्य को समर्पित एक नया विभाग और शोध केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने तमिल भाषा और साहित्य के शिक्षण को सुविधाजनक बनाने के लिए विभिन्न कॉलेजों और विभागों में नए पदों के सृजन की भी सिफारिश की, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि इस प्राचीन भाषा का अध्ययन देश भर के छात्र कर सकें। मंत्री के साथ दिल्ली तमिल संगम के सदस्य श्री इरा मुकुंदन, श्री एस. अरुणाचलम और श्री मुथुस्वामी भी थे।

सिक्किम के राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर का नागरिक अभिनन्दन, विभिन्न सामाजिक संगठनों ने किया स्वागत

एजेंसी

जयपुर। सिक्किम के नवनियुक्त राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर का जयपुर के बिड़ला सभागार में नागरिक अभिनन्दन किया गया। राज्यपाल नियुक्त होने के बाद पहली बार जयपुर आए माथुर का विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा स्वागत और सम्मान किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की भी गरिमामयी उपस्थिति रही।

इस अवसर पर ओमप्रकाश माथुर ने राज्यपाल के पद की जिम्मेदारी संभालने के बाद के अपने कार्यानुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि राज्यपाल का पद संवैधानिक पद होने के साथ ही जनता की सेवा करने

का भी महत्वपूर्ण माध्यम होता है। माथुर ने कहा कि सैनिकों के साथ ही देश के नागरिक भी अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर राष्ट्र सेवा में योगदान दे सकते हैं।मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने उद्बोधन में ओमप्रकाश माथुर के साथ बिताए यादगार पलों की स्मृतियां साझा करते हुए उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सिक्किम के राज्यपाल के रूप में माथुर अपने संवैधानिक दायित्वों का बखूबी निर्वहन करते हुए जनसेवा के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी व डॉ. प्रेमचन्द बैरवा, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ व घनश्याम तिवाड़ी, लोकसभा सांसद मंजू शर्मा एवं राव राजेन्द्र सिंह सहित राज्य मंत्री परिषद् के सदस्य, विधायकगण, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

शरद पवार ने भाजपा को दिया बड़ा झटका, समरजीत सिंह घाटगे ने एनसीपी (सपा) का थामा दामन

एजेंसी

कोल्हापुर। भाजपा को झटका देते हुए कोल्हापुर राजघराने के वंशज समरजीत सिंह घाटगे शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए।

उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के पूर्व करीबी घाटगे को आगामी राज्य चुनावों में कागल विधानसभा सीट से टिकट मिलने की संभावना है। कागल का प्रतिनिधित्व वर्तमान में शरद पवार के पूर्व वफादार हसन मुश्रीफ कर रहे हैं, जो जुलाई 2023 में उपमुख्यमंत्री अजि?त पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए। इस सियासी घटनाक्रम का स्वागत करते हुए, एनसीपी (सपा) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने घाटगे को 'हीरा' बताया और कहा कि हम इसकी कीमत जानते हैं। वहीं घाटगे ने अपने समर्थकों को शरद पवार के

नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में शामिल होने की अपील की है।

घाटगे के पिता स्वर्गीय विक्रमसिंह घाटगे कागल से दो बार विधायक रहे हैं। छत्रपति शाहू महाराज के शाही वंशजों का स्थानीय लोगों में बहुत प्रभाव है। शरद पवार नाशते के लिए घाटगे के घर गए और घाटगे तथा उनके चाचा श्रीमंत राजे प्रवीण सिंह घाटगे से बातचीत की। घाटगे ने कहा, हमने बैठक के दौरान विभिन्न चीजों पर चर्चा की। हमने पवार साहब के मार्गदर्शन में काम करने का फैसला किया है। वह राजनीति में हमारे नए गुरु हैं।2019 में, घाटगे ने कागल सीट पर निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ा था, लेकिन मुश्रीफ से हार गए थे। वहीं 2024 में यह विधानसभा क्षेत्र शरद पवार के कोटे में जाने की उम्मीद है, इसलिए उन्होंने भाजपा छोड़कर एनसीपी (सपा) में शामिल होने का फैसला किया है। पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट घाटगे छत्रपति शाहू सहकारी चीनी कारखाना और छत्रपति शाहू दूध एवं कृषि उत्पाद कंपनी के अध्यक्ष हैं। इसके अलावा वे कोल्हापुर में कई संस्थानों के प्रमुख भी हैं घाटगे परिवार के प्रमुख सदस्यों में बॉलीवुड की हस्तियां, विजयेंद्र घाटगे (फिल्म चितचोर) और राष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी और अभिनेत्री सागरिका घाटगे-खान (चक दे इंडिया फेम) शामिल हैं। शरद पवार इन दिनों कोल्हापुर के तीन दिवसीय दौरे पर हैं, जहां उन्होंने घाटगे परिवार और कई अन्य स्थानीय नेताओं, कार्यकर्ताओं के अलावा विपक्षी महाविकास अघाड़ी गठबंधन के स्थानीय नेताओं से मुलाकात कर रहे हैं।

मप्र के हर विकासखंड का एक गांव बनेगा वृंदावन, निकायों में खुलेंगे गीता भवन, कैबिनेट ने दी मंजूरी

एजेंसी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार शाम को मंत्रालय में मंत्रि-परिषद की बैठक हुई, जिसमें प्रदेश के हित में कई अहम निर्णय लिए गए। मंत्रि-परिषद द्वारा राज्य के हर विकास खंड में वृंदावन ग्राम और शहरी इलाकों में गीता भवन खोलने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की। इसके अलावा मंत्रि-परिषद ने चार हजार करोड़ रुपये से अधिक राशि की दाबयुक्त सूक्ष्म सिंचाई परियोजना की प्रशासकीय स्वीकृति दी है।

उप मुख्यमंत्री राजेंद्र कुमार शुक्ल ने बैठक के बाद जानकारी देते हुए बताया कि वृंदावन ग्राम योजना में हर विकासखंड से एक ग्राम का चयन किया जाएगा। जिसमें दूध उत्पादन के साथ उद्यानिकी और औषधीय खेती को बढ़ावा देंगे। गोबर आधारित गतिविधियों को प्रोत्साहित करना, गौशाला बनाना, सभी आवासों को सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने, सामुदायिक शौचालय की व्यवस्था, खेल मैदान, लघु वनोपज के संग्रहण को बढ़ावा देने का काम किया जाएगा। पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग विस्तृत निर्देश जारी करेगा। एक गांव का काम पूरा होने के बाद दूसरे गांवों में ऐसी ही व्यवस्था शुरू की जाएगी।

शुक्ल ने बताया कि गीता भवन सभी नगरीय निकायों में खोले जाएंगे। वैचारिक अध्ययन केंद्र के रूप में काम करेंगे और पठन पाठन की सामग्री देने का काम होगा। धार्मिक कार्यक्रमों के लिए इसे दिया जाएगा। नगरीय आवास और विकास विभाग इसके निर्देश जारी करेगा।

उन्होंने बताया कि मंत्रि-परिषद द्वारा नीमच जिले की जावद-नीमच दाबयुक्त सूक्ष्म सिंचाई परियोजना लागत राशि 4 हजार 197 करोड़ 58 लाख रुपये, सैंच्य क्षेत्र एक लाख 8 हजार 600 हेक्टेयर की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई। स्वीकृत परियोजना से नीमच जिले की नीमच तहसील के 253 गाँव की 59700 हेक्टेयर एवं जावद तहसील के 212 गाँवों की 48900 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। मंत्रि-परिषद ने विद्युत एवं नवीकरणीय उर्जा के उपकरणों के विनिर्माण क्षेत्र, औद्योगिक क्षेत्र मोहासा-बाबई जिला नर्मदापुरम में पॉवर एवं रिन्युबल एनर्जी इक्यूपमेंट मेन्युफेक्चरिंग जोन की स्थापना एवं संचालन के लिए औद्यानिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग के अधीनस्थ संस्था एमपी इंडस्ट्रीयल डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड भोपाल को अधिकृत करने की स्वीकृति दी। मेन्युफेक्चरिंग जोन की स्थापना के लिए राज्य शासन की अंश राशि 93 करोड 50 लाख रुपये में से 40त्न राशि अर्थात राशि 37 करोड़ 40 लाख रुपये समायोजन के बाद शेष 60त्न राशि 56 करोड़ 10 लाख रुपये की प्रतिपूर्ति विभागीय बजट अंतर्गत प्राप्त राशि से किए जाने का अनुमोदन किया गया।

घोटालों के कारण 'कोमा' में चली गई है कर्नाटक सरकार : भाजपा

एजेंसी

बेंगलुरु। कर्नाटक भाजपा ने राज्य सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि वह एमयूडीए और आदिवासी कल्याण मामले जैसे मामलों के कारण कोमा में चली गई है। बेंगलुरु में भाजपा मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए विपक्ष के नेता (एलओपी) आर. अशोक ने कहा, ÷कर्नाटक सरकार विभिन्न मामलों के कारण कोमा में चली गई है, जबकि विकास कार्य ठप हो गए हैं। अगर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने इस्तीफा दे दिया होता, तो विकास कार्यों में इतनी बाधा नहीं आती। उन्होंने कहा कि सरकार ने 50:50 अनुपात में भूखंडों के वितरण में नियमों का उल्लंघन मानते हुए पूर्व एमयूडीए आयुक्त जीटी दिनेश कुमार को निलंबित कर दिया है, जो अप्रत्यक्ष रूप से स्वीकार करता है कि सीएम सिद्धारमैया की पत्नी को उसी अनुपात में भूखंड देना भी गलत है। पिछली भाजपा सरकार द्वारा नियुक्त तकनीकी समिति द्वारा मुडा अनियमितताओं पर रिपोर्ट प्रस्तुत किए 10 महीने हो चुके हैं, फिर भी कोई कार्रवाई नहीं की गई। चल रही जांच के बावजूद दागी अधिकारी दिनेश कुमार को कांग्रेस सरकार ने हावेरी विश्वविद्यालय का रजिस्ट्रार नियुक्त कर दिया। उन्होंने कहा कि उनके अपने पार्टी सदस्यों के अनुसार जब से मुडा घोटाला सामने आया है, सीएम सिद्धारमैया भ्रमित और मानसिक रूप से कमजोर हो गए हैं। राज्य में कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद से बलात्कार और महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले बढ़ गए हैं।

रोहित शेट्टी ने शो से किया था बाहर, अब आसिम रियाज ने तोड़ी चुप्पी, साधा निशाना

सलमान खान के 'बिग बॉस 13' की वजह से आसिम रियाज लाइमलाइट में आए थे. वो इस शो के रनर अप थे. बिग बॉस के बाद आसिम टीवी इंडस्ट्री से पूरी तरह से गायब हो गए थे. चार साल तक टीवी से दूर रहने के बाद आसिम ने रोहित शेट्टी के एडवेंचर रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 14' में शामिल होने के लिए हां कह दी थी. लेकिन इस शो में भी किस्मत ने उनका साथ नहीं दिया. न तो वो स्टंट ठीक से परफॉर्म कर पाए, न ही साथी कंटेस्टेंट के साथ उनका बर्ताव अच्छा था. आखिरकार उनकी बढ़ती बदतमीजी को देखते हुए रोहित शेट्टी और चैनल ने उन्हें शो से बाहर करने का फैसला लिया था.आसिम को क्यों बाहर किया गया ? इस बारे में रोहित शेट्टी ने 'खतरों के खिलाड़ी' के शुरुआती एपिसोड में खुलकर बात की थी. सिर्फ रोहित शेट्टी ही नहीं बल्कि शो में शामिल हुए कई कंटेस्टेंट्स ने इस पूरे मामले पर अपना पक्ष सामने रखा था. पर अब तक आसिम रियाज की तरफ से इस पूरे बवाल को लेकर कोई बात नहीं की गई थी. लेकिन अब आसिम का एक वीडियो वायरल हो रहा है. इस वीडियो में बिना नाम लिए आसिम 'खतरों के खिलाड़ी' की टीम पर निशाना साधते हुए नजर आ रहे हैं.

आसिम ने क्या कहा ?

वायरल हो रहे इस वीडियो में आसिम ये कहते हुए नजर आ रहे हैं कि वो लोग बोल रहे हैं कि कोई इंटरनेट और सोशल मीडिया पर गंद फैला रहा है. अब ये भी ठीक ही है. एक होता है एक्शन और दूसरा होता है रिएक्शन, किसी के एक्शन के बाद दूसरे का रिएक्शन निकलता है. लेकिन वो लोग सिर्फ मेरा रिएक्शन दिखा रहे हैं. खुद का एक्शन उन्होंने नहीं दिखाया है. पूरे वीडियो को एडिट करके सिर्फ मेरे रिएक्शन का क्लिप दिखाया जा रहा है. दुबई के एक इवेंट में आसिम रियाज ने ये बात कही है और उनका ये वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर खूब धूम मचा रहा है.

क्या है पूरा मामला ?

दरअसल 'खतरों के खिलाड़ी' के शुरुआती एपिसोड में गश्मीर महाजनी और शिल्पा शिंदे के अलावा आसिम रियाज सभी के साथ टकराते हुए नजर आ रहे थे. उन्होंने रोहित शेट्टी के सामने ये तक कह दिया था कि सभी झुंड बनाकर उन पर अटैक कर रहे हैं. सिर्फ कंटेस्टेंट ही नहीं आसिम को कंटेस्टेंट को दिए जाने वाले स्टंट से भी आपत्ति थी. जब आसिम ने स्टंट अधूरा छोड़ दिया तब नीचे आकर उन्होंने रोहित शेट्टी से कहा कि जो स्टंट उन्हें इस शो में दिया गया था, वो स्टंट ही पूरी तरह से गलत है. जब अभिषेक कुमार और शालीन भनोट ने उन्हें समझाने की कोशिश की तब उन्होंने उनसे ही झगड़ा करना शुरू कर दिया. उन्होंने कहा कि वो इस शो में पैसों के लिए नहीं बल्कि अपने फैन्स के लिए आए हैं. वरना तो उन्हें इस शो की जरूरत नहीं है और वो 6 महीने में 4 गाड़ियां बदलते हैं.

कौन बनेगा करोड़पति 16 में आने के लिए 96 दिनों तक फल खाकर किया गुजारा, अमिताभ बच्चन ने तोड़ा व्रत

सोनी टीवी के क्विज रियलिटी शो ने अब तक 15 सीजन पूरे किए हैं. फिलहाल अमिताभ बच्चन इस शो का 16वां सीजन होस्ट कर रहे हैं. इस शो ने कई मिडिल क्लास परिवार को नई उम्मीद दी है. अब तक हजारों कंटेस्टेंट इस शो के हॉटसीट पर बैठ चुके हैं और ज्यादातर कंटेस्टेंट ने इस शो से अच्छी कमाई भी की है. शुरुात से लेकर अब तक इस शो में कई कंटेस्टेंट आए हैं. लेकिन पहली बार केबीसी के शो में एक ऐसे खिलाड़ी की एंट्री हुई है, जिसने अमिताभ बच्चन से मिलने के लिए 96 दिनों का व्रत रखा था.कौन बनेगा करोड़पति 16 के लेटेस्ट एपिसोड में अमिताभ बच्चन के सामने हॉटसीट पर श्रीम शर्मा बैठे. श्रीम की मां का सपना था कि वो इस शो में शामिल हो और अपनी मां का सपना पूरा करने के लिए श्रीम ने केबीसी के सभी चैलेंजेस पूरे किए और आखिरकार वो अमिताभ बच्चन के सामने हॉटसीट पर बैठ गए. अमिताभ बच्चन के सामने हॉटसीट पर बैठने के बाद भावुक हुए श्रीम ने बिग बी के साथ ये बात शेयर करते हुए कहा कि आखिरकार उन्होंने अपनी मां का सपना पूरा कर लिया है और वो बहुत खुश हैं. साथ ही इस बातचीत के दौरान उन्होंने अमिताभ बच्चन के सामने खुद को लेकर एक मजेदार खुलासा भी किया.

पेशे से ज्योतिषी हैं श्रीम

दरअसल पेशे से श्रीम एक ज्योतिषी हैं, हालांकि उन्हें इस बात का बिलकुल भी अंदाजा नहीं था कि वो अमिताभ बच्चन के शो में शामिल होने वाले हैं. KBC 16 में आकर अमिताभ बच्चन के सामने हॉटसीट पर बैठने के लिए उन्होंने 97 दिनों का व्रत रखा था. इस व्रत के समय उन्होंने दोनों समय का खाना भी त्याग दिया था, क्योंकि उनका मानना था कि अगर आप किसी बड़ी चीज को पाने का सपना देख रहे हो तो आपको उसे पाने के लिए कोई बड़ा त्याग करना होगा. श्रीम की कहानी सुनने के बाद अमिताभ बच्चन ने केबीसी के सेट पर उनकी पसंदीदा मिठाई मंगवाई और उन्होंने वो रसमलाई खिलाकर श्रीम का व्रत तोड़ा.

क्रिकेटर बनना था, लेकिन बन गए ज्योतिष

अपनी जिंदगी के बारे में दिलचस्प बात अमिताभ बच्चन के साथ शेयर करते हुए श्रीम ने कहा कि वो शुरुआत से एक अच्छे क्रिकेटर बनना चाहते थे. अपने इस सपने को सच बनाने के लिए उन्होंने खूब तैयारी भी शुरू कर दी थी.

सलमान खान संग गाना बनाया तो घर पर हुई फायरिंग, सिंगर AP Dhillon ने अब तोड़ी चुप्पी

मशहूर सिंगर और रैपर एपी ढिल्लों ने इंस्टाग्राम के ज़रिए फैंस को बताया है कि वो सुरक्षित हैं. बीते रोज़ कनाडा में वैंकूवर के विक्टोरिया आइलैंड में एपी ढिल्लों के घर पर गोलीबारी की गई थी. इस हमले के बाद सनसनी मच गई. हमले की जिम्मेदारी जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सदस्य रोहित गोदारा ने ली. बताया गया कि वैंकूवर के अलावा टोरंटो के वुडरिज में भी गोलीबारी की गई है. इस हमले के बाद अब एपी ढिल्लों ने रिएक्शन दिया है.गोलीबारी की घटना के कुछ घंटे के बाद एपी ढिल्लों ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक स्टोरी शेयर की है, जिसमें उन्होंने कहा है, मैं सुरक्षित हूं. मेरे लोग सुरक्षित हैं. जिन्होंने हमसे संपर्क किया, उनसब का शुक्रिया. आपका समर्थन हमारे लिए सबकुछ है.इसके अलावा उन्होंने इंस्टा पर एक वीडियो पोस्ट भी डाला है, जिसमें वो गाना गाते दिख रहे हैं. उनके पास एक शख्स बैठा है, जो गिटार बजा रहा है. उन्होंने पोस्ट में लिखा, प्यार फैलाते रहिए.

सलमान की वजह से फायरिंग

काला हिरण शिकार मामले को लेकर लॉरेंस बिश्नोई और उसके गैंग के लोग लंबे वक्त से सलमान खान को धमकियां देते रहे हैं. कुछ महीने पहले तो सलमान खान के घर पर गोलीबारी तक की गई थी. अब कुछ रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि एपी ढिल्लों के घर पर हुई गोलीबारी की वजह सलमान से उनकी करीबी है. दरअसल हाल ही में एपी ढिल्लों ने सलमान खान के साथ एक बाना बनाया है 'ओल्ड मनी'. एपी के इस वीडियो में सलमान ने काम किया है.एपी ढिल्लों का पूरा नाम अमृतपाल सिंह ढिल्लों हैं. वो इंडियन-कनैडियन रैपर और पंजाबी सिंगर हैं. उनके गानों को युवा काफी पसंद करते हैं. एपी ढिल्लों के हिट गानों में ब्राउन मुंडे, एक्सक्यूसेज, समर हाई, विद यू, दिल नू और इनसेन शामिल है. एपी के गानों को यूट्यूब पर करोड़ों व्यूज़ मिलते हैं. इंस्टा पर एपी ढिल्लों के 35 लाख से ज्यादा फोलोवर्स हैं.

कनाडा में इस सिंगर के घर भी हुआ था हमला

एपी ढिल्लों पहले पंजाबी सिंगर नहीं हैं, जिनके कनाडा वाले घर पर लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने गोलीबारी की है. उनसे पहले पंजाबी सिंगर गिप्पी गरेवाल के घर पर भी इस गैंग ने फायरिंग की थी. बिश्नोई गैंग ने गिप्पी के व्हाइट रॉक नेबरहुड वैंकूवर में मौजूद घर पर हमले की जिम्मेदारी ली थी.

सलमान खान के घर पर हमला

इस साल 14 अप्रैल को सलमान खान के घर पर सुबह सवेरे मोटरसाइकिल सवार दो लोगों ने ताबड़तोड़ कई राउंड गोलियां बरसाई थीं. मुंबई में गैलेक्सी की दीवारों पर गोलियां लगी थीं. जिस वक्त हमला हुआ सलमान घर पर ही थे. बाद में पुलिस ने इस मामले में गोलीबारी करने वाले लोगों को गुजरात से गिरफ्तार किया था. इस केस में करीब 6 लोगों की गिरफ्तारी हुई है. इस हमले के बाद से सलमान खान की सुरक्षा और भी चाकचौबंद कर दी गई. अब वो जहां भी जाते हैं, उनके साथ भारी सुरक्षाबल तैनात रहता है.

मां श्वेता तिवारी से झूठ बोलकर फिल्म देखने गई थीं पलक, इस तरह से पकड़ी गई चोरी

श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी सलमान खान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' से अपना बॉलीवुड डेब्यू कर चुकी हैं. श्वेता तिवारी अक्सर उनके नए शो 'आपका अपना जाकिर' में अपनी बेटी पलक से जुड़े मजेदार किस्से शेयर करती रहती हैं. हाल ही में उन्होंने बताया कि किस तरह से उनकी बेटी पलक उन्हें झूठ बोलकर फिल्म देखने गई थीं और कैसे उन्होंने अपनी बेटी की चोरी पकड़ी. पलक का ये किस्सा सुनकर जाकिर खान और शो में मौजूद सभी मेहमानों ने खूब तालियां बजाईं. श्वेता तिवारी ने बताया, मेरी बेटी जब 13-14 साल की थीं, तब उसकी तीन लडकियां बेस्ट फ्रेंड थीं. उस समय वो सभी फिल्म देखने गई थीं और उन्हें उस उम्र में फिल्म देखने की इजाजत नहीं थी. पलक ने मुझे कहा था कि उनकी एक दोस्त है भूमि, जो हमारी ही सोसाइटी में रहती थी, उसके पिता बीमार हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनका ख्याल रखने के लिए पलक और भूमि दोनों अस्पताल जा रहे हैं. ये सुनकर मैंने भी उन्हें अस्पताल जाने की इजाजत दे दी थी.

मां से झूठ बोलकर फिल्म देखने गई थीं पलक

आगे श्वेता बोलीं, जब भी मैं पलक से बात करने के लिए भूमि को फोन करती थी, उससे बात हो ही नहीं पा रही थी. जब मैं उसे पूछती थी कि बेटा आपके पापा कैसे हैं ? पलक कहां है ? तब वो मुझे कहती थी कि आंटी अस्पताल में दोनों को एक साथ पापा के पास रहने नहीं दे रहे हैं. फिलहाल पलक ऊपर पापा के साथ है और मैं नीचे बैठी हूं. उसकी बात सुनने के बाद मैं भी ठीक है, कहते हुए फोन रख देती थी और आधे घंटे बाद फिर फोन लगाती थी. भूमि हमेशा मुझे कभी पलक ऊपर है – कभी वो वाशरूम में है कहती थीं. 2 घंटे मेरी पलक से बात नहीं हुई.

क्रिस्टियाना रोनाल्डो ने संन्यास लेने की अटकलों पर दिया बयान

एजेंसी

लिस्बन । पुर्तगाल के फारवर्ड क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने निकट भविष्य में संन्यास लेने के संन्यास लेने की अटकलो को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि वह यूरोप कप के बाद हो रही अपनी आलोचनाओं को लेकर चिंतित नहीं है। उन्होंने ऐसी अटकलो को भी खारिज किया जिनमें कहा गया है कि वह निकट भविष्य में अपना अंतरराष्ट्रीय करियर समाप्त करने पर विचार कर रहे हैं। रोनाल्डो ने कहा, 'यह सब प्रेस से है। मेरे दिमाग में यह बात कभी नहीं आई कि मेरा पुर्तगाल की टीम के साथ समय समाप्त हो गया है। इसके ठीक विपरीत इसने मुझे ईमानदार बने रहने के लिए और भी अधिक प्रेरणा दी। उन्होंने कहा, 'हमारी प्रेरणा राष्ट्रीय टीम में शामिल होकर नेशन लीग जीतने की है। हम इसे एक बार पहले ही जीत चुके हैं और हम ऐसा फिर करना चाहते हैं। मैं एक ही बात बार-बार कह सकता हूं, लेकिन मैं दीर्घकालिक नहीं सोचता, यह हमेशा अल्पकालिक होता है। पुर्तगाल गुरुवार को नेशंस लीग के अपने पहले मैच में क्रोएशिया की मेजबानी करेगा। रविवार को लीग ए ग्रुप वन में स्कॉटलैंड से मुकाबला होगा। मैनेजर रॉबटर माटिर्नेज ने दो मैचों के लिए रोनाल्डो को टीम में शामिल किया है।

भाग्यश्री एफ34 महिला गोला फेंक में पदक से चूकी

पेरिस। भारत की भाग्यश्री जाधव यहां पैरालंपिक की महिला गोला फेंक (एफ34) स्पर्धा के फाइनल में पांचवें स्थान पर रहीं। पैरालंपिक में दूसरी बार हिस्सा ले रही भाग्यश्री ने गोले को 7.28 मीटर की दूरी तक फेंका लेकिन यह पोडियम पर जगह दिलाने के लिए नाकाफी था। चीन की लिजुआन झोउ ने 9.41 मीटर के सत्र के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि पोलैंड की लुसीना कोर्नोबीस ने 8.33 मीटर के प्रयास से रजत पदक अपने नाम किया। महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले की रहने वाली 39 साल की भाग्यश्री 2006 में दुर्घटना के बाद अपने पैरों का इस्तेमाल नहीं कर पाई। इस घटना के बाद वह अवसाद में चली गई थी और परिवार तथा मित्रों के उत्साहवर्धन के बाद पैरा खेलों से जुड़ी। एफ34 वर्ग के खिलाड़ियों को हाइपरटोनिया (कठोर मांसपेशियां), एटैक्सिया (खराब मांसपेशी नियंत्रण) और एथेटोसिस (अंगों या धड़ की धीमी गति) सहित समन्वय संबंधी कमियों से निपटना पड़ता है।

पाकिस्तानी पहलवान पर प्रतिबंध, राष्ट्रमंडल खेलों का पदक छीना गया

कराची । पाकिस्तान के पहलवान अली असद पर शक्ति वर्धक दवाओं के सेवन के लिए चार साल का प्रतिबंध लगाया गया है और राष्ट्रमंडल खेलों में जीता गया उनका कांस्य पदक छीन लिया गया है। पाकिस्तान कुश्ती महासंघ ने पुष्टि की कि अली असद पर न केवल चार साल के लिए प्रतिबंध लगाया गया है, बल्कि उनका कांस्य पदक भी छीन लिया गया है, जो उन्होंने 2022 में बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में जीता था। महासंघ के एक अधिकारी ने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (आईटीए) की जांच से पता चला है कि उन्होंने इस प्रतियोगिता के दौरान शक्ति वर्धक दवाइयां ली थी। आईटीए की जांच के बाद इस सप्ताह असद पर चार साल का प्रतिबंध लगाने और राष्ट्रमंडल खेलों का उनका पदक छीनने का फैसला किया गया।

अब भारत के खिलाफ रिकॉर्ड में सुधार करने का समय है : पैट कमिंस

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस को विश्वास है कि भारत के खिलाफ आगामी पांच मैचों की श्रृंखला में उनकी टीम अच्छा प्रदर्शन करके अपने इस कड़े प्रतिद्वंदी के खिलाफ पिछले कुछ समय से लगातार मिली हार की भरपाई करने में सफल रहेगी। उन्होंने इसके साथ ही कहा कि 22 नवंबर से शुरू होने वाली बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में मुकाबला बराबरी का होगा। भारत ने 2016-17 से लेकर 2022 23 तक ऑस्ट्रेलिया से लगातार चार श्रृंखला जीती हैं। इनमें से दो अवसरों पर उसने ऑस्ट्रेलिया को उसकी धरती पर हराया। कमिंस ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया पिछले साल लंदन में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में भारत पर अपनी जीत से प्रेरणा लेने की कोशिश करेगा। कमिंस ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, 'ऑस्ट्रेलिया में खेली गई पिछली दो श्रृंखला में हम सफल नहीं रहे। हमें (भारत के खिलाफ) श्रृंखला जीते हुए काफी समय हो गया है। अब इसमें सुधार करने का समय आ गया है। उन्होंने कहा, 'हम भारत के खिलाफ लगातार खेलते रहे हैं और उन्होंने हमें हराया भी है लेकिन हमने भी उनके खिलाफ कई जीत दर्ज की हैं जिनसे हम प्रेरणा लेने की कोशिश करेंगे। इनमें हाल में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल भी शामिल है जिसमें हम सफल रहे थे। मैं बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी को लेकर काफी उत्साहित हूं। सीनियर बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने कप्तान से सहमति जताई और कहा कि भारत की टीम काफी संतुलित है और ऑस्ट्रेलिया की उनके खिलाफ कड़ी परीक्षा होगी।

प्रो कबड्डी लीग 2024 की शुरुआत 18 अक्टूबर से

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रो कबड्डी लीग 2024 (पीकेएल सीजन 11) की शुरुआत 18 अक्टूबर से हैदराबाद के गाचीबोवली इंडोर स्टेडियम में होगी। आयोजकों ने यह घोषणा की है। उन्होंने बताया कि विश्व की शीर्ष कबड्डी लीग का 11वां सत्र हैदराबाद, नोएडा और पुणे में खेला जाएगा। पीकेएल सीजन 11 के प्लेऑफ की तारीखों और स्थान की घोषणा बाद में की जाएगी।

उन्होंने बताया कि पीकेएल 2024 सीजन 18 अक्टूबर को हैदराबाद के गाचीबोवली इंडोर स्टेडियम में शुरू होगा और 10 नवंबर को दूसरे चरण के लिए नोएडा इंडोर स्टेडियम में जाएगा। तीसरा चरण 3 दिसंबर से पुणे के बालेवाड़ी बैडमिंटन स्टेडियम में होगा। इस सत्र में 12 कबड्डी टीमें प्रतिस्पर्धा करेंगी। प्रो कबड्डी 2024 में देश विदेश के शीर्ष खिलाड़ी भी शामिल होंगे।

दक्षिण कोरिया के जांग कुन ली ने चार साल की गैरमौजूदगी के बाद पीकेएल में वापसी की। उन्हें आगामी सीजन के लिए उनकी पुरानी टीम पटना पाइरेट्स ने चुना था। नीलामी के दौरान सचिन तंवर और ईरान के मोहम्मदरेजा शादलोई शीर्ष पंसदीदा खिलाड़ी थे। ईरान के ही फजल अत्राचली बंगाल वॉरियर्स के लिए खेलेंगे।

लीग के शीर्ष रेडर परदीप नरवाल, जो पिछले साल यूपी योद्धा के लिए खेले थे, पीकेएल 11 में बेंगलुरु बुल्स का प्रतिनिधित्व करेंगे, जहां वह अनुभवी रेडर रोहित कुमार के साथ जोड़ी बनाएंगे। इस बीच, भारतीय कबड्डी कप्तान पवन सहरावत को तेलुगु टाइटंस ने अपनी टीम में बरकरार रखा है।

प्रो कबड्डी लीग के लीग कमिश्नर अनुपम गोस्वामी ने कहा, हमें प्रो कबड्डी सीजन 11 की शुरुआत की तारीख और स्थानों की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। 10 सीजन सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद, लीग के निरंतर आगे बढ़ाते हुए पीकेएल सीजन 11 एक नया मील का पत्थर साबित होगा। इससे भारत और दुनिया भर में अन्य जगहों पर कबड्डी के विकास को मजबूती मिलेगी।'

उल्लेखनीय है कि पिछले महीने हुई खिलाड़ियों की नीलामी के दौरान प्रत्येक टीम के लिए पीकेएल स्क्वाड का फैसला किया गया था।

अवनि पचास मीटर राइफल स्पर्धा के फाइनल में पदक से चूकी

एजेंसी

पेरिस। भारत की अवनि लखेरा पेरिस पैरालंपिक 2024 खेलों में निशानेबाजी में महिलाओं की आर8 डब्ल्यू50 मीटर राइफल 3पी एसएच1 स्पर्धा के फाइनल में पदक से चूक गयी। आज खेले गए फाइनल मुकाबले में अवनि ने

420.6 अंक हासिल किए। वह पांचवें स्थान पर रहीं एवं पदक जीतने से चूक गयी इससे पहले अवनि ने 1159 के स्कोर के साथ सातवें स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनायी थी। उल्लेखनीय है कि अवनि ने पेरिस पैरालंपिक खेलों में महिलाओं की 10 मीटर एसएच1 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है।

ईसीबी ने मक्कलम को सीमित ओवर टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया

एजेंसी

लंदन। इंग्लैंड एडं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान ब्रेंडन मक्कलम को सीमित ओवर टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है। वह पहले से ही टेस्ट टीम के प्रमुख कोच हैं।

मक्कलम ने ईसीबी के नए तीन साल के करार को स्वीकार किया है और वह 2027 तक एकदिवसीय विश्व कप तक टीम के कोच रहेंगे। हालांकि सफेद गेंद क्रिकेट में उनका कार्यकाल आधिकारिक रूप से जनवरी 2025 में भारत दौरे शुरू होगा। तब तक मार्कस ट्रेस्कोथिक टीम के अंतरिम मुख्य कोच बने रहेंगे। उनकी पहली बड़ी चुनौती चैंपियंस ट्रॉफी होगी। ईसीबी ने इससे पहले जुलाई में एकदिवसीय और टी20 विश्व कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद सीमित ओवर के प्रमुख कोच मैथ्यू मॉट को पद से हटा दिया था। इस पद के लिए रिकी पोंटिंग, ओएन मॉर्गन और ऐंडी फ्लॉवर भी दावेदार थे।

इस अवसर पर मक्कलम ने कहा, मैने टेस्ट टीम के साथ अपने समय को

इन्जॉय किया और अब मैं सफेद गेंद की चुनौती के लिए भी तैयार हूं। मैं जॉस और उनकी टीम के साथ एक ऐसा टीम माहौल बनाया जाए जिससे हम उच्च स्तर पर प्रतिस्पर्धा करना जारी रखें। मजबूत टीम बनाने के लिए उत्साहित हूं। इंग्लैंड क्रिकेट में अपार प्रतिभा है और मैं उनको सहयोग करने की पूरी कोशिश करूंगा। मेरा लक्ष्य है कि

पूर्व क्रिकेटर अजय रात्रा चयन समिति के सदस्य बने

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज अजय रात्रा को पुरूष सीनियर टीम की चयन समिति का नया सदस्य बनाया गया है।

इस चयन समिति में आगरकर के अलावा शिव सुंदर दास, सुब्रतो बनर्जी और एस शरत भी हैं। रात्रा चयन समिति में उत्तर क्षेत्र की अगुवाई करेंगे। वह अजीत आगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति में सलिल अंकोला की जगह लेंगे।

रात्रा ने भारत के लिए छह टेस्ट मैच और 12 एकदिवसीय मैच खेले हैं। उनके नाम हरियाणा की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलते हुए 99 प्रथम श्रेणी मैचों में 4029 रन और 240 शिकार हैं। वह 2023 में भारत के दक्षिण अफ्रीका दौरे पर एकदिवसीय श्रृंखला के दौरान टीम के कोचिंग स्टाफ़ में भी थे। इससे पहले वह

(एनसीए) बेंगलुरू से भी जुड़े हुए थे और सीनियर एवं जूनियर महिला क्रिकेट के अलग-अलग कोचिंग कार्यक्रमों का भी हिस्सा थे। आईपीएल 2021 के दौरान वह असम, उत्तर प्रदेश और पंजाब की टीमों की भी कोचिंग कर चुके हैं।

रात्रा राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी दिल्ली कैपिटल्स में रिकी पोंटिंग की कोचिंग दल में भी सहायक कोच के रूप में शामिल थे।

हम लाल गेंद वाले क्रिकेट के लिए तैयार नहीं थे, बांग्लादेश से टेस्ट सीरीज हार पर बोले शान मसूद

रावलपिंडी। पाकिस्तान के टेस्ट कप्तान शान मसूद बांग्लादेश के खिलाफ निराशाजनक श्रृंखला हार के बावजूद अपने भविष्य को लेकर चिंतित नहीं हैं, लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि टीम लाल गेंद वाले क्रिकेट के लिए वास्तव में तैयार नहीं थी। बांग्लादेश ने यहां दूसरे टेस्ट में पाकिस्तान को 6 विकेट से हराकर 2-0 से श्रृंखला जीत ली जो उनके इतिहास में पहली बार है। मैच के बाद मसूद ने कहा, 'मैं हार की जिम्मेदारी लेता हूं और देश से माफी मांगता हूं।

लेकिन मुझे लगता है कि हमें इस बात पर ध्यान देने की जरूरत है कि हम कैसे सुधार कर सकते हैं और अपनी टेस्ट टीम को आगे ले जा सकते हैं।' मसूद ने स्वीकार किया कि लगभग 10 महीने के अंतराल के बाद टेस्ट क्रिकेट खेलना आसान काम नहीं था। उन्होंने कहा, 'इस श्रृंखला को हारने का कोई बहाना नहीं है और हम इसे स्वीकार करते हैं। लेकिन यह भी एक तथ्य है कि खिलाड़ी भी अच्छा प्रदर्शन करना चाहते थे।' पाकिस्तान के टेस्ट कप्तान ने कहा, 'लेकिन हम लाल गेंद वाले क्रिकेट के लिए तैयार नहीं थे। उन्होंने कहा, 'अगर हमें आगे बढ़ना है तो हमें कुछ असफलताओं को सहन करना होगा।' मसूद ने कहा कि पहले कदम के रूप में टीम को तेज गेंदबाजों का एक अच्छा पूल विकसित करने की कोशिश करनी चाहिए।

डब्ल्यूटीसी टेस्ट का फाइनल मुकाबला लॉर्ड्स में 11 जून से

एजेंसी

दुबई। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) टेस्ट का फाइनल मुकाबला अगले साल 11 जून से लॉर्ड्स खेला जाएगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने यह जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि डब्ल्यूटीसी का फाइनल 11 से 15 जून 2025 तक खेला जाएगा। शीर्ष दो टीमों के बीच लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड में यह टेस्ट मैच खेला जायेगा।

आईसीसी के मुख्य कार्यकारी ज्योफ एलार्डिस ने कहा, ÷आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल क्रिकेट कैलेंडर में सबसे प्रतीक्षित आयोजनों में से एक बन गया है और हमें 2025 संस्करण की तारीखों की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। यह टेस्ट क्रिकेट की स्थायी अपील का प्रमाण है जो दुनिया भर के प्रशंसकों को आकर्षित करता है। टिकटों की बहुत मांग होगी इसलिए मैं प्रशंसकों को अभी से अपनी रुचि दर्ज कराने के लिए प्रोत्साहित करूंगा ताकि यह

सुनिश्चित हो सके कि उन्हें अगले साल अल्टीमेट टेस्ट देखने का मौका मिले।

भारत और ऑस्ट्रेलिया मौजूदा डब्ल्यूटीसी में अंक तालिका में शीर्ष दो स्थानों पर हैं। भारत 68.52 प्रतिशत अंक के साथ पहले नंबर है जबकि 62.50 प्रतिशत अंक के साथ ऑस्ट्रेलिया दूसरे स्थान पर है। हालांकि इस पर अंतिम निर्णय अगले साल बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बाद होगा। भारत के लिए डब्ल्यूटीसी में इस सत्र में 10 टेस्ट और खेलने हैं। भारत को इसी महीने बंगलादेश की मेजबानी करना है और फिर उसके बाद न्यूजीलैंड के साथ भी घर में ही तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलना है। इन दो घरेलू श्रृंखला के बाद भारत को ऑस्ट्रेलिया में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। वहीं गत विजेता ऑस्ट्रेलिया को भी श्रीलंका के साथ दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला खेलनी है। आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल 2023 जीतने वाले ऑस्ट्रेलिया टीम के कप्तान पैट कमिंस ने कहा, विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीतना इस टीम के लिए एक बड़ा लक्ष्य था और अभी भी है। यह सभी टीमों के लिए दो साल के चक्र में कड़ी मेहनत और निरंतरता का परिणाम है।

उन्होंने कहा, इसलिए उम्मीद है कि हम फिर से वहां पहुंचेंगे अभी और तब के बीच बहुत सारा क्रिकेट खेला जाना बाकी है और प्रशंसकों को हमें खिताब का बचाव करते हुए देखने का मौका मिल सकता है।' एमसीसी के मुख्य कार्यकारी और सचिव गाय लैवेंडर ने कहा, हम पहली बार विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की मेजबानी करने के लिए आईसीसी के साथ काम करके खुश हैं। लॉर्ड्स में टेस्ट मैच के दिन खास होते हैं और उस समय दुनिया की दो सर्वश्रेष्ठ पुरुष टीमों का स्वागत करना, क्रिकेट के घर में मुकाबला करना, एक ऐसा क्रिकेट अनुभव होगा जिसे मिस नहीं किया जा सकता। उल्लेखनीय है कि लॉर्ड्स में होने वाला टेस्ट आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के तीसरे संस्करण के विजेता का फैसला करेगा। न्यूजीलैंड ने 2021 में उद्घाटन चैंपियनशिप जीती और ऑस्ट्रेलिया ने 2023 में टेस्ट मेस उठाया था।

भारतीय हॉकी टीम पुरुष एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में भाग लेने के लिए चीन रवाना

एजेंसी

बेंगलुरु । भारतीय पुरुष हॉकी टीम मंगलवार तड़के एशियाई चैपियंस ट्राफी 2024 में भाग लेने के लिए चीन के हुलुनबुइर के लिए रवाना हो गयी। पेरिस ओलंपिक 2024 की कांस्य पदक विजेता भारतीय टीम प्रतियोगिता में अपने खिताब को बरकरार रखने की प्रयास करेंगी। इस टूर्नामेंट में कोरिया, मलेशिया, पाकिस्तान, जापान और चीन भी शामिल है। भारत अपना अभियान आठ सितंबर को मेजबान चीन के खिलाफ शुरू करेगा उसके बाद नौ सितंबर को जापान से खेलेगा। भारत 11 सितंबर को मलेशिया और 12 सितंबर को कोरिया से भिड़ेगा। भारत 14 सितंबर को आखिरी पूल चरण के मैच में

चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के साथ खेलेगा। पूल की शीर्ष चार टीमें 16 सितंबर को होने वाले सेमीफाइनल में पहुंचेंगी और 17 सितंबर को फाइनल खेला जाएगा। भारतीय टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने अपनी रवाना होने से पहले कहा, पेरिस ओलंपिक के बाद थोड़े आराम के साथ टीम एशिया में सर्वश्रेष्ठ हॉकी खेलने वाले देशों से भिड़ने और अपनी क्षमता साबित करने के लिए तैयार है। पेरिस में हमारा प्रदर्शन अच्छा रहा लेकिन हॉकी बहुत करीबी खेल है हम अपनी उपलब्धियों से संतुष्ट नहीं हो सकते। हमारा लक्ष्य हाई ऑक्टेन हॉकी खेलना और अपने खिताब बरकरार रखने पर होगा।

उप कप्तान विवेक सागर प्रसाद ने कहा, इतनी कम उम्र में टीम का उप कप्तान बनना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। हालांकि हम सभी टीम में कप्तान और उप कप्तान हैं और पूरी टीम की जिम्मेदारियां एक दूसरे पर निर्भर हैं। इस बार टीम में कुछ नए खिलाड़ी हैं जिनमें अपार संभावनाएं हैं और जो प्रदर्शन करने के लिए उत्सुक हैं। हम अपने खिताब बचाव के लिए एक अनुकूल माहौल बनाने का पूरा प्रयास करेंगे।

बांग्लादेश ने दूसरे टेस्ट में पाकिस्तान को हराया, सीरीज में 2-0 से दर्ज की ऐतिहासिक जीत

एजेंसी

इस्लामाबाद। बांग्लादेश ने पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे टेस्ट में 6 विकेट से जीत दर्ज करते हुए 2-0 से ऐतिहासिक सीरीज जीत अपने नाम की। इससे पहले बांग्लादेश ने पाकिस्तान को पहले टेस्ट में हराकर पाकिस्तान के खिलाफ पहली बार टेस्ट मैच जीता था।

पाकिस्तान ने 5वें दिन दो शुरुआती विकेट लेकर अच्छी शुरुआत की। हालांकि बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो और मोमिनुल हक ने पाकिस्तान की जीत के दरवाजे बंद कर दिए और लंच तक मेहमान टीम को जीत के लिए सिर्फ 63 रन चाहिए थे। इसके बाद पाकिस्तान ने दूसरे सत्र में दो विकेट चटकाए लेकिन मुशफिकुर रहीम और शाकिब अल हसन के

आक्रामक शॉट की बदौलत ऐतिहासिक हार से बचने की उनकी संभावना खत्म हो गई।

इससे पहले तेज गेंदबाज हसन महमूद और नाहिद राणा ने सोमवार को रावलपिंडी में बांग्लादेश को जीत दिलाने के लिए 9 विकेट लिए। हसन ने 5/43 का स्पैल फैंका जबकि राणा ने 44 रन देकर 4 विकेट अपने नाम करते हुए पाकिस्तान की दूसरी पारी को 172 पर रोक दिया। सलामी बल्लेबाज जाकिर हसन और शादमान इस्लाम ने बिना किसी नुकसान के 42 रन बनाए, जिसमें जाकिर ने दो छक्के और दो चौके लगाए इससे पहले बारिश के बादल छा गए और खराब रोशनी के कारण चाय के ब्रेक के एक ओवर बाद खेल स्थगित कर दिया गया।

पहले टेस्ट में बांग्लादेश की जीत पाकिस्तान में लंबे समय तक क्रिकेट में उनकी पहली जीत थी। यह किसी भी टेस्ट मैच में उनकी पहली 10 विकेट की जीत भी थी। उन्होंने घर से बाहर केवल दो सीरीज़ जीती हैं - 2009 में वेस्टइंडीज के खिलाफ और 2021 में जिम्बाब्वे के खिलाफ और जीत हासिल करने के लिए अंतिम दिन 143 रन की जरूरत थी।

'हमारा क्रिकेट इस स्तर पर आ गया है', बांग्लादेश से 0-2 से श्रृंखला गंवाने के बाद बोले पाकिस्तानी दिग्गज

एजेंसी

रावलपिंडी। पाकिस्तान क्रिकेट दूसरे टेस्ट में बांग्लादेश के खिलाफ छह विकेट की हार के साथ अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया और पूर्व दिग्गज खिलाड़ियों ने 0-2 से श्रृंखला गंवाने को 'पीड़ादायक' करार दिया। यह पाकिस्तान की घरेलू मैदान पर पिछले 10 टेस्ट मैच में छठी हार है और यह पहली बार है जब बांग्लादेश ने पाकिस्तान को टेस्ट और श्रृंखला में हराया। पूर्व टेस्ट कप्तान जावेद मियांदाद ने कहा, 'यह पीड़ादायक है कि हमारा क्रिकेट इस स्तर पर आ गया है। बांग्लादेश को उनके अनुशासित प्रदर्शन के लिए श्रेय दिया जाना चाहिए। लेकिन जिस तरह से इस श्रृंखला में हमारी बल्लेबाजी ढह गई है, वह एक बुरा संकेत है।' दूसरे टेस्ट की एकादश ने पाकिस्तान ने तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी को बाहर कर दिया जबकि नसीम शाह को आराम दिया गया जिसके बाद बांग्लादेश के बल्लेबाजों ने दूसरी पारी में दबदबा बनाया। पाकिस्तान ने बांग्लादेश का पहली पारी में स्कोर छह विकेट पर 26 रन कर दिया था लेकिन शतकवीर लिटन दास और मेहदी हसन मिराज ने शानदार साझेदारी करके अपनी टीम को उबारा। मियांदाद का मानना है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) में कलह के कारण खिलाड़ियों का आत्मविश्वास कम हो गया है। उन्होंने कहा, 'मैं सिर्फ खिलाड़ियों को दोष नहीं दूंगा क्योंकि पिछले डेढ़ साल में बोर्ड (पीसीबी) में जो कुछ भी हुआ है और कप्तानी तथा प्रबंधन में बदलाव ने टीम को प्रभावित किया है।' पूर्व कप्तान इंजमाम उल हक ने कहा कि तीन श्रृंखला हारना और नौ टेस्ट मैचों में घरेलू मैदान पर जीत दर्ज नहीं कर पाना चिंताजनक रिकॉर्ड है। उन्होंने कहा, 'घरेलू श्रृंखला को हमेशा से ही सर्वश्रेष्ठ टीमों को हराने का हमारा सबसे अच्छा मौका माना जाता था। लेकिन ऐसा होने के लिए बल्लेबाजों को रन बनाने की जरूरत है। दिग्गज बल्लेबाज यूनिस खान ने कहा कि जब कोई टीम मानसिक रूप से हार के सिलसिले में प्रवेश करती है तो वापसी करना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने कहा, 'हमारे बल्लेबाजों ने अतीत में रन बनाए हैं लेकिन अभी मुझे लगता है कि उन्हें इस संकट से उबरने के लिए मानसिक रूप से मजबूत होने की जरूरत है। इस हार के साथ पाकिस्तान के विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के करीब पहुंचने की संभावना भी लगभग खत्म हो गई है। कप्तान शान मसूद के रन नहीं बनाने से कप्तान के रूप में उनका बुरा प्रदर्शन और खराब हो गया है क्योंकि अब वे स्वदेश में सभी पांच टेस्ट हार चुके हैं।

पुरानी दिल्ली 6 ने सेंट्रल दिल्ली किंग्स को हराया, प्लेऑफ में बनाई जगह

एजेंसी

नई दिल्ली । ललित यादव की 29 गेंद पर 46 रन की नाबाद पारी और प्रिंस यादव की शानदार गेंदबाजी के दम पर पुरानी दिल्ली 6 ने अपने अंतिम लीग चरण मैच में सेंट्रल दिल्ली किंग्स को 33 रन से हराकर दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के प्लेऑफ में जगह बनाई। पुरानी दिल्ली 6 ने रात को खेले गए मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 173 रन बनाए और फिर

शानदार गेंदबाजी करते हुए सेंट्रल दिल्ली किंग्स को आठ विकेट पर 140 रन पर रोक दिया। पुरानी दिल्ली 6 के लिए ललित यादव के अलावा युग गुप्ता ने 44 रन की उपयोगी पारी खेली।

सेंट्रल दिल्ली किंग्स की तरफ से रजनीश दादर ने 29 रन दो विकेट लिए। सेंट्रल दिल्ली किंग्स की टीम जोंटी सिद्धू के 52 रन और लक्ष्य थरेजा के 34 रन के बावजूद लक्ष्य से काफी पीछे रह गई। प्रिंस यादव ने 15 रन देकर तीन विकेट लिए।

गुरु ब्रम्हा,गुरु विष्णु,गुरु देवो महेश्वरा,
गुरु शक्षत प्रम्ब्रम्हा तस्मेश्री गुरवे नमः
....गुरु दिवश के अवसर पर में अपने गुरु रूपी माता और पिता को प्रणाम करते हुए अपने सभी साथियो को हार्दिक शुभकामनाये

गुरू दिवस

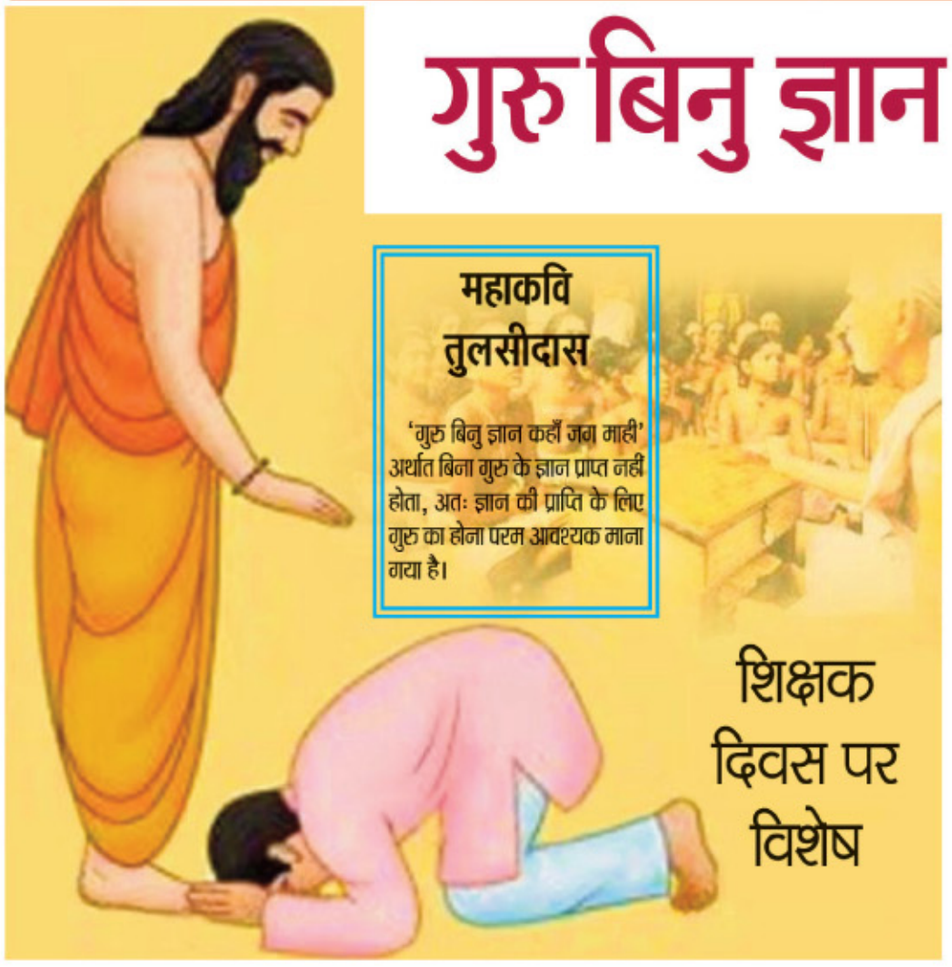

गुरु बिनु ज्ञान कहाँ जग माही

महाकवि तुलसीदास

'गुरु बिनु ज्ञान कहाँ जग माही' अर्थात बिना गुरु के ज्ञान प्राप्त नहीं होता, अतः ज्ञान की प्राप्ति के लिए गुरु का होना परम आवश्यक माना गया है।

शिक्षक दिवस पर विशेष

'अध्यापक राष्ट्र की संस्कृति के चतुर माली होते हैं। वे संस्कारों की जड़ों में खाद देते हैं और अपने श्रम से उन्हें सींचकर शक्ति में निर्मित करते हैं।' महर्षि अरविंद का उक्त कथन शिक्षक की गरिमा के सर्वथा अनुकूल ही है। शिक्षक राष्ट्र निर्माता है और राष्ट्र के निर्माण की प्रत्येक प्रक्रिया में शिक्षकीय महत्व को नकारा नहीं जा सकता ।

उर्वरायुक्त पारिवारिक धरातल पर शिक्षक संस्कारित ज्ञान की फसल बोता है और स्वच्छ एवं स्वस्थ क्षेत्रीय वातावरणीय जलवायु में श्रेष्ठता रूपी नागरिक की उन्नत उपज देता है। इस दृष्टि में शिक्षक संस्कारों का पोषक है। सही अर्थों में राष्ट्र की संस्कृति का कुशल शिल्पी है, जो संगठित, धैर्यवान, संस्कारवान, विवेकवान युवा शक्ति का निर्माण करता है। शिक्षक संस्कृति से तादात्म्य स्थापित कर शिक्षार्थी में ज्ञान के गरिमामय पक्ष का बीजारोपण करता है। फलस्वरूप शिक्षार्थी में शिक्षा के प्रति गहन अभिरुचि जाग्रत होती है। शिक्षक वह सेतु है, जो शिक्षार्थी को शिक्षा के उज्वल पक्षों से जोड़ता है। संस्कारित शिक्षार्थी शिक्षा के उपवन को अपने ज्ञान-पुष्प की सुरभि से महकाते हैं तथा परिवार, समाज एवं राष्ट्र को गौरवान्वित करते हैं।

उत्तम शिक्षा, योग्य शिक्षक और अनुशासित शिक्षार्थी ही संस्कारित, सुसभ्य और स्वच्छ-स्वस्थ समाज का निर्माण करने का सामर्थ्य रखते हैं। संस्कृति का उद्गम ही श्रेष्ठ संस्कारोंके गर्भ से होता है, जिससे सामाजिक गतिविधियों को सांस्कृतिक शक्ति का संबल प्राप्त होता है।

राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में शिक्षक की भूमिका का कोई सानी नहीं है। विद्यार्थियों में स्नेह, सद्भाव, भ्रातृत्व भाव, नैतिकता, उदारता, अनुशासन जैसे चारित्रिक सद्गुणों की समष्टि गुरु के माध्यम से ही संभव होती है। समाज-जीवन में स्नेह एवं सद्भाव तथा सामंजस्य की सद्प्रेरणा गुरु से ही प्राप्त होती है क्योंकि शिक्षा का मूल उद्देश्य ही चरित्र निर्माण करना है। शिक्षक शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का हरसंभव प्रयास करता है। शिक्षक को एक ऐसा दीपक माना गया है जो सेवापर्यंत दीप्तमान रहते हुए विद्यार्थियों के प्रगतिपथ को अपने ज्ञान का आलोक प्रदान करता रहता है।

ज्ञान दे संस्कार दे,
और बनाये शिष्यों का जीवन चमन
शीश झुकाकर करते हैं हम-सब,
ऐसे गुरू-देव को शत-शत् नमन।

हर वर्ष की तरह इस बार भी भारत के भूतपूर्व राष्ट्रपति डॉ0 सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस के दिन यानि 5 सितम्बर को पूरे भारतवर्ष में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। वास्तव में यह दिन गुरू-शिष्य के पवित्र रिश्ते को उजागर करता है। लेकिन वर्तमान-काल में यह दिन शिक्षक दिवस के रूप मे मनाया जाना लगा है अर्थात् शिक्षक और विद्यार्थी का दिन। गुरू और शिक्षक में बहुत अन्तर है। शिक्षक अपने विद्यार्थियों को केवल शिक्षा देता है और विद्यार्थी अपने शिक्षक से विद्या को ग्रहण करते हैं, परन्तु जो गुरू होता है वह अपने शिष्यों को शिक्षा, विद्या सहित ज्ञान देता है। ज्ञान जिसका प्रयोग शिष्य अपने सम्पूर्ण जीवन-काल तक कर सकता है। प्राचीनकाल से ही गुरूओं का बोलबाला रहा है और गुरू के दिये ज्ञान पर ही शिष्य अमल करते आए हैं। मगर गुरू शब्द ने जब से शिक्षक का रूप ले लिया है, तबसे शिक्षक और विद्यार्थियों के बीच एक अलग ही अन्तर सा पैदा हो गया है। गुरूओं से हटकर शिक्षकों ने अपने मूल्यों में परिवर्तन कर लिया है। इन परिवर्तनों के कारण ही अब शिक्षकों का अपने विद्यार्थियों के प्रति उतना लगाव नही रह गया है और न ही उनके प्रति उतना निष्ठा का भाव रह गया है। इसलिए प्रत्येक शिक्षक को गुरू बनकर अपने शिष्य को गुरू-ज्ञान देना चाहिए और प्रत्येक विद्यार्थी को एक सच्चे शिष्य के रूप मे उस गुरू-ज्ञान को ग्रहण कर अपने जीवन में उतारना चाहिए। तब तो शिक्षक दिवस मनाये जाने का कोई मतलब बनता है, अन्यथा अन्य कई दिवसों की तरह यह दिवस भी सिर्फ ढोंग दिवस का ही प्रारूप बनकर रह जायेगा।

एक सच्चे शिष्य हेतु दो पंक्तियाँ प्रस्तुत है:-
बनकर दिखलाओ सच्चा शिष्य
और अर्जित करो गुरू का ज्ञान,
गुरू के ज्ञान को जीवन में उतारो
और सारे जग में बढाओ गुरू का मान।

गुरु के प्रति व्यक्त करें अपनी भावनाएं

गुरु गोविन्द दोउ खड़े काके लागु पांव, बलिहारी गुरु आपने गोविन्द दियो बताय। कबीर दास द्वारा लिखी गई यह पक्तियां जीवन में गुरु के महत्व को वर्णित करने के लिए काफी हैं। जीवन में माता-पिता का स्थान कभी कोई नहीं ले सकता क्योंकि वे ही हमें इस रंगीन खूबसूरत दुनिया में लाते हैं। उनका ऋण हम किसी भी रूप में उतार नहीं सकते लेकिन जिस समाज में हमें रहना है, उसके योग्य हमें केवल शिक्षक ही बनाते हैं। यद्यपि परिवार को बच्चे के प्रारंभिक विद्यालय का दर्जा दिया जाता है लेकिन जीने का असली सलीका उसे शिक्षक ही सिखाता है। समाज के शिल्पकार कहे जाने वाले शिक्षकों का महत्व यहीं समाप्त नहीं होता क्योंकि वह ना सिर्फ आपको सही मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं बल्कि आपके सफल जीवन की नींव भी उन्हीं के हाथों द्वारा रखी जाती है। इसीलिए गुरु की महत्ता को समझते हुए हर वर्ष भारत में पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस यानि 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। कच्चे घड़े की भांति स्कूल में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को जिस रूप में ढालो, वे ढल जाते हैं। वे स्कूल में जो सीखते हैं या जैसा उन्हें सिखाया जाता है वे वैसा ही व्यवहार करते हैं। उनकी मानसिकता भी कुछ वैसी ही बन जाती है जैसा वह अपने आसपास होता देखते हैं। सफल जीवन के लिए शिक्षा बहुत उपयोगी है जो हमें गुरु द्वारा प्रदान की जाती है। गुरु का संबंध केवल शिक्षा से ही नहीं होता बल्कि वह तो हर मोड़ पर आपका हाथ थामने के लिए तैयार रहता है। आपको सही सुझाव देता है और जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। गुरु-शिष्य परंपरा भारत की संस्कृति का एक अहम और पवित्र हिस्सा है, जिसके कई स्वर्णिम उदाहरण हमारे इतिहास में दर्ज हैं। लेकिन वर्तमान समय में कई ऐसे लोग भी हैं जो अपने अनैतिक कारनामों और लालची स्वभाव के कारण इस परंपरा पर गहरा आघात कर रहे हैं। 'शिक्षा' जिसे अब एक व्यापार समझकर बेचा जाने लगा है, किसी भी बच्चे का एक मौलिक अधिकार है लेकिन अपने लालच को शांत करने के लिए आज तमाम शिक्षक अपने ज्ञान की बोली लगाने लगे हैं। इतना ही नहीं वर्तमान हालात तो इससे भी बदतर हो गए हैं क्योंकि शिक्षा की आड़ में कई शिक्षक अपने छात्रों का शारीरिक और मानसिक शोषण करने को अपना अधिकार ही मान बैठे हैं। किंतु हम बात कर रहे हैं ऐसे गुरुओं की जिन्होंने हमेशा समाज के सामने एक अनुकरणीय उदाहरण पेश किया। प्रायः सख्त और अक्खड़ स्वभाव वाले यह शिक्षक अंदर से बेहद कोमल और उदार होते हैं। हो सकता है आपके जीवन में भी कभी ना कभी एक ऐसा गुरु या शिक्षक का आगमन हुआ हो जिसने आपके जीवन की दिशा बदल दी या फिर आपको जीवन जीने का सही ढंग सिखाया हो।

शिक्षक दिवस का महत्व

'शिक्षक दिवस' कहने-सुनने में तो बहुत अच्छा प्रतीत होता है। लेकिन क्या आप इसके महत्व को समझते हैं। शिक्षक दिवस माने साल में एक दिन बच्चों द्वारा टीचर्स को भेंट किया गया एक गुलाब का फूल या कोई भी गिफ्ट। नहीं यह टीचर दिवस मनाने का सही तरीका नहीं है।

टीचर्स डे हम सभी मनाते आए है। आपने भी मनाया है। हमने भी मनाया है। लेकिन इस दिन को मनाना तभी सही मायने में सार्थक सिद्ध होगा जब आप अपने टीचर के प्रति सही नजरिया रखें। पिछले कुछ ही समय में ऐसी कई घटनाएँ देश और दुनिया में घटी है जो आपके व्यवहार, वातावरण और संस्कारों के अनुरूप नहीं है। चाहे वह घटना 'सभरवाल कांड' हो या फिर किसी शिक्षक द्वारा भरी क्लास में या एकांत में स्कूली छात्रा के कपड़े का नाप लेना हो। या फिर किसी शिक्षक द्वारा बच्चे के कपड़े उतारकर उसे दंडित करना हो। यह सब बातें हमें किस ओर इंगित करती है। यह समझना आज बहुत जरूरी हो गया है। या तो शिक्षक वो शिक्षक नहीं रहे जो अपने छात्रों को वह सही संस्कार दे सकें। या फिर आजकल के शिक्षकों में अहंकार, अत्याचार, ईर्ष्या और द्वेष का भाव बहुत ज्यादा मात्रा में आ गया है। यह सब मैं इसलिए नहीं कह रही हूँ कि मैं शिक्षकों का आदर करना नहीं जानती, या फिर मैं शिक्षकों के खिलाफ हूँ।

बात ऐसी नहीं है... रोजाना हमारे आमने-सामने, हमारे आस-पास घटित होने वाली उन घटनाओं सोचने पर मजबूर कर दिया है कि आखिर ये सब हो क्या रहा है? क्या किसी भी छात्र संगठन के छात्रों द्वारा शिक्षकों को अपमानित करना, उनके साथ मारपीट करना ये वाक्या किस हद ते क सही है। अभी हाल ही में एक स्कूल 10वीं-11वीं के छात्र ने अपने टीचर की जमकर धुनाई कर दी थी। उस छात्र ने ऐसा क्यों किया यह सोचना भी एक बहुत बड़ा पहलू है। अगर हम मान भी लेते है कि हो सकता है उस बच्चे की कोई मजबूरी रही हो, या उस बच्चे को गुस्सा बहुते ज्यादा आता हो तो शिक्षक द्वारा कहीं गई बातों का, शिक्षक द्वारा` उस छात्र के साथ किए गए व्यवहार से आहत होकर उस बच्चे ने इतना घिनौना कदम उठाया। बात जो भी हो, लेकिन तरीका तो गले त ही हुआ। शिक्षक को हम विद्या का वरदान देने वाले भगवान का दर्जा देते आए है। उनके प्रति हमारे मन असीम प्यार, और स्नेह छुपा होता है।` तो फिर छात्र द्वारा अपने शिक्षक के साथ किया गया यह व्यवहार कैसा? क्या आजकल के बच्चों को स्कूलों में सही शिक्षा, सही वातावरण नहीं मिल रहा है या फिर आपके घर के संस्कारों में कुछ कमी है। जो आप जरा-जरा सी बात पर मरने-मारने पर उतारूँ हो जाते है। अगर आप शिक्षक दिवस का सही महत्व समझना चाहते है तो सर्वप्रथम आप इस बात को हमेशा ध्यान रखें कि आप एक छात्र है, और

अपने शिक्षक से उम्र में काफी छोटे है। और फिर हमारे संस्कार भी तो हमें यही सिखाते है कि हमें अपने से बड़ों का आदर करना चाहिए। अपने गुरु का आदर-सत्कार करना चाहिए। उनकी बात को ध्यान से सुनना और समझना चाहिए। अगर आपने अपने क्रोध, ईर्ष्या को त्याग कर अपने अंदर संयम के बीज बोएँ तो निश्े चित ही आपका व्यवहार आपको बहुत ऊँचाइयों तक ले जाएगा। और तभी हमारा शिक्षक दिवस मनाने का महत्व भी सार्थक होगा।